www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 | वर्ष-18 | अंक-12 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा : शाह

02 ■ भाजपा गुजरात में आम आदमी पार्टी की सफलता... ■ फीस बढ़ोतरी के मामले में हर स्कूल की जांच...

03 ■ 'ट्रंप प्रशासन के सामाजिक सुरक्षा कटौती के फैसले... ■ गाजा पर इजरायली हमलों में 19 फिलीस्तीनी...

07 इंटरनेट पर लोकप्रिय है 'सही पकड़े हैं', शुभांगी... 10

मौजूदा वक्फ में नई नियुक्तियों पर रहेगी रोक

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए कहा कि मौजूदा वक्फ में अगली सुनवाई तक कोई बदलाव नहीं होने चाहिए। न्यायालय मामले की अगली सुनवाई पांच मई को करेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले। पांच साल (इस्लाम का अभ्यास) जैसे प्रावधान हैं, जिन पर हम रोक नहीं लगा रहे हैं।'

पीठ के समक्ष श्री मेहता ने निवेदन करते हुए कहा कि केंद्र सरकार सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करेगी और अगली तारीख तक परिषद या बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगली तारीख तक उपयोगकर्ताओं द्वारा वक्फ का स्वरूप नहीं बदलेगा, हालांकि उन्होंने तर्क दिया कि अदालत को वक्फ संशोधन अधिनियम, 1995 पर अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाकर कठोर रुख नहीं अपनाना चाहिए। अदालत ने श्री मेहता का बयान दर्ज किया और जवाब दाखिल करने की अनुमति दी।

- सर्वोच्च अदालत में दूसरे दिन भी हुई सुनवाई
- मामले की अगली सुनवाई पांच मई को होगी
- नए वक्फ कानून पर फिलहाल रोक से इनकार

केवल 5 याचिकाओं पर विचार किया जाएगा

सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि केवल पांच रिट याचिकाओं पर विचार किया जाएगा और शेष को निपटाया हुआ माना जाएगा, क्योंकि 100 या 120 याचिकाओं पर विचार करना असंभव है।

इस एक्ट के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रहेगी : आवैशी

एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल और स्टेट वक्फ काउंसिल का गठन नहीं किया जाएगा। 'वक्फ बाय यूजर' को हटाया नहीं जा सकता। जेपीसी की चर्चा के दौरान मैंने सरकार की ओर से प्रस्तावित सभी संशोधनों का विरोध करते हुए एक रिपोर्ट दी थी। इस एक्ट के खिलाफ हमारी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

पश्चिम बंगाल के शिक्षकों को मिली राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के उन शिक्षकों को गुरुवार को सशर्त एक बड़ी राहत दी, जिनकी नियुक्ति वर्ष 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के आधार पर रद्द कर दी गई थी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कक्षा नौ से 12 तक के सहायक शिक्षक राज्य में संबंधित पदों पर नई भर्ती पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं।

वक्फ कानून जन अधिकारों पर हमला : कांग्रेस

कांग्रेस ने वक्फ संशोधन विधेयक को नागरिकों के अधिकार पर हमला बताते हुए इसे सुधारों की आड़ में प्रतिशोध करार दिया और कहा कि यह पहचान, स्वायत्तता और संवैधानिक मूल्यों पर हमला है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि धार्मिक मामलों में सत्ता की दखलंदाजी को सुशासन कहकर पेश किया जा रहा है। यह धार्मिक संस्थाओं पर चोट करने के साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय की आत्मनिर्णय तथा स्वायत्तता की भावना को कुचलता है। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहता हूँ कि यह सुधार नहीं है, बल्कि सुधार की आड़ में प्रतिशोध है।

सुधारों की आड़ में प्रतिशोध करार दिया

बिहार में महागठबंधन की हुई बैठक

तेजस्वी बने कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना में गुरुवार को महागठबंधन की कई घंटे चली बैठक के बाद तेजस्वी यादव को को-ऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष चुन लिया गया है।

इससे ये साफ है कि, महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने मुख्यमंत्री के चेहरे पर सीधे तो कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। मुख्यमंत्री के चेहरे पर कोई कंफ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि, एनडीए में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर भारी कंफ्यूजन है। वहीं, सीएम फेस पर तेजस्वी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, सभी बातों पर सहमति बन चुकी है, थोड़े इंतजार का मजा लीजिए, एक ही दिन में सब बता दें क्या। पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा, आने वाली बैठक में इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी के साथ लेफ्ट की तीनों पार्टियों के नेता शामिल थे। राज्य से लेकर प्रखंड स्तर पर को-ऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। ये कमेटियां समय-समय पर आपस में बैठक कर काम करेंगी।

आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी व लेफ्ट पार्टियों के नेता रहे शामिल

महागठबंधन के बड़े नेता हुए शामिल

महागठबंधन की बैठक में आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी शामिल हुए। कांग्रेस की तरफ से बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा बैठक में मौजूद रहे। वीआईपी से पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी, देव ज्योति, सीपीआई से केडी यादव, सीपीआई-एम से अजय कुमार, सीपीआई-एमएल से राज्य सचिव कुणाल भी मीटिंग में शामिल होने पहुंचे थे।

सार संक्षेप

अगले सप्ताह अमेरिका जाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका की यात्रा पर जायेंगे और इस दौरान वह ब्राउन यूनिवर्सिटी में शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि श्री गांधी 21 और 22 अप्रैल को रोड आइलैंड के ब्राउन यूनिवर्सिटी जाएंगे जहां वह शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करेंगे। वह एनआरआई समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ आईओसी के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी मिलेंगे।

हमारा सीएम फेस नीतीश, महागठबंधन का कौन : दिलीप

पटना। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी यादव सहित 'महागठबंधन' के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि एनडीए का सीएम फेस तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं और रहेंगे। उनके नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ेगा और जीतेगा, लेकिन 'महागठबंधन' बताए कि उसका सीएम फेस कौन होगा।

चारधाम यात्रा की तैयारी तेज, सड़कों का पैचवर्क जोरों पर

टिहरी गढ़वाल। उत्तराखंड में आगामी चारधाम यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सफल बनाने के लिए टिहरी गढ़वाल जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद के विभिन्न सड़कों पर पैच वर्क का कार्य तेजी से चल रहा है।

राबर्ट वाड्रा से ईडी ने लगातार तीसरे दिन की पूछताछ

दो दिनों में कुल मिला कर 10 घंटे से अधिक समय तक किए सवाल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा धन शोधन निवारक अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ का सामना करने के लिए गुरुवार को यहां लगातार तीसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के समक्ष हाजिर हुए। उन्होंने तीन घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद ईडी के कार्यालय से निकलने पर मीडिया से बातचीत में कहा कि ईडी उनसे पुराने सवाल ही पूछे जा रही है और उन्हें बार-बार वही जवाब देना पड़ रहा है। ईडी के अधिकारियों ने पिछले दो दिनों में वाड्रा से कुल मिला कर 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी श्री वाड्रा के साथ पूर्वाह्न ईडी के कार्यालय तक आई थीं। पूछ-ताछ के बाद वाड्रा ने कहा ईडी के पास कोई नए सवाल हैं नहीं , नई बात है नहीं। हर चीज क्लियर है।

प्रियंका भी वाड्रा के साथ ईडी के कार्यालय तक आई थीं

भाजपा ने रॉबर्ट वाड्रा को बताया भू-माफिया

भाजपा ने रॉबर्ट वाड्रा और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला और कहा कि गांधी परिवार जन्मजात तौर पर भ्रष्ट है। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने रॉबर्ट वाड्रा को भू-माफिया बताया। मीडिया से बात करते हुए गौरव भाटिया ने रॉबर्ट वाड्रा पर आरोप लगाया कि उन्होंने किसानों की जमीन हड़पी। उन्होंने नेता विपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वे नेशनल हेराल्ड मामले में शामिल हैं।

गांधी परिवार को बताया 'जन्मजात भ्रष्ट'

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका पर की कड़ी टिप्पणी

जज के घर से नकदी मिलने पर एफआईआर क्यों नहीं हुई

अनुच्छेद 142 को 'लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल' बताया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका पर तीखा हमला किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

यह फैसला राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा तय करता है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 142 को 'लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल' बताया। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के 6वें बैच को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से भारी मात्रा में नकदी मिलने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 14 और 15 मार्च की रात नई दिल्ली में एक जज के घर पर एक घटना हुई।

सात दिनों तक किसी को इसके बारे में पता नहीं चला। हमें खुद से सवाल पूछने होंगे। क्या इस देरी को समझा जा सकता है? क्या इसे माफ किया जा सकता है? क्या इससे कुछ बुनियादी सवाल नहीं उठते? किसी भी सामान्य स्थिति में, और सामान्य स्थितियां कानून के शासन को परिभाषित करती हैं – चीजें अलग होतीं। यह केवल 21 मार्च को एक अखबार द्वारा खुलासा किया गया था, जिससे देश के लोग पहले कभी नहीं इतने हैरान हुए।

14 और 15 मार्च की रात नई दिल्ली में एक जज के घर पर एक घटना हुई। सात दिनों तक किसी को इसके बारे में पता नहीं चला। हमें खुद से सवाल पूछने होंगे : जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

कोई शक्ति राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती

उप राष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका की असीमित स्वतंत्रता पर सवाल करते हुए कहा कि कोई शक्ति किसी भी आधार पर राष्ट्रपति को कोई निर्देश नहीं दे सकती। न्यायपालिका की भूमिका परामर्श की है। उन्होंने कहा, 'परामर्श सहमति नहीं है, परामर्श केवल परामर्श है।' उप राष्ट्रपति का यह वक्तव्य उच्चतम न्यायालय के हाल के उस निर्णय के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि राष्ट्रपति को विचार के लिए भेजे विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के भीतर फैसला करना होगा।

फिच ने भारत का वृद्धि दर अनुमान घटाया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। फिच रेटिंग्स ने वैश्विक व्यापार युद्ध से जुड़ी 'गंभीर' चिंताओं को देखते हुए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। एजेंसी ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 10 आधार अंक घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया। हालांकि, अगले वित्त वर्ष के लिए एजेंसी ने अपने अनुमानों को बरकरार रखा है।

फिच ने तिमाही वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) पर अपने विशेष अपडेट में कहा, अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ भविष्यवाणी करना कठिन है। नीतिगत अनिश्चितता के कारण व्यापार निवेश की संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं, इक्विटी कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति में कमी आ रही है, तथा अमेरिकी निर्यातकों पर जवाबी कार्रवाई का असर पड़ेगा। फिच ने अपने मार्च जीईओ से 2025 में विश्व विकास अनुमानों में 0.4 प्रतिशत अंकों की कटौती की तथा चीन और अमेरिका की वृद्धि में 0.5 प्रतिशत अंकों की कटौती की।

इसमें कहा गया है, वैश्विक व्यापार युद्ध में हाल ही में हुई तीव्र वृद्धि के जवाब में फिच रेटिंग्स के विश्व विकास के पूर्वानुमानों को तेजी से कम कर दिया गया है। इस वर्ष विश्व विकास दर 2 प्रतिशत से नीचे आने का अनुमान है; महामारी को छोड़कर, यह 2009 के बाद से सबसे कमजोर वैश्विक विकास दर होगी। भारत के बारे में फिच ने वित्त वर्ष 2024-25 और मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान में 10 आधार अंकों की कटौती कर क्रमश: 6.2 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई है।

- वैश्विक व्यापार युद्ध में बढ़ोतरी का असर
- 10 आधार अंक घटाकर 6.4 प्रतिशत किया

आप नेता दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई ने मारा छापा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी के नेता और गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक के घर पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को छापेमारी की। सीबीआई ने विदेशी फंडिंग से जुड़े मामले में यह छापेमारी की है। सीबीआई ने कल इस मामले में एक केस दर्ज किया था। छापेमारी पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर हमला बोला है। आप ने कहा कि पिछले गुजरात चुनाव की वजह से भाजपा की केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करना शुरू किया था और अब दुर्गेश पाठक को गुजरात की जिम्मेदारी मिली है तो सीबीआई ने उनके घर छापा मार दिया है।

- विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम से जुड़े मामले में छापेमारी
- आम आदमी पार्टी के गुजरात के सह-प्रभारी हैं दुर्गेश पाठक

हम धमकियों से डरने वाले नहीं : आतिशी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा, आम आदमी पार्टी ने जैसे ही गुजरात चुनाव की तैयारी शुरू की, गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई रेड करने पहुंच गई। गुजरात में आम आदमी पार्टी ही भाजपा को चुनौती दे सकती है और यह रेड इनकी बौखलाहट दिखा रही है। इतने सालों मे भाजपा को समझ नहीं आया कि हम उनकी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

पाकिस्तान को पीओके खाली करना पड़ेगा : भारत

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताने वाली टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा है कि कश्मीर के साथ पाकिस्तान का एकमात्र संबंध उस क्षेत्र को खाली करने का है, जिस पर उसका अवैध रूप से कब्जा है। पाकिस्तान को पीओके खाली करना पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में यह बात कही। तहव्वुर पर एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में इसकी ख्याति कम नहीं होगी।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख की टिप्पणी को किया खारिज

परेशानी

अखरोट की मांग 85 फीसदी से घटकर सिर्फ 30 फीसदी रह गई

चीनी अखरोट ने कश्मीरी अखरोट के सामने खड़ा किया संकट

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। कश्मीर में कभी फलता-फूलता अखरोट उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है, क्योंकि पिछले चार वर्षों में इसके जैविक अखरोट की मांग 85 परसेंट से घटकर सिर्फ 30 परसेंट रह गई है। उत्पादक और व्यापारी इस बात से काफ़ी चिंतित हैं कि 2020 में 1.70 लाख मीट्रिक टन से बिक्री में भारी गिरावट आई है और 2024 में यह सिर्फ 30,000 मीट्रिक टन रह गई है।

इस गिरावट के पीछे मुख्य कारणों में सस्ते चीनी अखरोट की आमद, अपर्याप्त प्रसंस्करण सुविधाएं और कमजोर विपणन रणनीतियां शामिल हैं।

इस व्यापार में संलिप्त लोगों के अनुसार, स्थानीय बाजारों में, कश्मीरी जैविक अखरोट की कीमत वर्तमान में 700-800 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच है, जबकि चीनी अखरोट लगभग आधी कीमत 350-400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिकता है। कीमतों में यह भारी अंतर मुख्य रूप से चीन के बड़े पैमाने पर उत्पादन के तरीकों के कारण है, जो रासायनिक उर्वरकों पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जिससे कम लागत पर बड़े पैमाने पर निर्यात संभव हो पाता है। बागवानी विपणन विभाग के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि वर्तमान में केवल 15 परसेंट अखरोट औपचारिक चौनलों के माध्यम से बेचे जा रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों से पता चलता है कि उचित ग्रेडिंग प्रणाली की अनुपस्थिति और जैविक प्रमाणीकरण को बढ़ावा देने में विफलता ने स्थिति को और खराब कर दिया है।

■ चीनी अखरोट आधी कीमत 350-400 रुपए प्रति किलो बिक रहा

प्रसंस्करण इकाइयों की कमी

कश्मीर के अखरोट उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती फसल की कटाई के बाद उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण इकाइयों की कमी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि कश्मीरी अखरोट में तेल की मात्रा अधिक होती है, लेकिन अपर्याप्त प्रसंस्करण के कारण उनका प्राकृतिक रंग सफेद नहीं होता है, जिससे वे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में कम आकर्षक हो जाते हैं।

देश

उवाच

"ईडी भाजपा के आनुषांगिक संगठन की तर्ज पर कांग्रेस के खिलाफ प्रतिशोध में काम कर रही है। देश में कई भाजपा नेताओं पर धन शोधन और पैसों को लेकर मामले चल रहे हैं लेकिन हर बार कांग्रेस या विपक्ष के नेताओं को ही ईडी निशाना बनाती है।

-कृष्णा अल्लावारू,बिहार कांग्रेस के प्रभारी

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	39.0	27.0
मुंबई	31.0	28.0
कोलकाता	32.0	24.0
चेन्नई	31.0	29.0

केंद्र के पास सिर्फ कुछ दिन बचे : कांग्रेस

■ **राशिद अल्वी ने कांग्रेस की सत्ता में जल्द वापसी की जताई उम्मीद**

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने गुरुवार को दावा किया कि केंद्र की भाजपा सरकार के पास सिर्फ कुछ दिन ही बचे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सत्ता में जल्द वापसी की उम्मीद है। राशिद अल्वी ने कहा कि मैंने कई बार कहा है कि भाजपा सरकार के पास अब कुछ ही दिन बचे हैं। हम निश्चित रूप से सत्ता में लौटेंगे और जब हम लौटेंगे तो वक्फ कानून को मुसलमानों की उम्मीदों के मुताबिक बनाएंगे। इसमें संशोधन कर देंगे और जिस तरीके से वक्फ कानून को होना चाहिए, उसी तरीके से इसे बना देंगे और यह हमारा वादा है। भाजपा पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में ही ध्रुवीकरण नहीं करना चाहती है बल्कि वह पूरे देश में ऐसा कर रही है। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच संघर्ष पैदा करने के अलावा उनके पास कोई और एजेंडा नहीं है। भाजपा के पास जो सबसे बड़े मुद्दे हैं, उनमें तीन तलाक, यूनिफॉर्म सिविल कोड और वक्फ शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, अजित सिंह के बेटे और रामविलास

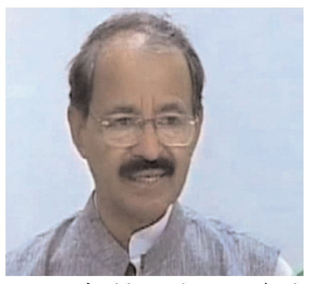

पासवान के बेटे खामोश नहीं हैं, वे वक्फ के समर्थन में भाजपा के साथ खड़े हैं। उनके सांसदों ने संसद में वोट किया, अगर वे खामोश होते तो वोट नहीं करते और यह कानून नहीं बनता। इन्होंने (चारों दलों ने) सत्ता के लालच में भारतीय जनता पार्टी का साथ दिया है और वक्फ का समर्थन किया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर के दो राष्ट्र सिद्धांत वाले बयान पर पलटवार किया।

भाजपा के लिए बेरोजगारी का कोई मतलब नहीं : कांग्रेस

देश में महंगाई बढ़ रही है, आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है, लेकिन उनके लिए ये बातें कोई मायने नहीं रखती हैं। भाजपा के लिए बेरोजगारी का कोई मतलब नहीं है। गरीब आदमी को न तो खाना मिलता है और न उसके लिए मेडिकल सुविधाएं हैं। उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं है, और वे समझते

जब हम सत्ता में लौटेंगे तो वक्फ कानून को मुसलमानों की उम्मीदों के मुताबिक बनाएंगे : राशिद अल्वी

हैं कि दू-मुसलमान करके वे पूरे देश में सत्ता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने एनडीए के घटक दलों के वक्फ कानून का समर्थन करने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में लोग क्या सोचते हैं, यह उनका मामला है। मगर, भारत में रहने वाले मुसलमान इस पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करते हैं। हमारा मानना है कि हिंदू और मुसलमान हमेशा भाईचारे की तरह साथ रहते आए हैं, आगे भी साथ रह सकते हैं और आगे भी साथ-साथ रहेंगे। हमारा धर्म भले ही अलग-अलग है, लेकिन विचार और सोच एक ही है, और इसीलिए हमारा देश धर्म निरपेक्ष है। हम अपने मजहब पर चलते हैं और दूसरे धर्म की इज्जत करते हैं और एक भाई की तरह दूसरे भाई के साथ व्यवहार करते हैं। अल्वी ने कहा कि आप (पाकिस्तान) लगातार कश्मीर में घुसपैठ करते हैं और आतंकवाद फैलाते हैं।

यह पूरी दुनिया जानती है। पाकिस्तान को इससे बेहतर तरीके से और क्या समझा जा सकता है। आप हमेशा हमारे देश में आतंकवाद फैलाते हैं और आपके अपने देश में भी आतंकवाद पनपता है। आपके देश (पाकिस्तान) में मस्जिदों में नमाज पढ़ना भी सुरक्षित नहीं है, पता नहीं कब मस्जिद उड़ा दी जाए।

मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ उसके लिए भाजपा जिम्मेदार : कांग्रेस

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर बात करते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ है, उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। भाजपा को लगता है कि बंगाल के अंदर ममता को हराना आसान नहीं है। अभी कुछ दिन पहले अमित शाह का बयान आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल के अंदर कोई देशभक्त पार्टी सरकार में आती है तो उन्हें कोई एतराज नहीं है। इसका मतलब यह है कि ममता बनर्जी देशद्रोही हैं और वहां की जनता भी देशद्रोही है। उनके इस बयान से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह किसी भी तरीके से ममता सरकार को उखाड़ देना चाहते हैं।

नीतीश ने पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर को दी श्रद्धांजलि

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर को गुरुवार को उनके जन्म दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कुमार ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर के जन्म दिवस के अवसर पर पटना में आयोजित

राजकीय जयंती समारोह पर स्व. चन्द्रशेखर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी स्व. चन्द्रशेखर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा आरती पूजन, भजन-कीर्तन एवं देशभक्ति गीतों का गायन किया गया।

कश्मीर में महिला ड्रग सरगना समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

■ **कुपवाड़ा पुलिस ने दक्षिण-उत्तरी ड्रग रूट का किया भंडाफोड़ किया**

जम्मू,17 अप्रैल (देशबन्धु)। ड्रग तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, कुपवाड़ा पुलिस ने गुरुवार को दक्षिण कश्मीर से एक महिला ड्रग सरगना समेत तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1.71 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, कुपवाड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुलाम जिलानी ने एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि कल रात एक पुलिस दल द्वारा एक संदिग्ध वाहन को रोकने पर ये गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान, तीन व्यक्तियों जिनमें हसीना बेगम नाम की एक महिला भी शामिल है। को बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों के साथ पकड़ा गया। एसएसपी के बकौल, हसीना बेगम एक जानी-मानी ड्रग तस्कर

है, जिसके खिलाफ उत्तरी कश्मीर समेत घाटी में कई एफआईआर दर्ज हैं। वह दक्षिण से उत्तरी कश्मीर तक तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल रही है।

एसएसपी जिलानी ने कहा कि तीनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और तस्करी में इस्तेमाल की गई गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस धंधे में शामिल व्यापक नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। एसएसपी ने यह भी खुलासा किया कि महिला सरगना का भाई सरकारी कर्मचारी है।

पाक फोन नंबर पाए जाने पर व्यक्ति हिरासत में

जम्मू कश्मीर पुलिस ने सांबा जिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिसके मोबाइल फोन पर काल रिकॉर्ड के साथ कुछ पाकिस्तानी फोन नंबर पाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पुंछ जिले के निवासी फारूक अहमद नामक व्यक्ति को संदिग्ध परिस्थितियों में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय के पास घूमते हुए देखा गया। सूत्रों के अनुसार, उसके मोबाइल डिवाइस की प्रारंभिक जांच के दौरान, पुलिस को तीन अलग-अलग पाकिस्तानी नंबरों से आने वाली काल के रिकार्ड मिले। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति के आतंकवादियों या राष्ट्र-विरोधी तत्वों से किसी तरह के संबंध होने का पता लगाने के लिए बैकवर्ड और फारवर्ड दोनों तरह के संबंधों की जांच शुरू की है। पुलिस अधिकारी सांबा में उसकी मौजूदगी के पीछे किसी संभावित नेटवर्क या मकसद का पता लगाने के लिए उसकी पृष्ठभूमि, यात्रा इतिहास और संचार पैटर्न की भी जांच कर रहे हैं।

सार संक्षेप

झारखंड की लेखिका रोज केरकेट्टा का निधन

रांची। झारखंड की लेखिका और आदिवासी अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली रोज केरकेट्टा का आज यहां निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार चल रही थीं। उनकी उम्र 84 वर्ष थी। उन्हें प्रभावती सम्मान, रानी दुर्गावती सम्मान और अयोध्या प्रसाद खत्री सम्मान से भी नवाजा गया था। उनका कहानी संग्रह पगहा जोरी-जोरी रे घाटो काफी चर्चित रहा है। इस बीच लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने रोज केरकेट्टा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से झारखंड को अपूरणीय क्षति हुई है।

छत्रपति संभाजीनगर का दौरा करेंगे राजनाथ

छत्रपति संभाजीनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर दौरे पर आयेंगे, यहां वह महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण सहित अन्य दो कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। यहां गुरुवार को जारी आधिकारिक मीडिया बयान के अनुसार, श्री सिंह कल शाम करीब 04=55 बजे विशेष विमान से छत्रपति संभाजीनगर के चिकलठाणा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। वहां से वह सीधे सीआईडीसीओ कनॉट प्लेस जाएंगे, जहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद, रक्षा मंत्री होटल रामा में उद्यमियों से मुलाकात करेंगे और फिर विशेष विमान से लखनऊ रवाना होंगे।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने किया आत्मसमर्पण

पटना। बिहार में पटना जिले के दानापुर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक रीतलाल यादव ने आज सुबह अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया।यादव गुरुवार सुबह दानापुर व्यवहार न्यायालय में अपने भाई पिंकू यादव, भांजा श्रवण यादव एवं चिक्कू यादव के साथ आत्मसमर्पण किया। विधायक यादव के वकील सफदर हयात ने यहां बताया कि श्री यादव पर एक बिल्डर से रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी दिए जाने मामला खगौल थाना में दर्ज कराया गया है। इस मामले में श्री यादव के साथ ही पिंकू यादव, श्रवण यादव एवं चिक्कू यादव को भी आरोपी बनाया गया है।

बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है जो पैसे के बदले बंगलादेशी प्रवासियों के लिए जाली भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड और अन्य पहचान दस्तावेज बना रहा था। उसके कब्जे से कई आपत्तिजनक दस्तावेज व 13 लाख रुपए से अधिक की नकदी जब्त की गई।

मुर्शिदाबाद का दौरा न करें आनंद बोस : ममता बनर्जी

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस से हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले का अपना दौरा स्थगित करने का अनुरोध किया। बनर्जी ने कहा कि स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है और जनता का विश्वास बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि मैं अनुरोध करूंगी कि स्थानीय लोगों के अलावा कोई भी व्यक्ति अब मुर्शिदाबाद न जाए। शांति धीरे-धीरे वापस आ रही है और इस स्थिति में हमें प्रशासन की मदद करनी चाहिए ताकि वे निर्माण प्रक्रिया में अपना विश्वास बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं राज्यपाल से कुछ और दिन इंतजार करने की अपील करती हूं। हमारा महिला आयोग भी जाना चाहता था, लेकिन मैंने उन्हें रोक दिया। मैं भी नहीं जा रही हूं। समय आने पर मैं जाऊंगी। उनकी यह अपील उन रिपोर्ट के बाद आई है, जिनमें कहा गया है कि बोस मुस्लिम बहुल जिले में पिछले सप्ताह हुई सांप्रदायिक अशांति के बाद जमीनी हालात का आकलन करने के लिए शुक्रवार को मुर्शिदाबाद का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें त्रिपुरा जाने दीजिए। गृह मंत्री से कहिए कि वे मणिपुर और असम जाएं।

■ **राज्यपाल से की कुछ और दिन इंतजार करने की अपील**

2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा : शाह

■ **सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित**

नीमच, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। देश का जब भी स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले की

देश से नक्सलियों के उन्मूलन में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी : अमित शाह

प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिह, क्षेत्र के लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीआरपीएफ के अदम्य साहस व समर्पण की सराहना की

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि 'जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं'। उन्होंने कहा कि आज सीआरपीएफ के 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए बलिदान दिया।उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

सुरक्षा बल के जवानों को किया पुरस्कृत

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिए सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में कोबरा, आरएएफ वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी विशेष इकाईयों द्वारा प्रभावशाली एवं आकर्षक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने सीआरपीएफ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रृद्धांजलि अर्पित की। सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह की परेड के बाद शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सीआरपीएफ कैम्प नीमच के परिसर में 'राष्ट्र सेवा में समर्पित सीआरपीएफ के विभिन्न आयाम चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सीआरपीएफ की स्थापना से अब तक फोर्स द्वारा अर्जित उपलब्धियों एवं विभिन्न गतिविधियों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

फारूक के 370 को हटाने का समर्थन करने के दुलत के खुलासे से हैरान नहीं : महबूबा

■ **श्रीनगर में मध्य कश्मीर के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को किया संबोधित**

श्रीनगर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि वह खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख ए.एस. दुलत के इस खुलासे से हैरान नहीं हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के संरक्षक फारूक अब्दुल्ला ने निजी तौर पर अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था और यहां तक कि अगर उन्हें विश्वास में लिया जाए तो इस प्रक्रिया में 'मदद' करने की इच्छा भी जताई थी। मुफ्ती ने श्रीनगर में मध्य कश्मीर के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि दुलत साहब लंबे समय से नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक परिवार के सदस्य की तरह करीब रहे हैं। आज वह लिखते हैं कि फारूक साहब अनुच्छेद 370

को हटाने पर चर्चा चाहते थे और विधानसभा के माध्यम से इसे हटाने के लिए भी तैयार थे। यह पहली बार नहीं है। नेकां ने 2014 में भी इसी तरह की चीजें की थीं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत वरिष्ठ नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने 2014 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कथित तौर पर देर रात की बैठकों के दौरान मुलाकात की थी, ताकि भाजपा से पीडीपी की बजाय बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ सरकार बनाने का आग्रह किया जा सके। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिना किसी शर्त के भाजपा के साथ सरकार बनाने की पेशकश की। यह (दुलत का दावा) कोई नई बात नहीं है। गौरतलब है कि दुलत ने अपनी नई किताब में दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 हटाने का निजी तौर पर समर्थन किया था।

जम्मू-कश्मीर में स्थिति शांतिपूर्ण नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति शांतिपूर्ण नहीं है, जैसा कि सरकार दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि हम वक्फ विधेयक के खिलाफ और फिलिस्तीन के साथ एकजुटता के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते थे, लेकिन अधिकारियों ने सभा की अनुमति नहीं दी। अगर जम्मू-कश्मीर की शांति एक साधारण विरोध प्रदर्शन से भंग हो सकती है, तो स्थिति आपके सामने है।

मुंबई हवाई अड्डे पर मादक पदार्थ के साथ महिला गिरफ्तार

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) अधिकारियों ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त करने के बाद एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि आरोपी महिला को गिरफ़्तार करने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, विशेष इनपुट के आधार पर उनकी टीम ने मंगलवार तड़के केन्या की राजधानी नैरोबी से मुंबई आई महिला यात्री को शंका के आधार पर रोककर उससे पूछताछ की गयी। अधिकारियों ने कहा कि महिला के सामान की जांच करने के दौरान बैग से सफेद पाउडर के तीन पैकेट मिले।

पलानीस्वामी ने टीटीवी दिनाकरन के खिलाफ मामला लिया वापस

चेन्नई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी के लिए समझौता करने के कुछ दिनों बाद अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एवं विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने अपने धुर विरोधी और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) संस्थापक टीटीवी दिनाकरन के खिलाफ अन्नाद्रमुक पार्टी के झंडे के कथित दुरुपयोग को लेकर लंबे समय से चल रहे दीवानी मुकदमे को वापस ले लिया है। दिनाकरन और एक अन्य अपदस्थ नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा द्रविड़ प्रमुख के साथ संबंधों को पुनर्जीवित करने से पहले ही राजग का हिस्सा थे। दिनाकरन दिवंगत अन्नाद्रमुक नेता जे. जयललिता की करीबी विश्वासपात्र वी.के. शशिकला के भतीजे हैं। अन्नाद्रमुक के साथ संबंधों को फिर से शुरू करने की घोषणा करते समय जब भाजपा के दिग्गज चुनाव रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछा गया कि क्या ओपीएस और दिनाकरन गठबंधन का हिस्सा बने रहेंगे या फिर वह चुनावों में एकजुट अन्नाद्रमुक के पक्ष में हैं, तो उन्होंने कहा कि भाजपा अन्नाद्रमुक के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

■ **अन्नाद्रमुक पार्टी के झंडे के कथित दुरुपयोग का मामला**

पर्यटन *कश्मीर में इस साल पर्यटन के क्षेत्र में देखी गई बड़ी उछाल*

सवा तीन माह में साढ़े पांच लाख पर्यटकों ने किया घाटी का रुख

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। कश्मीर में इस साल पर्यटन में बड़ी उछाल देखी जा रही है, 2025 के पहले तीन महीनों और एक सप्ताह में ही 5,25,272 पर्यटक कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। इसमें 5,14,845 घरेलू और 10,427 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। ऐसे में कश्मीरियों का मानना है कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिला है और उन लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई है।

जो अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में 1,51,023 पर्यटक आए (1,48,439 घरेलू और 3,585 विदेशी) फरवरी में 1,47,560 पर्यटक आए (1,43,444 घरेलू और 4,116 विदेशी) मार्च में सबसे ज्यादा 1,76,355 पर्यटक आए (1,74,349 घरेलू और 2,006 विदेशी) 1 से 7 अप्रैल तक 49,544 पर्यटक आए (48,614 घरेलू और 930 विदेशी) थे।

■ **अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलने की आस**

पर्यटन अधिकारियों ने बताया कि 2025 हाल के समय में सबसे अच्छे वर्षों में से एक बन रहा है। पर्यटकों की संख्या में बढ़ौतरी का एक बड़ा कारण मार्च में गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स की सफल मेजबानी थी। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी के बकौल, विंटर गेम्स ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और बड़ी संख्या में साहसिक प्रेमी यहां आए। वहीं, श्रीनगर का ट्यूलिप गार्डन हर दिन हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। दिल्ली से आए पर्यटक राजेश शर्मा कहते थे कि यह जगह धरती पर स्वर्ग जैसी लगती है। फूल, ठंडी हवा और जबरवान पहाड़ियों का नजारा मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। दिल्ली से ही आई एक अन्य पर्यटक नीतू रैना के शब्दों में मैंने कश्मीर की खूबसूरती के बारे में सिर्फ सुना था।

लेकिन यहां आना एक सपने के सच होने जैसा है। लोग गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। स्थानीय लोग भी पर्यटकों की भीड़ से खुश हैं। हाउसबोट के मालिक इश्फाक अहमद कहते थे कि लंबे समय के बाद, हम अपने हाउसबोट में इतनी भीड़ देख रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे पुराने दिन आ गए हों। डल झील में शिकारा के मालिक मुश्ताक अहमद के बकौल, झील पर फिर से रौनक लौट आई है। पर्यटक शिकारा की सवारी का आनंद ले रहे हैं और तस्वीरें खींच रहे हैं। यह हम सभी के लिए एक अच्छा संकेत है जो पर्यटन पर निर्भर हैं। कंगन गंदरबल के कैब ड्राइवर बशारत अहमद कहते थे कि हम जनवरी से ही व्यस्त हैं। पिछले साल की तुलना में मेरी बुकिंग दोगुनी हो गई है। मुझे उम्मीद है कि यह रुझान जारी रहेगा। जबकि पर्यटन निदेशक कहते थे कि इस साल ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ज़्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य कश्मीर को एक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बनाना है। ऐसी मजबूत शुरुआत के साथ, 2025 कश्मीर पर्यटन के लिए रिकार्ड तोड़ने वाला साल लग रहा है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

टीचर ने गधे के सामने एक दारू की और एक पानी की बाल्टी रख दी। गधा पानी पी गया। टीचर स्टूडेंट से : तुमने इससे क्या सीखा?
स्टूडेंट्स : जो दारू नहीं पीता वो गधा होता है।

भाजपा गुजरात में आम आदमी पार्टी की सफलता देखकर बौखलाई : संजय सिंह

दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की छापेमारी को लेकर भाजपा पर बोला हमला

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गुजरात में आम आदमी पार्टी की सफलता को देखकर भाजपा बौखला गई है। इसलिए मोदी और भाजपा ने गुजरात के सह प्रभारी दुर्गेश पाठक को डराने के लिए उनके घर गुरुवार को सीबीआई भेज दी। जब से दुर्गेश पाठक को गुजरात का सह प्रभारी बनाया गया है और वह संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं, तब से मोदी काफी परेशान हैं। गुजरात में भाजपा की हालत बहुत पतली है और उसकी सरकार से वहां की जनता परेशान है। इसलिए मोदी को अपने गढ़ में करारी हार का डर सता रहा है। गुजरात की जनता को आम आदमी पार्टी से बहुत उम्मीदें है।

दुर्गेश पाठक इस उम्मीद को और मजबूत करने का काम कर रहे हैं। भाजपा ने पहले फर्जी मुकदमें करके 'आप' के तमाम नेताओं को जेल में डाला। इसके बाद भी हम लड़ते रहे और आगे भी लड़ते रहेंगे। गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा और मोदी सरकार का गंदा खेल फिर शुरू हो गया है। पहले भी आम आदमी पार्टी को खत्म करने के हर प्रयास प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने करके देख

गुजरात में भाजपा की हालत बहुत पतली है और उसकी सरकार से वहां की जनता परेशान है इसलिए मोदी को अपने गढ़ में करारी हार का डर सता रहा : संजय सिंह

लिया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक को जेल में डाला, पार्टी के तमाम शीर्ष नेताओं को जेल में डाला, विधायकों व सांसदों पर फर्जी मुकदमे किए, पंजाब और दिल्ली में छापे मरवाए। इसके बावजूद हर हाल में आम आदमी पार्टी लड़ती रही है और लड़ती रहेगी। संजय सिंह ने कहा कि आज फिर उसी तरह की एक नापाक, गंदी, घटिया कोशिश भाजपा द्वारा की गई है। मोदी जी ने आम आदमी पार्टी के पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी पीएसी सदस्य और गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक को धमकाने के लिए उनके घर सीबीआई को भेज दिया। इसके पीछे सिर्फ एक वजह है कि आम आदमी पार्टी ने दुर्गेश पाठक को गुजरात की जिम्मेदारी दे दी है। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने दुर्गेश पाठक से गुजरात में जाकर संगठन को मजबूत करने को कहा। पिछले गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को करीब 14 फीसद वोट मिले थे और पांच विधायक आम आदमी पार्टी के हैं। संजय सिंह ने कहा कि गुजरात जाकर जैसे ही दुर्गेश पाठक 'आप' संगठन की बैठक करते हैं, कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करते हैं, गांव-गांव में संगठन को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, वैसे ही मोदी जी ने उनको धमकाने के लिए सीबीआई भेज दी। क्या यही इनका राजनीति करने का तरीका है।

'आप' सबसे भ्रष्ट पार्टी : वीरेंद्र सचदेवा

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी एक 'भ्रष्ट' पार्टी है। भाजपा ने दावा किया कि शराब घोटाले के माध्यम से 'उगाही' गई धनराशि का इस्तेमाल गोवा विधानसभा चुनावों में उस समय किया गया था, जब दुर्गेश पाठक राज्य के प्रभारी थे। दुर्गेश पाठक के परिसरों पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की छापेमारी की कार्रवाई पर भाजपा की ओर से प्रतिक्रिया आई है। दुर्गेश पाठक अब गुजरात के सह-प्रभारी हैं और राज्य में 2027 में चुनाव होने हैं। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया, 'आप' एक भ्रष्ट पार्टी है। पाठक गोवा के प्रभारी थे, जहां दिल्ली में शराब घोटाले के माध्यम से उगाही गई धनराशि का इस्तेमाल विधानसभा चुनावों में किया गया था। 'आप' ने पाठक के आवास पर सीबीआई की छापेमारी की निंदा करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित' कदम बताया, जिसका उद्देश्य 2027 में गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को पटरी से उतारना है। सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि गुजरात में चुनाव को अभी दो वर्ष हैं।उन्होंने पूछा कि अगर सीबीआई अपना काम कर रही है तो 'आप' नेताओं को परेशानी क्यों हो रही है।

फीस बढ़ोतरी के मामले में हर स्कूल की जांच होगी : आशीष सूद

शिक्षा मंत्री ने अभिभावकों को किया आश्वस्त

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। राजधानी में निजी स्कूलों में फीस वृद्धि को लेकर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को कहा कि फीस बढ़ोतरी के मामले में हर स्कूल की जांच होगी। उन्होंने अभिभावकों को आश्वस्त किया कि बच्चों के साथ फीस के मामले को लेकर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि सभी निजी स्कूलों का ऑडिट किया जाएगा। जिस स्कूल द्वारा भी अनियमित तौर पर फीस वृद्धि की है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूद ने दावा किया कि फीस बढ़ोतरी को लेकर अब तक 600 से ज्यादा निजी स्कूलों का ऑडिट किया जा चुका है। बिना मंजूरी फीस बढ़ाने पर स्कूल की मान्यता वापस लेने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण लेने के संबंध में 11 स्कूल को नोटिस जारी किया गया है। स्कूलों के ऑडिट को लेकर यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। शिक्षा मंत्री ने फीस वृद्धि के मामले को लेकर फिर पूर्व की आप सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगार नेता स्कूलों के मामले में भ्रम फैला रहे हैं। आप की रणनीति है कि आरोप लगाओ और भाग जाओ। सूद ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से सवाल करते हुए पूछा कि डीपीएस के लिए जो बयान वह दे रहे हैं, उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि उनके कार्यकाल के दौरान इस स्कूल पर क्या कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फीस वृद्धि का मुद्दा पहली बार सामने नहीं आया है। यह हर वर्ष उठता है। लेकिन, पूर्व की सरकारों ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया।

डमी स्कूल पर भी कार्रवाई हो रही

शिक्षा मंत्री ने दावा करते हुए कहा कि दिल्ली में कई डमी स्कूल भी चल रहे हैं। इन पर भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी इसकी जांच चल रही है। इसके बारे में विस्तार से आने वाले दिनों में खुलासा किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने बताया कि वर्दी और किताबों के नाम पर जो वसूली की जा रही थी, इसकी भी जांच हो रही है। उधर, अभिभावक स्कूल प्रशासन पर अपनी मनमानी करने का आरोप लगा रहे हैं तो साथ ही सरकार से उचित कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं। गुरुवार को भी स्कूलों के बाहर फीस वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

सार संक्षेप

रोटो पंप्स लिमिटेड ने पी रेंज कॉम्पैक्ट पंपों का अनावरण किया

नई दिल्ली। रोटो पंप्स लिमिटेड ने आयोजित विशेष रोटोनेक्स्ट कार्यक्रम में अपने विनिर्माण बुनियादी ढांचे के नए स्तर और रोटो पी-रेंज कॉम्पैक्ट पंपों के नवीनतम नवाचार को लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में मीडिया और ग्राहकों का एक वर्ग शामिल हुआ। बेहतर प्रदर्शन और स्थायित्व के लिए इंजीनियर, नई रेंज वैश्विक बाजारों में तेल और गैस, खनन, अपशिष्ट जल उपचार और खाद्य प्रसंस्करण जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों को बदलने के लिए तैयार है। रोटो पंप्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हरीश चंद्र गुप्ता ने कहा कि रोटो पी रेंज के लॉन्च के साथ, हम द्रव प्रबंधन में वैश्विक शक्ति के रूप में रोटो की स्थिति की पुष्टि कर रहे हैं। इस नवाचार से हमारी वृद्धि को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रोटो पंप्स लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक अनुराग गुप्ता ने बताया कि आरएंडडी, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और स्वचालन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें डिलीवरी बढ़ाने और वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। रोटो पी रेंज वैश्विक विकास में एक प्रेरक शक्ति होगी, खासकर उन उद्योगों में जहां डाउनटाइम कोई विकल्प नहीं है।

डायमंड ज्वैलरी ब्रांड ऑकेरा ने नए स्टोर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। लैब-ग्रोन डायमंड ज्वैलरी ब्रांड ऑकेरा ने नोएडा में अपना नया स्टोर खोलकर उत्तर भारत में विस्तार किया है। इसके साथ ही अब ऑकेरा के बैंगलुरु, हैदराबाद और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर में कुल दस स्टोर हो गए हैं, जो लैब-ग्रोन डायमंड ज्वैलरी मार्केट में ब्रांड की निरंतर वृद्धि और बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं। नया लांच किया गया यह स्टोर नोएडा के सेक्टर 18 के प्रतिष्ठित शॉपिंग डेस्टिनेशन में मौजूद है, स्टोर लांच के अवसर पर ऑकेरा की संस्थापक और सीईओ लिसा मुखेदकर ने कहा कि उत्तर भारत में विस्तार करना हमारे ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक प्राथमिकता है।

दिल्ली विस का अगला सत्र होगा पेपरलेस

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि हम दिल्ली विधानसभा में नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन क्रियान्वयन के अंतर्गत नवीनतम तकनीकी से लैस सॉफ्टवेयर और ऐप का प्रयोग करेंगे। जुलाई में प्रस्तावित विधानसभा का अगला सत्र पूरी तरह से पेपरलेस होगा। गुप्ता गुरुवार को ओडिशा विधानसभा के दौरे पर थे, उनके साथ गए दिल्ली विधानसभा प्रतिनिधि मंडल में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी थे। विजेंद्र गुप्ता और मोहन सिंह बिष्ट ने प्रतिनिधि मंडल के साथ एनईवीए परियोजना के अंतर्गत विकसित हो रहे सॉफ्टवेयर, गैजेट्स और ऐप्स का अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी और मुख्यमंत्री मोहन चरन मांझी ने दिल्ली से आए प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और एनईवीए के कार्यान्वयन से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की। गुप्ता ने कहा कि ओडिशा विधानसभा देश की सबसे नई एनईवीए प्रणाली से जुड़ी विधानसभा है। यहां की तकनीक बहुत अच्छी और नई है। ओडिशा ने दूसरे राज्यों से सीखकर एक अच्छा तरीका अपनाया है। अब दिल्ली विधानसभा इस तरीके को समझेगी और उसे और बेहतर बनाकर अपनाएगी।

गुप्ता ने यह भी बताया कि हमने एनईवीए के ऐप्स, सॉफ्टवेयर, डैशबोर्ड और वॉर रूम जैसे तंत्रों की कार्यप्रणाली को निकट से समझा। गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वन नेशन, वन एप्लीकेशन' अभियान को लेकर भी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा इस डिजिटल क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

- ओडिशा विधानसभा के दौरे पर हैं विधानसभा अध्यक्ष

प्रतिनिधि मंडल ने सेवा केंद्रों में तकनीक की ली जानकारी

प्रतिनिधि मंडल ने सेवा केंद्रों में जाकर यह भी देखा कि किस प्रकार तकनीक के माध्यम से विधायी कार्यों को सहज और पारदर्शी बनाया गया है। गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली विधानसभा भविष्य में आवश्यकता अनुसार ओडिशा मॉडल की तकनीक को अपनाएगी। उन्होंने कहा कि हम ओडिशा के विशेषज्ञों को दिल्ली विधानसभा में आमंत्रित करेंगे ताकि उनके अनुभवों का लाभ हमें मिल सके। हमारा उद्देश्य है कि दिल्ली विधानसभा तकनीक के क्षेत्र में भारत की अग्रणी विधानसभा बने और अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करे।

ऊंची इमारतों में अग्नि सुरक्षा पर एनडीएमसी में सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने आज एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में एकजुट होकर जगाए, अग्नि सुरक्षित भारत थीम के तहत चल रहे अग्निशमन सेवा सप्ताह 2025 के दौरान ऊंची इमारतों में अग्नि सुरक्षा पर एक सेमिनार का आयोजन किया और अग्नि सुरक्षा उपायों प्रदर्शन भी किया। अग्निशमन सेवा सप्ताह में अग्नि सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी, शिक्षा, तैयारी और नवाचारों के महत्व पर जोर दिया जाता है। कर्मचारियों और नागरिकों के बीच अग्नि सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने और तैयारियों को बढ़ाने के लिए शुरू किए गए एक सक्रिय कदम में, दिल्ली अग्निशमन सेवा के सहयोग से एनडीएमसी के अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन उपकरणों, अन्य उपकरणों, कौशल और तकनीकों के लाइव प्रदर्शन के साथ-साथ ऊंची इमारतों में अग्नि सुरक्षा पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनडीएमसी की निदेशक अग्निशमन सेवा अलका बिजलानी ने कहा कि अग्नि सुरक्षा केवल एक सप्ताह तक की निगरानी का विषय नहीं है, यह दैनिक दिनचर्या में सजग रहने का विषय है। एनडीएमसी अग्निशमन विभाग नियमित रूप से स्कूलों, अस्पतालों, बिजली सब स्टेशनों, वृद्धाश्रमों, कार्यालयों और बाजार क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है।

भारत में बच्चों के लिए कोरियाई संस्कृति की झलक

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। भारत में वंचित बच्चों को कोरियाई संस्कृति से जोड़ने के लिए, कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया ने चेहेल, दिल्ली की एक एनजीओ के 50 बच्चों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। 5 से 15 साल के बच्चों ने केंद्र का दौरा किया जिसमे उन्होंने कोरियाई भोजन और विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया। यह आयोजन बच्चों को कोरियाई संस्कृति के करीब लाने और उसे अनुभव करने के लिए बनाया गया था। कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक ह्वांग इल यॉन्ग ने कहा कि हमने एक बार की सहायता देने के बजाय, छात्रों की सांस्कृतिक और कलात्मक समझ को शिक्षा और रोचक अनुभवों के माध्यम से समृद्ध बनाने पर ध्यान दिया। बच्चों और स्वयंसेवकों के चेहरों पर खुशी देखकर यह आयोजन बहुत ही संतोषजनक लगा। इस आयोजन की सबसे खास प्रस्तुति भारतीय कलाकारों द्वारा कोरियाई लोककथा सिम चेओंग का नाट्य रूपांतरण थी। यह कहानी एक बेटी, चेओंग, की है, जो अपने अंधे पिता के प्रति अटूट प्रेम और समर्पण के कारण एक महान बलिदान देती है।

कांग्रेस में एक प्रमुख दलित चेहरा थे जय किशन : देवेंद्र

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने पूर्व विधायक जय किशन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया, वे 66 वर्ष के थे। श्री जय किशन के आकस्मिक निधन से दिल्ली कांग्रेस परिवार को बड़ी क्षति पहुंची है, जिसको भरा नहीं जा सकता। जय किशन कांग्रेस में एक प्रमुख दलित चेहरा थे, जो 4 बार सुल्तानपुरी विधानसभा का सदस्य निर्वाचित होकर विधायक रहते हुए सुल्तानपुरी की जनता की सेवा की। उन्होंने लम्बे समय तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की ओर से

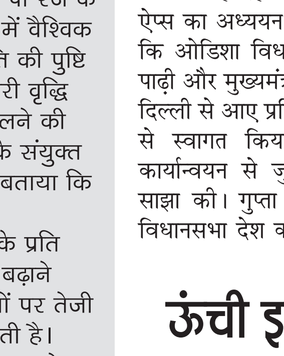

जय किशन के पार्थिव शरीर पर फूलां की रीथ चढ़ाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सुशीला जय किशन से फोन पर बात करके उन्हें सांतवना दी और दुख की घड़ी परिवार के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। वाई ब्लाक सुल्तानपुरी, शमशान घाट पर श्री जय किशन के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि उनके बड़े बेटे राहुल ढ़ाका ने देकर अंतिम संस्कार किया। इस गमगीन मौके पर जयकिशन के परिवार के सदस्यों के साथ प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, दिल्ली के असंख्य पूर्व विधायक, कांग्रेस पदाधिकारी और कांग्रेस नेता और सुल्तान पुरी विधानसभा से उनके समर्थन भारी संख्या में मौजूद थे, जहां सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धाजंलि अर्पित की। देवेन्द्र यादव ने कहा कि जय किशन कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता थे।

- जय किशन के निधन पर जताया गहरा शोक
- जय किशन के निधन से पार्टी को हुई बड़ी छति : देवेन्द्र यादव

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और 5 बार के विधायक रहे जय किशन का निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और 5 बार के विधायक रहे जय किशन का गत बुधवार की देर रात निधन हो गया। उन्होंने सुल्तानपुरी स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि देर रात करीब 12.30 बजे जयकिशन को हार्ट अटैक आया था। इसके बाद उनके परिजन अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर्स ने कांग्रेस नेता को मृत घोषित कर दिया। जयकिशन दिल्ली में कांग्रेस के बड़े दलित चेहरा रहे हैं। साल 1993 से 2025 तक वे लगातार दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट से विधायक का चुनाव लड़ते आए। साल 1993, 2003, 2008 और 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सुल्तानपुर माजरा से जयकिशन ने चुनाव जीता। इस सीट पर वे 4 बार कांग्रेस के विधायक रहे हैं। बीच में साल 1998 के विधानसभा चुनाव में जयकिशन ने किसी कारण अपनी जगह पत्नी सुशीला देवी को चुनाव लड़ाया और पत्नी को चुनाव में जीत दिलाने में सफलता हासिल की। यानी यह कहा जा सकता है कि जयकिशन दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट पर लगातार 5 बार जीत हासिल करने मे कामयाब रहे। इस दौरान जयकिशन एआईसीसी में सचिव पद के अलावा पार्टी से जुड़े कई और महत्वपूर्ण पदों पर काम करते रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई-टेंडरिंग द्वारा निविदा आमंत्रण (ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली)

निविदा सुचना संख्या	कार्य का नाम व स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा जमा करने व खुलने का समय
32-W-PAINTING-MET-MB DATE 16.04.2025	मुरादाबाद डिवीज़न के तहत सीनियर सेक्शन इंजीनियर पुल पोषण मुरादाबाद और सीनियर सेक्शन इंजीनियर पुल पोषण बरेली के स्टील गर्डर पुल संख्या 1298UP, 1306UP, 46/SL, 1282DN, 132/SL, 1234UP&DN, 19/SL, 36/SL, 1252UP&DN, 1260UP,1282UP, 1175B/UP&DN, 821DN, 1125UP, 966/A, ROB, 90, 121/A, 126, 1231UP&DN, 1232UP, 1233UP&DN, 1255UP&DN, 41/SL,1259UP&DN, 116UP, 1227UP&DN, 44DN, 3DN, 1224UP, 1262-A-ROB, 1275DN, 3, 96, 98, 99, 970-B/ROB, 34,114, 894-A UP&DN and 1134DN इत्यादि को जंग से बचाने के लिए पेंटिंग और मेटलाइज़िंग द्वारा सतह सुरक्षा का कार्य।	₹32593506.15	₹313000/-	12 (बारह) महीने	दिनांक: 13.05.2025 को 15.00 बजे तक तथा इसी दिनांक में निविदा खुलने का समय 15.00 बजे के पश्चात।

नोट : उपरोक्त निविदा प्रपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है जहां से विवरण निविदा व्याख्या को देख व डाउनलोड किया जा सकता है। 1139/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ओमेगा-1, (पी-2), ग्रेटर नौएडा,
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांकः वाई.ई.ए./भूलेख/तह0/231/2025 दिनांकः 15.04.2025

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है:-

(ग्राम रबूपुरा, फिल्म सिटी, सैक्टर-21, चंक-02 के अन्तर्गत)

क्र. सं.	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
01	49	857	2.7170	में से	0.2530	रमेशचन्द पुत्र होमोनिधि नि0 भाईपुर ब्रहमनान
02	49	857	2.7170	में से	0.0843	प्रतिभा पत्नी देवेन्द्र नि0 भाईपुर ब्रहमनान
03	49	857	2.7170	में से	0.2530	हरिप्रेम पुत्र होमोनिधि नि0 भाईपुर ब्रहमनान
04	49	857	2.7170	में से	0.2530	प्रदीप व राजवती पुत्र व पत्नी चंद्रमणि नि0 भाईपुर ब्रहमनान
05	49	857	2.7170	में से	0.0632	राजपाल पुत्र चन्द्रपाल नि0 भाईपुर ब्रहमनान
06	837	788	1.2880	में से	0.0805	अनिल उर्फ अनिल कुमार पुत्र अरविन्द उर्फ अरविन्द कुमार नि0 भाईपुर ब्रहमनान
07	837	788	1.2880	में से	0.1610	लक्ष्मीनारायण उर्फ लक्ष्मीनारायण शर्मा पुत्र सूखा उर्फ सूखा शर्मा नि0 भाईपुर ब्रहमनान
08	837	788	1.2880	में से	0.0805	सुनील उर्फ सुनील कुमार पुत्र अरविन्द उर्फ अरविन्द कुमार नि0 भाईपुर ब्रहमनान
09	560 560 560 560 560 560 560	958 969 973 976 01306म 1335/1 1336म	0.7610 1.7070 0.1340 0.0450 0.3540 0.2280 0.2400	में से में से में से में से में से में से में से	0.0634 0.1422 0.0112 0.0037 0.0295 0.0190 0.0200	लियाकत पुत्र बुन्दु नि0 मौ0 गाधी नगर कस्बा रबूपुरा
10	560 560 560 560 560 266	969 973 01306म 1335/1 1336म 2279	1.7070 0.1340 0.3540 0.2280 0.2400 0.6960	में से में से में से में से में से में से	0.1422 0.0112 0.0443 0.0285 0.0300 0.0843	शशी पत्नी अमोद कुमार नि0 रबूपुरा
(ग्राम-रबूपुरा, सैक्टर-28, मेडिकल डिवाईस पार्क, डाटा सेन्टर पार्क, कॉमर्शियल व फ्यूचर यूज के अन्तर्गत)						
11	21 21	1488 1529	1.8620 0.3940	में से में से	0.0517 0.0109	इरशाद पुत्र अजीमुल्ला नि0 मौ0 नाईरगरेजान कस्बा रबूपुरा
12	272	1110	0.5640	में से	0.0705	नरेन्द्र पुत्र जयकरन नि0 सादुल्लापुर
(सैक्टर-18, ग्राम उस्मानपुर के अन्तर्गत)						
13	243	291	0.1900	में से	0.1900	अंगुरी देवी पत्नी कुरपाल व कुमारी प्रति रानी पुत्री कुवरपाल नि0 ग्राम उस्मानपुर
(ग्राम मुरादगढ़ी के अन्तर्गत)						
14	25	5, 6, 7, 13, 14, 15, 16 19, 20 21	0.1010 0.3160 0.4300 0.3540 0.2020 0.1260 0.1520 0.1900 0.1900 0.0228	में से	0.0067 0.0212 0.0287 0.0236 0.0135 0.0084 0.0100 0.0127 0.0128 0.0152 0.1528	विक्रम सिंह व सतीश कुमार व दिनेश कुमार पुत्रगण भीम सिंह व इन्द्रवती पत्नी भीम सिंह निवासी ग्राम मुरादगढ़ी

- प्रस्तावित भूमि प्राधिकरण के नियोजित सै0 यथा 18, 21, 28 व 33 के अन्तर्गत होने के कारण क्रय हेतु प्रस्तावित है।
- उक्त भूमि को क्रय करने हेतु तालिका में अंकित काश्तकारो द्वारा सहमति प्रदान की गयी है, जिसके क्रम में प्राधिकरण द्वारा उक्त भूमि आपसी सहमति के आधार पर क्रय की जानी प्रस्तावित है।
- प्रस्तावित भूमि को प्राधिकरण की 84वीं बोर्ड बैठक की मद संख्या 03 के अनुसार रूपये 3808/प्रति वर्ग मी0 की दर से सम्बन्धित भूस्वामी के पक्ष में भुगतान किया जाएगा व 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड आवंटित किया जाएगा।

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अंदर यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय/सी0आर0 सैल में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी

महत्वपूर्ण सूचना : यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग / हाउसिंग / कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैद्य है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णत: सचेत रहें तथा कॉलोनाइज़र के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

जीडीए की वेबसाइट पर जाकर आवंटी अब ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं, रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं भी पूर्व की भांति आसानी से कर सकते हैं : **अतुल वत्स, जीडीए उपाध्यक्ष**

नोएडा स्थापना दिवस पर लगाया वाटर एटीएम

■ प्रतिघंटा 1200 लीटर की क्षमता, कार्ड से एक बार में निकलेगा 20 लीटर पानी

नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा आज अपना 49वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस मौके पर लोगों को ठंडा पानी प्रोवाइड कराने के लिए वाटर एटीएम खोला गया है। ये एटीएम सीएसआर फंड के जरिए सेक्टर-24 के पास ईएसआई अस्पताल के पास खोला गया। इसका शुभारंभ नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने किया। इस मौके पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री , वित्त नियंत्रक और केनरा बैंक के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस वाटर एटीएम की क्षमता करीब 1200 लीटर प्रतिघंटा है।

शुरू किए गए वाटर एटीएम ने लोगों को साफ और ठंडा पानी निशुल्क दिया जाएगा। जिसमें अल्ट्रा वायलेट सिस्टम, ओजोनेटर, सेंड फिल्ट्रेशन, कार्बन फिल्ट्रेशन, 5 -10 माइक्रोन्स फिल्ट्रेशन और पेबल फिल्ट्रेशन के जरिए पानी की गुणवत्ता को बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त वाटर एटीएम में हार्डनेस, फ्लोराइड, क्लोराइड एवं अन्य अशुद्धियों को दूर करने के लिए इसमें रिवर्स ओसमिस की व्यवस्था की गई है।

कार्ड से मिलेगा 20 लीटर पानी

इस वाटर एटीएम से जनमानस के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए ऑटोमैटिक कार्ड ऑपरेटेड वाटर वेंडिंग मशीन दिया जाएगा। अन्य वेंडिंग मशीन जिसकी क्षमता 1 लीटर प्रति कार्ड कोल्ड एंड प्यूर ड्रिंक वाटर के लिए बनाया गया है। ये वाटर एटीएम सुबह 8 से रात 8 बजे तक रोजाना खुलेगा। बता दे इससे पहले भी प्राधिकरण सात स्थानों पर वाटर एटीएम शुरू कर चुकी है। जिससे लोगों को स्वच्छ जल मिल रहा है।

सामाजिक कार्यों के साथ मनाया गया नोएडा स्थापना दिवस

नोएडा। 17 अप्रैल 1976 में अस्तित्व में आया नोएडा ने अपनी 49 वर्षों की प्रेरणादायक विकास यात्रा को पूर्ण कर 50वें स्थापना वर्ष में प्रवेश किया। इन वर्षों में नोएडा की पहचान आज एक ऐसे आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में है। जहां निरंतर नवाचार को बढ़ावा देते हुए विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर लोकेश एम मुख्य कार्यपालक अधिकारी के नेतृत्व में प्राधिकरण द्वारा शहरवासियों के साथ मिलकर सामाजिक उद्देश्य को समर्पित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कम्यूनिटी किचन पर भोजन वितरण

यह रसोई पिछले एक वर्ष से मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. के मार्गदर्शन में संचालित हो रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर सेक्टर-49 स्थित लेबर चौक स्थित कम्यूनिटी किचन पर उन्होंने स्वयं जाकर इसकी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एवं भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर कम्युनिटी किचन के संचालन के लिए सीएसआर फंड से रूप में 47 लाख व प्राधिकरण के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा 7.10 लाख को मिलाकर कुल 54 लाख का योगदान दिया गया।

बच्चों को प्राधिकरण द्वारा खिलौने वितरित : ग्राम निठारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के लिए स्लाइड्स, रॉकर्स और सीसा एवं प्रत्येक बच्चे के लिए चॉकलेट, फुटबॉल, मिल्टन वाटर बॉटल, मिल्टन लंच बॉक्स, कैमल आई स्टूडियो कलरिंग किट, इंटरलॉकिंग ब्लॉक गैम्स, स्टोरी बुक्स, एटलस आदि वितरित किए है।

इसके अतिरिक्त हरौला, झुंडपुरा, छलेरा, बरौला, छिजारसी, नगला चरनदास, याकूबपुर, हाजीपुर एवं भंगेल स्थित 10 आंगनबाड़ी केंद्रों में भी बच्चों को प्राधिकरण द्वारा खिलौने वितरित किए गए।

जीडीए स्टाफ ने सीखे प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम के गुर

■ अब नहीं कराना होगा जमा धनराशि का एकाउंट्स सेक्शन से सत्यापन

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। जीडीए ने जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रॉपर्टी से जुड़ी सेवाओं को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस) की शुरुआत की है। इस नई प्रणाली के तहत अब आवंटी रजिस्ट्री, नामांतरण, बकाया राशि भुगतान सहित सभी प्रमुख कार्य ऑनलाइन एवं ऑफलाइन (ऑफलाइन चालान, एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से) ही कर सकेंगे। विशेष रूप से रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुकिंग की सुविधा भी इस व्यवस्था में जोड़ी गई है, जिससे आवंटी को कार्यालय के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के बताया कि जीडीए की वेबसाइट पर जाकर आवंटी अब ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं, रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं भी पूर्व की भांति आसानी से कर सकते हैं। इस नई व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए गुरुवार को प्राधिकरण सभागार में लिपिकों एवं अन्य संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बताया गया कि पोर्टल पर कैसे लॉगिन करना है, ऑनलाइन डिमांड कैसे प्रेषित करनी है, और आवंटी द्वारा ऑनलाइन जमा की गई धनराशि को पोर्टल पर कैसे देखा जा सकता है।

यह प्रशिक्षण कर्मचारियों के लिए काफी उपयोगी रहा, जिससे उन्हें पोर्टल के प्रयोग में आसानी होगी और वे नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकेंगे। इस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन से न केवल आमजन को कार्यालय आने से राहत मिलेगी, बल्कि जीडीए के कर्मचारियों का कार्यभार भी कम होगा।

इस नई व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अब आवंटी द्वारा पीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन जमा की गई धनराशि के लिए एकाउंट्स सेक्शन से सत्यापन की आवश्यकता नहीं होगी। पहले जहां आवंटी को भुगतान की रसीद प्राधिकरण में जमा करनी होती थी और संबंधित लिपिक द्वारा उसका सत्यापन एकाउंट्स सेक्शन से कराया जाता था, वहीं अब यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन और स्वचालित हो गई है। इस पहल से आमजन को घर बैठे ही प्रॉपर्टी से संबंधित सेवाएं उपलब्ध होंगी। जीडीए कार्यालय में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी। इससे प्राधिकरण अन्य महत्वपूर्ण कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेगा और सेवा की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

सार संक्षेप

उन्नति ग्रुप के प्रमोटर अनिल मिठास गिरफ्तार

नोएडा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्नति फार्च्यून होल्डिंग बिल्डर के निदेशक अनिल मिठास को गुरुवार को किया। ईडी की टीम ने दिल्ली, नोएडा व मेरठ में कंपनी के एक दर्जन से अधिक कार्यालयों व अनिल के घर पर छापा मारा। इस छापे में कई कागजी और डिजिटल दस्तावेज संदिग्ध मिले जिन्हें ईडी ने जब्त किया है। अनिल मिठास से कई बार पूछताछ की गई थी। लेकिन वह कई तथ्यों का सही जवाब नहीं दे रहे थे। इसके बाद ही उनकी गिरफ्तारी की गई। उन्नति ग्रुप के द्वारा नोएडा में करीब 2200 फ्लैट बनाने की योजना थी, लेकिन निवेशकों से करीब 500 करोड़ रुपए जुटाने के बाद उसमें से करीब 200 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगा है। उनके ऊपर निवेशकों ने 2019 में थाना फेज-3 अनिल मिठास और मधु मिठास पर एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद कई मुकदमे दर्ज हुए। इन मुकदमों के आधार पर ईडी ने भी निदेशकों के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

ट्रक की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत

नोएडा। कंपनी से काम समाप्त कर लौट रहे युवक को ट्रक चालक ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हादसे के कुछ समय बाद ही घायल युवक की मौत हो गई। उसके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगी थी। पुलिस को दी शिकायत में दिल्ली निवासी महिपाल सिंह ने बताया कि वह वर्तमान में एडिकोन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में साइट इंचार्ज के रूप में काम कर रहे हैं। शिकायतकर्ता की कंपनी में रायबरेली के डाडया निवासी आकाश सिंह स्टोर कीपर का काम करता था। बुधवार को सुबह चार बजे के करीब आकाश कंपनी से काम समाप्त कर निकला। कंपनी से वह थोड़ी ही दूर पैदल गया था तभी पीछे से आए ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल होने के कारण आकाश की मौत हो गई। परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

ढाई साल में नोएडा पुलिस ने 211 इनामी बदमाशों को सलाखों के पीछे भेजा

नोएडा। सिलसिलेवार तरीके से आपराधिक वारदात करने वाले इनामी बदमाशों पर कार्रवाई के लिए कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस बीते ढाई साल से अभियान चला रही है। एक जनवरी 2023 से 15 अप्रैल 2025 तक कमिश्नरेट पुलिस ने तीनों जोन में कुल 259 बदमाशों पर इनाम घोषित किया। इनमें से 211 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिन बदमाशों की गिरफ्तारी हुई है उनमें से एक लाख और पचास हजार के एक-एक इनामी है। 94 ऐसे बदमाशों की गिरफ्तारी हुई जिस पर पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम रखा गया था।

नोएडा में एम्स इंटरचेंज की तर्ज पर जुड़ेंगी दो एलिवेटेड

■ दिल्ली-हरियाणा का ट्रैफिक सीधे जा सकेगा एयरपोर्ट, लखनऊ व आगरा

नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली , हरियाणा से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आगरा और लखनऊ जाने वाला ट्रैफिक सीधे यमुना एक्सप्रेस वे तक जा सकेगा। इसके लिए दो एलिवेटड रोड को एक ट्रैफिक इंटरचेंज से जोड़ा जाएगा। इसे ठीक वैसे तैयार किया जाएगा जैसे दिल्ली के मेडिकल (एम्स) के पास बनाया गया है। जिन दो एलिवेटेड को जोड़ा जाएगा उसमें एक चिल्ला एलिवेटेड और दूसरी पुश्ता सेक्टर-94 से यमुना एक्सप्रेस वे तक प्रस्तावित एलिवेटड रोड है। चिल्ला एलिवेटड का निर्माण विगत माह शुरू किया गया है।

चिल्ला एलिवेटड 5.9 किमी, 892 करोड़ में बनाए जा रही है। 6 लेन की एलिवेटड रोड है। इससे 10 लाख वाहन चालकों को फायदा होगा। ये रोड नोएडा प्रवेश द्वार पर लगने वाले जाम को समाप्त कर देगा। साथ ही मयूर विहार से आने वाला ट्रैफिक सीधे एक्सप्रेस वे पर आ सकेगा। नोएडा एक्सप्रेस के ट्रैफिक लोड को कम करने के लिए सेक्टर-94 यमुना पुश्ता रोड से यमुना एक्सप्रेस वे तक एक छह लेन का एलिवेटेड और 8 लेन का ग्राउंड एक्सप्रेस वे बनाया जाना प्रस्तावित है। ये एक्सप्रेस वे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का डायरेक्ट लिंक भी होगा।

महामाया के पास बनेगा इंटरचेंज

इन दोनों एलिवेटड रोड को आपस में कनेक्ट कर दिया जाएगा। इसके लिए दिल्ली के एम्स पर बने इंटरचेंज की तर्ज पर महामाया फ्लाईओवर के पास एक इंटरचेंज बनाया जाएगा। इसका डिजाइन कैसा होगा इसके लिए सलाहकार कंपनी का चयन किया जा रहा है। इसके बाद डिजाइन को फाइनल किया जाएगा। इन दोनों एलिवेटड के आपस में जुड़ने से दिल्ली, नोएडा के लाखों वाहन चालकों को फायदा होगा।

प्राधिकरण के डीजीएम सिविल विजय रावल ने बताया कि इन दोनों एलिवेटड के जुड़ने से आगरा, लखनऊ और एयरपोर्ट आने जाने वाले वाहनों को नोएडा एक्सप्रेस वे नहीं आना होगा।

निवर्तमान पुलिस कमिश्नर को पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने दी भावभीनी विदाई

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। पुलिस आयुक्त अजय मिश्रा गाजियाबाद का पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज रेंज प्रयागराज के पद पर स्थानान्तरण होने पर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अधिकारीगणों/कर्मचारीगणों भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस अवसर पर उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एडीसीपी (कानून व्यवस्था) कल्पना सक्सेना, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल समेत तमाम अधिकारी मौजूद थे।

गाजियाबाद के नए पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ ने चार्ज संभाला

■ अधिकारियों का लिया परिचय

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गाजियाबाद के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ ने गुरुवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पद भार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों का परिचय लिया और उन्हें हिदायत दी कि वे दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ करें और जनहित में अपने कार्य को अंजाम दें। उन्होंने शासन की प्राथमिकता को अपना प्राथमिकता बताते हुए कहा कि कानून व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में उन्हें कोई गुरेज नहीं रहेगा।

2005 मैच की आईपीएस जी रविंद्र गोड़ इससे पहले श्री गौड़ आगरा के पुलिस कमिश्नर पद पर तैनात थे। कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद से पहले कमिश्नर के रूप में पदारूढ़ अजय मिश्र ने ढाई साल से ज्यादा समय तक पद पर रहकर कीर्तिमान स्थापित किया। सख्त तेवरों और अभिनव प्रयोगों के रूप में उन्होंने गाजियाबाद पुलिस के स्वरूप को बदला। आईपीएस जे रविंदर कुमार की गिनती प्रदेश के तेज तर्राज अधिकारियों में होती है। इस मौके पर एडीसीपी कानून व्यवस्था कल्पना सक्सेना, डीसीपी सिटी राजेश कुमार, डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी तथा डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल समेत तमाम अधिकारी मौजूद थे।

गर्मियों में पेयजल की समस्या से लोगों को परेशानी

■ भू-जलस्तर पांच सौ फिट नीचे चले जाने से सूख रहे छोटे बोर

खोड़ा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। निकाय क्षेत्र में पेयजल की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। भूजलस्तर पांच सौ फिट चले जाने से छोटे बोर सूख रहे है। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण की समस्या की जड़े गहरी होती जा रही है। बोरो के लगातार सूखने से लोगो को चिंता सताने लगी है।

सामाजिक संगठन ही नही बल्कि समस्याओं के समाधान के लिए युवा बुजुर्ग और महिलाएं भी मुखर होकर सामने आने लगे है। निकाय क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या है। लोगो को चिंता है कि यदि जल्द ही पेयजल की स्थाई व्यवस्था नहीं हुई तो लोगो के पास क्या विकल्प होगा। आर्थिक रूप से सक्षम लोग मकानों को किराए पर देकर नोएडा दिल्ली गाजियाबाद का रुख कर रहे है। मगर अधिकांश आबादी गरीब तबके की है। कई वर्षो की पाई पाई एकत्रित करके आशियाने का सपना पूरा करके गुजर बसर कर रहे है।

नोएडा दिल्ली और गाजियाबाद के सेक्टरों में रिहायश के लिए मकान खरीदना गरीबों के बजट से परे है। खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी के नेतृत्व में दो सप्ताह पहले लोग कैबिनेट मंत्री का घेराव भी कर चुके है। दो माह के अंदर पेयजल कार्य के धरातल पर उतरने के आश्वासन के बाद लोग लौट आए। फिर भी लोग आशंकित है कि कही और ज्यादा बिलंब होने से दिक्कतें बढ़ेंगी। कई बुजुर्गो और महिलाओ ने पानी के आंदोलन की मुहिम से जुड़ने के लिए हामी भरी है। लोगों का कहना है कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है। पिछले दस वर्षो से मूलभूत सुविधाओं की बात भूल जाए। पेयजल की समस्या का समाधान भी नही हुआ। बारह लाख आबादी वाली कालोनी में महिलाएं बच्चे बुजुर्ग सिर पर पानी ढो रहे है। चुनाव के दौरान प्रतिनिधियों द्वारा बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते है। लोग जनता की पीड़ा नहीं समझ रहे है। सिर्फ वोट बैंक की राजनीति हो रही है।

मुख्यमंत्री के गाजियाबाद आगमन के दौरान मंच से दो बार पानी घोषणा के दो वर्ष बीत जाने के बाद समस्या ज्यों की त्यों बनी है। के आर ए ने जल्द ही हजारों लोगों को पानी के आंदोलन से जोड़ने का दावा किया है। के आर ए पदाधिकारियों का कहना है कि यदि दो माह के अंदर पेयजल का कार्य धरातल पर नहीं दिखाई पड़ा तो दुबारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। समाजसेवी जितेंद्र शुक्ला का कहना है कि कालोनी में पेयजल की समस्या विकराल होती जा रही है। यदि लोगों को पेयजल नहीं मिला तो मजबूरी में लोगों को पलायन करना पड़ सकता है।

जीडीए ने अवैध निर्माण पर की कारवाई

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। जीडीए का जोन गुरुवार को प्रवर्तन जोन 5 महरौली में चला। जीडीए बुलडोजर ने कई अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। जीडीए प्रवर्तन इकाई ने मनोज

राठी द्वारा अंग्रेजी शराब व 7 स्टार होटल के बीच में खसरा संख्या 974, ग्राम-महरौली एनएच-58 पर अवैध रूप से निर्माणाधीन व्यवसायिक बिल्डिंग को पुन: ध्वस्त किया। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय सहायक अभियंता, अवर अभियंता व प्रवर्तन जोन -5 के समस्त स्टाफ के साथ जीडीए पुलिस बल उपस्थित रहे।

ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान मौके पर यूनियन पार्ट के सदस्य व् राष्ट्रीय एस्टर के पदाधिकारियों द्वारा भारी विरोध किया गया तथा कार्य अवरूध करने का प्रयत्न किया गया, परंतु उच्चाधिकारियों द्वारा हिकमत अमली से ध्वस्तीकरण की कार्यवाही सम्पन्न कराई गई। जोन-5 के अंतर्गत आ रहे अवैध निर्माणों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही इसी प्रकार आगे भी जारी रहेगी।

नोएडा के सेक्टर-18 में टाइम स्क्वायर का शुरू होगा निर्माण

■ न्यूयार्क की तर्ज पर होगा निर्माण, 9.96 करोड़ होंगे खर्च

नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर-18 में भी नोएडा टाइम्स स्क्वायर बनाने की तैयारी तेज हो गई है। आगामी दस दिनों में इसकी नींव रखने का काम शुरू कर दिया जाएगा। एनसीआर में घूमने के लिए यह सबसे खास स्थानों में से एक होगा। सेक्टर-18 को नोएडा का मिनी कनॉट प्लेस कहा जाता है। यहां सैकड़ों की संख्या में नामी कंपनियों के मॉल, शोरूम, होटल, बैंक, ऑफिस आदि हैं। यहां पर रोजाना हजारों की संख्या में लोग खरीदारी करने व घूमने आते हैं।

एक साल पहले बनी थी योजना

सेक्टर को और खूबसूरत बनाने के लिए यहां पर टाइम्स स्क्वायर बनाने का निर्णय पिछले साल लिया गया था, लेकिन इसकी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। अब इसमें एक कदम आगे बढ़ाते हुए नोएडा प्राधिकरण ने टाइम्स स्क्वायर बनाने का काम शुरू करने जा रहा है। यह टाइम्स स्क्वायर न्यूयार्क की तर्ज पर बनाया जाएगा। इसमें बड़ी -बड़ी एलईडीर स्क्रीन लगाई जाएंगी। साथ ही पैडिस्ट्रेन होंगे। जिसमें लोग पैदल चल सकेंगे। इसको बीओटी आधार पर बनाया जाएगा। यानि जिस कंपनी को इनको बनाने का ठेका दिया जाएगा वह खुद अपने पैसे से इनको तैयार करेगी। प्राधिकरण का कोई पैसा नहीं लगेगा। इसके बदले कंपनी को विज्ञापन का अधिकार दिया जाएगा।

महाप्रबंधक वाह्य विज्ञापन आरपी सिंह ने बताया कि नोएडा में बनने वाला टाइम्स स्क्वायर न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर से छोटा होगा। यह 6500 वर्ग फिट में बनाया जाएगा। इसको चलाने के लिए 10 साल की लीज पर दिया जाएगा। काम शुरू होने पर करीब एक साल में बनकर तैयार हो जाएगा। कंपनी से मासिक किराया भी वसूला जाएगा। यहां पर 172 लोगों के बैठने की क्षमता है।

यह होगा आकर्षण का केंद्र

- ❖ इसको बनाने में करीब नौ करोड़ 96 लाख रुपए का खर्चा आएगा।
- ❖ इसमें वाहन पार्किंग में बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी जिसमें लाइव मैच देख सकेंगे।
- ❖ टाइम्स स्क्वायर में टावरों पर लाइटों के बीच विज्ञापन, लाइव शो, लाइव मैच, फिल्म समेत कई तरह के कार्यक्रम स्क्रीन पर चलाए जाएंगे।
- ❖ यहां बच्चों के खेलने के लिए जगह, एलईडी युक्त वीडियो वॉल व क्रोमा वॉल बनाए जाएंगे।

हाउस टैक्स से छूटे भवनों पर कार्यवाही के लिए निगम अधिकारियों का मंथन

■ सेल्फ एसेसमेंट के लिए करदाताओं को करें जागरूक : मुख्य कर निर्धारण अधिकारी

बैठक लेते अपर नगर आयुक्त

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर आयुक्त गाजियाबाद विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में हाउस टैक्स विभाग वृहद स्तर पर कर वसूली की कार्यवाही लगातार कर रहा है। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने टैक्स विभाग के साथ बैठक ली। जिसमें विशेष रूप से ऐसे आवासीय अनावासीय भवन जो टैक्स के दायरे से छूटे हुए हैं उन पर कार्यवही करने के लिए योजना बनाई गई, मंथन किया गया। बैठक में समस्त जोनल प्रभारी व टीम उपस्थित रही। मौके पर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव द्वारा भी जोनल प्रभारी व टीम को करदाताओं को सेल्फ एसेसमेंट के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए।

अपर नगर आयुक्त ने बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत लगभग 75 हजार से अधिक ऐसे भवन है जो कि टैक्स से छूटे हुए हैं। उन पर तत्काल टैक्स लगाने की कार्यवाही अमल में लाई जाए। टीम को निर्देशित किया गया है आगामी माह मे टैक्स वसूली बढ़ाने के साथ-साथ ऐसे आवासीय तथा व्यावसायिक भवनों को भी टैक्स के दायरे में लाया जाएगा जो छुटे हुए है, सभी जोनल अधिकारियों को समय सीमा निर्धारित करते हुए टारगेट दिया गया है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत करदाताओं को सेल्फ एसेसमेंट की संपूर्ण जानकारी दी जाए जोनल टीम को निर्देशित किया गया है इसके अलावा सम्मानित करदाताओं से भी ऑनलाइन तथा ऑफलाइन सेल्फ एसेसमेंट करने की अपील की जा रही है। जिसके माध्यम से टैक्स वसूली को भी बढ़ावा मिलेगा। करदाताओं को भी सहूलियत रहेगी। बैठक वसुंधरा के जोनल प्रभारी एसके राय, विजयनगर से अंगद गुप्ता, कवि नगर से राजेश गुप्ता, मोहन नगर से आरपी सिंह, सिटी जोन से महेंद्र अहिरवार उपस्थित रहे।

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के आखिरी स्टेशन पर बिछा ट्रैक

■ हाईवे पार करने के लिए मिलेगी एफओबी की सुविधा

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के मेरठ सेक्शन पर तीव्र गति से सिविल और फिनिशिंग कार्य जारी है। इस कॉरिडोर के आखिरी नमो भारत स्टेशन (मेरठ की तरफ) मोदीपुरम पर हाल ही में ट्रैक बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है। इस स्टेशन पर 3 प्लेटफॉर्म हैं, जिनमें से दो पर नमो भारत ट्रेन उपलब्ध होंगी जबकि एक प्लेटफॉर्म पर मेरठ मेट्रो ट्रेनें उपलब्ध होंगी। साथ ही इस स्टेशन का सिविल कार्य अंतिम चरण में है और स्टेशन की छत (पीईबी) के निर्माण के साथ-साथ फिनिशिंग कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि मोदीपुरम स्टेशन राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर स्थित है। यह स्टेशन 215 मीटर लंबा और करीब 34 मीटर चौड़ा है। स्टेशन की ऊंचाई तकरीबन 16 मीटर है। लोगों की सहूलियत को देखते हुए हाईवे पर सड़क के दोनों ओर को जोड़ने के लिए फुटओवर ब्रिज (एफओबी) भी बनाया जा रहा है। इससे न केवल नमो भारत के यात्रियों को सुविधा होगी बल्कि उन लोगों को भी सुविधा मिलेगी जो सड़क पार करना चाहते हैं। इस एफओबी का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और पीईबी स्ट्रक्चर (छत) से जुड़े सिविल कार्य किए जा रहे हैं।

इस स्टेशन के संचालित होने से मोदीपुरम के साथ-साथ पल्लवपुरम, पल्हैड़ा, दुल्हैडा चौहान और यहां बनी सोसाइटीज़ जैसे एटूजेड, सुपरटेक आदि में रहने वाले लोगों को भी लाभ मिलेगा।

उवाच

18 अप्रैल को कासना की सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन सार्वजनिक अवकाश होने की वजह से यह सुनवाई स्थगित करनी पड़ी है। इस गांव के लीज बैक के प्रकरणों पर सुनवाई की अगली तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी : **गिरीश कुमार झा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी भूलेख**

ग्रेनो, मेडिकल डिवाइस पार्क को अब 500 एकड़ में किया जाएगा विकसित

- एमडीपी में प्रशासनिक भवन बनकर तैयार, मई में मेडिकल एक्सपोर्ट काउंसलिंग के अधिकारी व कर्मचारी बैठेंगे
- फिल्म सिटी के शिलान्यास के साथ प्रशासनिक भवन का लोकार्पण कराने की भी तैयारी

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास के सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) अब 500 एकड़ में विकसित होगा। यहां पर निवेश के लिए 40 नई कंपनियों ने पंजीकरण कराया है। यह कंपनियां गंभीर बीमारी से बचाव के उपकरण तैयार करेगी।

यमुना प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित हो रहा था, जिसे अब 500 एकड़ में विकसित करने की तैयारी है। इसमें से अबतक 179 एकड़ में 74 कंपनियों को भूखंड आवंटित भी किए जा चुके हैं। इनमें से 36 ने लीजडीड करा ली है और एक कंपनी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जबकि 11 निर्माणधीन है। वही अब देश विदेश की 40 नई कंपनियों ने भी एमडीपी में निवेश के लिए पंजीकरण कराया है।

बता दें कि मई के बाद एयरपोर्ट से उड़ान प्रस्तावित है। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टरों में गतिविधियां बढ़ेंगी। ऐसे में मेडिकल डिवाइस पार्क में ज्यादा से ज्यादा निवेश का मौका प्रदान किया जा रहा है। यहां एफडीआई के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को पॉलिसी के तहत 75 फीसदी लैंड सब्सिडी, रिसर्च एंड डवलपमेंट के लिए दो करोड़ रुपए, पांच साल के लिए पीएफ, 100 करोड़ कैपिटल सब्सिडी सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे।

जून में 200 कंपनियां भाग लेगी

जून 2025 में ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में इंडिया मेडटेक एक्सपो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मेडिकल डिवाइस से जुड़ी 200 कंपनियां भाग लेने के लिए पहुंचेगी। प्राधिकरण यहां पर भी एमडीपी में निवेश के लिए सरकार की योजनाओं व शहर में निवेश के अफसरों की जानकारी देगा, ताकि यहां ज्यादा से ज्यादा कंपनियां अपना प्लॉट शुरू कर सके।

मेडिकल डिवाइस पार्क का क्षेत्रफल 500 एकड़ करने की तैयारी है, इसका कारण यहां कंपनियों का निवेश के प्रति रुझान है। अबतक प्राधिकरण कंपनियों को 179 एकड़ पर भूखंड आवंटित कर चुका है : **डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण**

मेडिकल एक्सपोर्ट काउंसलिंग का मुख्य दफ्तर भी बनकर तैयार

मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) में कॉमन साइंटिफिक फैसिलिटी सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। जिसका प्रशासनिक भवन बनकर करीब तैयार हो गया है। मई तक प्रशासनिक भवन में मेडिकल एक्सपोर्ट काउंसलिंग के स्टाफ बैठना शुरू हो गया है। इसके साथ ही उद्योग विभाग के अधिकारी भी बैठेंगे। इस सेंटर में मेडिकल उपकरण से जुड़े सभी तरह के शोध और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

कॉमन साइंटिफिक सेंटर में कंपनियों को कई सुविधाएं मिलेंगी। इसमें बायो मैकेनिकल लैब, गामा रेडिएशन सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक जोन, वेयरहाउसिंग सुविधा, इनक्यूबेटर, टिश्यू कल्चर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, थ्री डी डिजाइन रैपिड प्रोटोटाइपिंग एंड टूलिंग, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम एंड डिजाइन फैसिलिटी आदि शामिल है। इसके अलावा मेडिकल डिवाइस पार्क में मेडिकल एक्सपोर्ट काउंसलिंग का मुख्य दफ्तर भी बनेगा। इसके लिए यमुना प्राधिकरण 5 एकड़ जमीन दे चुका है। इसके चार रीजनल सेंटर भी होंगे। एक्सपोर्ट काउंसिल का दफ्तर बनने से उद्यमियों को आयात-निर्यात में दिक्कत नहीं होगी।

सीईओ यमुना प्राधिकरण, डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्क का क्षेत्रफल 500 एकड़ करने की तैयारी है, इसका कारण यहां कंपनियों का निवेश के प्रति रुझान है। अबतक प्राधिकरण कंपनियों को 179 एकड़ पर भूखंड आवंटित कर चुका है।

शाहबेरी में सड़क चौड़ा करने में बाधा बन रहे अवैध रैंप को ग्रेनो प्राधिकरण ने तोड़ा

- ट्रैफिक जाम से राहत के लिए रोड को चौड़ा करा रहा प्राधिकरण
- अब तक 50 फीसदी से अधिक काम हुआ, 20 दिन और लगेंगे

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। शाहबेरी में ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। प्राधिकरण की टीम ने बुधवार को सड़क चौड़ा करने की राह में बाधा बन रहीं दुकानों के अवैध रैंप को तोड़ दिया है। प्राधिकरण रोड चौड़ीकरण का कार्य जल्द पूरा कराने के प्रयास में जुटा है। दरअसल, नोएडा, ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद के बीच सफर करने वाले हजारों वाहन रोजाना शाहबेरी बाजार होकर गुजरते हैं। रास्ता संकरा होने के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए शाहबेरी रोड को चौड़ा करने के निर्देश दिए। परियोजना विभाग की वर्क सर्किल एक की टीम ने टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर रोड चौड़ीकरण का काम शुरू करा दिया। अब तक 50 फीसदी से अधिक कार्य हो चुका है। ट्रैफिक डायवर्जन की समस्या को देखते हुए इस कार्य को शीघ्र पूरा कराने की कोशिश है। शाहबेरी रोड चौड़ा करने के साथ ही नाली का भी निर्माण किया जा रहा है। दोनों तरफलगभग डेढ़-डेढ़ मीटर रोड को चौड़ा किया जा रहा है। कुछ दूरी में रोड की चौड़ाई लगभग ढाई मीटर तक हो जाएगी। इस कार्य में लगभग 4 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। इस बीच रोड चौड़ीकरण कार्य में दुकानों के अवैध रैंप आड़े आ रहे थे। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के वर्क सर्किल एक के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक रतिक, प्रबंधक नितीश कुमार व अभिषेक सिंह व सहायक प्रबंधक भूपेंद्र त्यागी की टीम ने बुधवार को दुकानों के अवैध रैंप को तोड़ दिया। डायवर्जन से लोगों की परेशानी को देखते हुए प्राधिकरण इस कार्य शीघ्र पूरा कराने के लिए प्रयासरत है।

एसीईओ प्रेरणा सिंह नियमित मॉनिटरिंग कर रहीं है। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह भी मौके पर नियमित रूप से निरीक्षण कर रहे हैं। वहीं, एनएच-24 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक मूर्ति गोलचक्कर तक भविष्य में भी ट्रैफिक की समस्या न हो, इसके लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एलिवेटेड रोड बनवाना चाह रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की विगत बोर्ड बैठक में इस पर मंजूरी भी मिल चुकी है। इस पर नोएडा और यीडा समेत अन्य विभागों से सहमति पर बातचीत चल रही है।

ग्रेनो प्राधिकरण ने चुहड़पुर से अवैध खोखे हटाएं

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को चुहड़पुर के पास अवैध खोखा लगाने वालों पर कार्रवाई की। प्राधिकरण के अर्बन सर्विस विभाग ने करीब 20 खोखे तोड़ दिए हैं और नौ काउंटर जब्त कर लिए हैं। अर्बन सर्विस विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान और मैनेजर शुभांगी तिवारी की टीम ने पुलिस के सहयोग से अवैध खोखे हटाते हुए जब्त करने की कार्रवाई पूरी की है। गंदगी और यातायात बाधित होने की वजह से आसपास के लोग शिकायत कर रहे थे। प्राधिकरण के ओएसडी जितेंद्र गौतम ने चेतावनी दी है कि अवैध खोखे लगाने वालों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। खोखे जब्त करने के साथ ही पेनल्टी भी लगाई जाएगी।

जीबीयू में म्यांमार के छात्रों ने थिंग्यान उत्सव का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में अध्ययनरत म्यांमार के छात्र समुदाय ने थिंग्यान उत्सव 1387 (म्यांमार नववर्ष) को बड़े उत्साह, पारंपरिक उल्लास और एकजुटता के साथ मनाया। एम.ए. और पीएच.डी. बौद्ध अध्ययन के छात्रों द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारत, वियतनाम, कंबोडिया, लाओस, ताइवान और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के अंतरराष्ट्रीय छात्र एवं संकाय सदस्य शामिल हुए। थिंग्यान, म्यांमार का पारंपरिक नववर्ष उत्सव है, जिसे सामान्यत: अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है।

यह म्यांमार की सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो बौद्ध परंपराओं और ऋतु परिवर्तन से जुड़ा हुआ है। थिंग्यान शब्द की उत्पत्ति संस्कृत शब्द संक्रमण से हुई है, जो सूर्य के मीन से मेष राशि में प्रवेश को दर्शाता है। यह परिवर्तन पुराने वर्ष के अंत और नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।

इस उत्सव की एक मुख्य विशेषता है जल छिड़कने की परंपरा। सड़कों पर एक-दूसरे पर पानी डालना जहां आनंद का प्रतीक है, वहीं इसका आध्यात्मिक महत्व भी है। यह बीते वर्ष के पापों और दुर्भाग्य को धोकर आत्मा को शुद्ध करने की प्रक्रिया मानी जाती है।

सीडीओ कार्यालय में केनरा बैंक ने लगवाया वॉटर कूलर

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रमुख के. एस. मुरली, उप महा प्रबंधक द्वारा सीडीओ कार्यालय, गौतम बुद्ध नगर के परिसर में एक वॉटर कूलर लगवाया गया। इस अवसर पर विद्यानाथ शुक्ला, सीडीओ, गौतम बुद्ध नगर और शिव प्रताप सिंह, डीडीओ, गौतम बुद्ध नगर, नीरज सिंह रोहिला, मंडल प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा, अरुण शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक, अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय, चंदन कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक, सुरजपुर शाखा व बैंक के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध रुप से चल रहे पीजी ने किराया पहुंचाया आसमान पर

- सेक्टर में परिवार के साथ रहना हो रहा मुश्किल
- जिला व पुलिस प्रशासन से पीजी संचालकों पर कार्रवाई की मांग

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों में अवैध रुप से धड़ल्ले से पीजी (पेइंग गेस्ट हाउस) चल रहे हैं,जिसपर कोई अंकुश नहीं है। किराएदारों से मनमानी वसूली की जा रही है, जब चाहे तब मकान से बाहर कर देते हैं। नॉलेज पार्क में कई दर्जन शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं, फिर भी शिक्षण संस्थाओं में बने छात्रावास खाली हैं और विद्यार्थी सेक्टरों में आकर रह रहे हैं, ऐसे में वेंडर विद्यार्थियों से मनमानी वसूली करके किराए को आसमान पर पहुंचा दिए हैं।

सेक्टरों में रहने वाले विद्यार्थियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें खुली छूट दे जाती है, जिसकी वजह से सेक्टर नशा, शराब व आश्लीलता का अड्डा बन चुका है, जिसका उदाहरण अल्फा-दो सेक्टर में देखा जा सकता है। ऐसे में परिवार वालों को सेक्टर में रहना बहुत बड़ी चुनौती बन गई है, लोग पलायन करना शुरु कर दिए हैं। जिले में किराएदारों के हित के लिए टेनेन्ट वैलफेयर एसोसिएशन का गठन किया गया है, जो क्षेत्र में खुले अवैध पीजी के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। जिसको लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को लिखित में शिकायत करके कार्यवाई की मांग की है। मिशन क्राइम फ्री इंडिया की अध्यक्ष रचना वशिष्ठ ने बताया कि हमारा संस्थान मिशन क्राइम फ्री इंडिया लम्बे समय से क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में, समाज कल्याण उत्थान के कार्यक्रमों में सक्रिय है। शहर के सेक्टरों में व नॉलेज पार्क में बढ़ते अवैध पीजी बिना मानकों के चल रहे हैं,।

समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा की विरासत को आगे बढ़ाने की जरूरत : प्रो. धनंजय सिंह

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर में भारतीय ज्ञान परंपरा पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की आधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सचिव प्रो. धनंजय सिंह मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने किया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सचिव प्रो. धनंजय सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशीकरण की मानसिकता से मुक्त होकर अब अपनी समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा की विरासत को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

- जीबीयू में भारतीय ज्ञान परंपरा पर गहन विमर्श आयोजित

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में जहां अव्यक्त-अभिव्यक्त और महाभूत-पंचमहाभूत की चर्चा होती है जिसका स्पष्ट संबंध विज्ञान के एटम और मौलिक्यूल्स के साथ है, वहीं जब हम प्रकृति की बात करते है तो उससे हमें संतुलन का ज्ञान प्राप्त होता है और बिना संतुलन के किसी वैज्ञानिक सिद्धांत की प्रमाणिकता साबित नहीं की जा सकती है। प्रो. बंदना पाण्डेय ने कहा कि यदि आपके पास ज्ञान है तो किसी और चीज की आवश्यकता नहीं है। कार्यक्रम का संचालन डॉ मंजरी सुमन और धन्यवाद ज्ञापन हिंदू स्टडी के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार मिश्र ने किया।

Lost and Found

I, Kunwar shakti singh, S/O Shekhar chand , Plot no.5 baghpat road loni dehat ghaziabad the have lost my ALLOTMENT LETTER OF MY PROPERTY SITUATEDIN VILLAGE HAZRATPUR, PLOT NUMBER - 2,AREA 50 SQUARE METER, ts use elsewhere would be illegal. If found, return it to my address.

मेगा जॉब फेयर में 563 विद्यार्थियों को मिला नौकरी का अवसर

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। लॉयड ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स (फार्मेसी) की तरफ से आयोजित नियुक्ति 9.0 मेगा जॉब फेयर ने एक बार फिर से देशभर के फार्मा विद्यार्थियों को करियर के स्वर्णिम अवसर प्रदान किए।

इस आयोजन में देश के 50 से अधिक कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों से एक हजार से अधिकर पंजीकृत उम्मीदवारों में से 563 विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा विभिन्न जॉब प्रोफाइल्स जैसे क्वालिटी कंट्रोल, प्रोडक्शन एवं मैन्युफैक्चरिंग,सेल्स एवं मार्केटिंग,ड्रग रेगुलेटरी अफेयर्स, फार्माकोविजिलेंस और मेडिकल कोडिंग में शॉर्टलिस्ट किया गया,और जॉब ऑफर्स भी प्रदान किए गए। डॉ. वंदना अरोड़ा सेठी, चीफ स्ट्रैटेजिस्ट और हेड ऑफ ग्रोथ, लॉयड ने बताया कि यह फार्मा स्टूडेंट्स के लिए एक करियर महाकुंभ था, जिसने उन्हें इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों से रूबरू करवाया और आत्मविश्वास से भरपूर किया।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर लॉयड ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के प्रेसिडेंट मनोहर थैरानी ,जिनके सक्षम नेतृत्व में एक ऐतिहासिक सफलता बनाऔर आयोजन समन्वयक विवेक ध्यानी का धन्यवाद किया।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा सूचना संख्या 100/2024–25 दिनांक 24.02.2025. क्र.सं. 03
निविदा संख्या 10255033A खुलने की तिथि 28.04.2025

उपरोक्त संदर्भित निविदा के खंड 9 सामान्य निर्देश और खंड 10 अन्य निर्देश संशोधित किए गए हैं। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोटः उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह द्वितीय शुद्धिपत्र है।

दिनांकः 16.04.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1152/25

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

राज्य महिला आयोग ने विभागों की समीक्षा के साथ महिलाओं की सुनी समस्याएं

- विभागों में चल रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ जिला अस्पताल व महामाया महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। महिलाओं की सुरक्षा एवं महिलाओं के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र महिलाओं तक पहुंचाने को लेकर गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला ने कलेक्ट्रेट सभागार में अपर पुलिस आयुक्त महिला, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण कल्याण अधिकारी आशीष कुमार, जिला आबकारी अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से महिलाओं के कल्याणार्थ जो जनकल्याणकारी योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं, उनका जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराते हुए पात्र महिलाओं तक उसका लाभ पहुंचने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए कैंप लगाकर लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करें और जो शासन से आप लोगों का लक्ष्य जिले के लिए निर्धारित किया गया है उसकी शत्-प्रतिशत प्राप्ति करें। सदस्य ने महिला जनसुनवाई करते हुए जनसुनवाई में आई पीड़ित महिलाओं की समस्या को बहुत ही सहजता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में जो भी महिला उत्पीड़न के प्रकरण लंबित चल रहे हैं, उनका निस्तारण पुलिस एवं संबंधित विभागों के अधिकारी गण आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करें एवं उसकी रिपोर्ट आयोग को भी भेजे। जनसुनवाई के दौरान 19 मामले प्राप्त हुए, जिनमें से 12 मामलों का अधिकारियों के माध्यम से तत्काल निराकरण कराया गया।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा सूचना संख्या 100/2024–25 दिनांक 24.02.2025. क्र.सं. 02
निविदा संख्या 10255030A खुलने की तिथि 28.04.2025

उपरोक्त संदर्भित निविदा के आइटम विवरण, खंड 9 सामान्य निर्देश, खंड 10 अन्य निर्देश और भाग (डी) में दस्तावेज़ (कंबल कवर ड्राइंग) को संशोधित किया गया है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोटः उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह द्वितीय शुद्धिपत्र है।

दिनांकः 16.04.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1150/25

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा सूचना संख्या 100/2024–25 दिनांक 24.02.2025. क्र.सं. 04
निविदा संख्या 10255028A खुलने की तिथि 28.04.2025

उपरोक्त संदर्भित निविदा के खंड 9 सामान्य निर्देश और खंड 10 अन्य निर्देश संशोधित किए गए हैं। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोटः उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह द्वितीय शुद्धिपत्र है।

दिनांकः 16.04.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1147/25

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं ।

1.	कार्य का नाम व स्थान	03 वर्ष की अवधि के लिए दिल्ली मंडल के टावर वैगनों का अनिवार्य सामग्री/पूर्जो की आपूर्ति और स्थापना तथा अनुसूचित रखरखाव सहित वार्षिक रखरखाव।
2.	अनुमानित लागत	Rs. 9,20,96,162.44-/-
3.	बयाना राशि	Rs. 6,10,500/-
4.	ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	30.04.2025 (10:30 बजे) से 14.05.2025 (15:00 बजे तक)
5.	ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई- निविदा खुलने की तारीख और समय	14.05.2025(15:00 बजे)
6.	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

निविदा संख्याः 02-क.वि.- नई दिल्ली – 2025-26 दिनांकः 16.04.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1127/25

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

टेंडर नोटिस सं. 05/2025-2026 **दिनांक 17.04.2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	09252541	क्रॉस बार	3192 नग	12.05.25
02	15245237A	डीजल जनरेटिंग सेट 750 केविए	01 नग	13.05.25
03	02255022	सप्लाई एंड इंस्टालेशन ऑफ़ एयरोसोल फायर	578 सेट	13.05.25
04	19250344	आई ओ एच रिप्लेसमेंट किट	69 सेट	13.05.25
05	02255021	स्ट्रिपिंग ऑफ़ स्विच बोर्ड	300 नग	19.05.25
06	07241553	पैकिंग रिंग-26 एम एम थिक	26470 नग	19.05.25
07	07240085B	वाटर टैंक असेंबली	230 नग	20.05.25
08	15245006A	कम्पलीट पेंटिंग सिस्टम	01 नग	03.06.25

निविदा शर्ते-1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

1145/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम खेड़ा चौगानपुर में उप जिलाधिकारी दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर से प्राप्त पारिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 785/एस०टी०-एस०डी०एम०/2017 दिनांक 25.02.2017 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व० संगत सिंह पुत्र खचेडू निवासी खेड़ा चौगानपुर, परगना व तहसील दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग
मूंजखेड़ा	865	स्व0 संगत सिंह पुत्र खचेडू निवासी खेड़ा चौगानपुर, परगना व तहसील दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर	श्री कमला	पत्नी	71 वर्ष
			श्री नीतू	पुत्र	35 वर्ष
			श्री नीरज	पुत्र	23 वर्ष
			कुमारी मीनू	पुत्री अविवाहित	19 वर्ष
			श्रीमती पूनम	पुत्री विवाहित	30 वर्ष
			श्रीमती पिंकी	पुत्री विवाहित	28 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

वक्फ़ कानून की विसंगतियां सामने आईं

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ़ संशोधन अधिनियम के खिलाफ़ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ़ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ़ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ़ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ़ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ़ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ़ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ़ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- 'जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की ज़रूरत ही क्या है।'

स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है कि वे इस मामले के कमजोर जमीन पर खड़े होने से वाकिफ़ हैं।

ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पत्ति वक्फ़ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय करने दिया जाये तो बेहतर। नये कानून में यह अधिकार कलेक्टर के पास चला गया है। जब एड. मेहता ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा 1925 के पहले भी वक्फ़ स्वीकार किया जाता था, तो बेंच ने पूछा कि नये कानून में उसे अपंजीकृत किया जायेगा या शून्य माना जायेगा। इसका भी संतोषजनक जवाब मेहता के पास न होना बताता है कि सरकार यह बिल पर्याप्त तैयारियों के बिना ही लायी है और जैसे कि सरकार संसद में दावा करती रही है कि इसका उद्देश्य वक्फ़ का फायदा मुस्लिमों को दिलाना है, कहीं परिलक्षित नहीं होता। रेलवे व सेना के बाद वक्फ़ के पास सबसे ज्यादा जमीनें होने पर भी जिस तरह से सरकार व भारतीय जनता पार्टी जोर देती रही है, वह यह दर्शाता है कि उनकी निगाहें वक्फ़ की जमीनों को हथियाना है। वक्फ़ बाय यूज़र इस कानून का सबसे नाज़ुक बिन्दु है। जो सम्पत्ति धार्मिक कामों के लिये इस्तेमाल में लाई जा रही है परन्तु रजिस्टर्ड नहीं है, वह वक्फ़ बाय यूज़र कहलाती है। नये कानून में सरकार उसे ले सकती है। हालांकि यह सभी धर्मों की सम्पत्तियों के मामले में है (हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध) लेकिन सरकार ने यह प्रावधान मुसलमानों के धार्मिक न्यासों के लिये लाकर बता दिया है कि इस कानून का उद्देश्य साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण भी है।

वक्फ़ कानून पर सुनवाई की अगली तारीख देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिये कि इस बीच केन्द्रीय वक्फ़ परिषद तथा बोर्डों में कोई नियुक्तियां नहीं होनी चाहिये। बेंच ने यह भी कहा कि इतनी सारी याचिकाओं पर सुनवाई सम्भव नहीं है, इसलिये कोर्ट केवल 5 याचिकाओं को सुनेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 8 अगस्त को केन्द्र सरकार ने लोकसभा में वक्फ़ संशोधन विधेयक, 2024 पेश किया था जिसका उद्देश्य वक्फ़ अधिनियम, 1995 में संशोधन कर वक्फ़ की सम्पत्तियों में पारदर्शिता तथा सुप्रबन्धन लाना बतलाया गया था। इसमें वक्फ़ कानून 1923 को रद्द करने का भी प्रस्ताव है। इस कानून का संसद के भीतर और बाहर तत्काल कड़ा प्रतिरोध हुआ था। अगले दिन इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था लेकिन इसमें सरकार का बहुमत होने तथा उसके अड़ियलपन के कारण विपक्ष की सिफारिशें अनसुनी कर दी गयीं। कुल 44 संशोधनों की सिफारिश की गयी थी परन्तु समिति ने 14 ही स्वीकृत किये। इसी माह की 3 व 4 को क्रमश: लोकसभा तथा राज्यसभा में इस कानून को पारित कर दिया गया। इसके खिलाफ़ मुस्लिमों के संगठनों ने प्रदर्शन भी किये। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला अल्पसंख्यकों की आजादी की रक्षा करेगा।

देश को एक ही फ्रेम में फिट करने की मनमानी

लगता है कि देश पर राज करने वालों ने अपने लिए एक फ्रेम बनवा ली है और फिर देश को हर हाल में उसी फ्रेम में फिट करने की ज़िद है, बिना इस बात की परवाह किये कि उनकी इस कोशिश में उसका मूल तत्व ही फ्रेम से छिटक रहा है, कट रहा है, टूट रहा है। यकायक यह कोशिश और तेज़ हो गई है। जैसे किसी राजा को यकीन दिला दिया गया हो गया हो कि ऐसा ना हुआ तो अनर्थ हो जाएगा। बेचैनी इन दिनों इस कदर बढ़ी है कि नागरिकों में डर बैठाया जा रहा है, खेमे बनाए जा रहे हैं। बस एक ही कोशिश कि बांटों बांटो और बांट दो! देश के कुछ हिस्से हिंसा की चपेट में हैं, निर्दोष नागरिक मर रहे हैं लेकिन चिंता बस फ्रेम की है। यह चिंता इतनी सघन और स्वनिर्मित है कि देश की जनता को मूल खतरों से आगाह ही नहीं किया जा रहा है। दुनिया की तमाम उथल-पुथल के बीच आर्थिक खतरों और मंदी की आशंका से देश को मज़बूत करने की बजाय वह अफीम दी जा रही है, जिसमें देश सब दर्द भूलकर बस नारे लगाने लगता है। नेताओं को यह लंद-फंद अब रास आ गया है। यह झूठ है तो फिर क्यों एक तरफ़ तो हवाई अड्डे का शिलान्यास होता है और दूसरी ओर वह बात छेड़ दी जाती है जिस पर जब बहस हुई तो सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों गायब थे।

'वक्फ़ के नाम पर लाखों हेक्टेयर ज़मीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर ज़िन्दगी नहीं गुज़ारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। वक्फ़ संशोधन बिल दोनों सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी पा गया लेकिन प्रधानमंत्री ने सदन की बहस में बोलना ज़रूरी नहीं समझा। यह अजीब ही रहा कि इस मुद्दे पर न तो सदन के नेता और न ही नेता प्रतिपक्ष ने संसद में अपनी बात कही। अब जब यह बयान आया है तब ज़ाहिर है कि सभी विपक्षी दल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं। उसका ज़िक्र यहां न भी किया जाए क्या तब भी एक महत्पूर्ण बिल संशोधन पर बात करते हुए देश के प्रधानमंत्री को अल्पसंख्यक समुदाय को यूं पंक्चर जोड़ने वाला कह देना क्या पद की गरिमा के अनुकूल कहा जाएगा? तब क्या कचरा,गटर साफ़ करने वाले,कंद-मूल खाने वाले जंगलवासी जैसे सम्बोधन भी समुदायों को इस बड़े पद से दिए जाएंगे? अव्वल तो किसी भी समाज के बारे में केवल एक काम के दायरे में लेकर बात करना कतई मुनासिब नहीं है। दूसरे, पंक्चर बनाने में बुराई ही क्या है? जैसे कि प्रधानमंत्री चाय बेचने का ज़िक्र भी गर्व से करते हैं क्योंकि वह भी एक काम है। सच है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। बेशक काम न करना ज़रूर शर्म का पर्याय होना चाहिए। यूं 'पंक्चरवाले' का ज़िक्र कतिपय नेता और सोशल मीडिया पर कुछ लोग एक समुदाय को ट्रोल करने के लिए करते हैं।

यह शब्दावली गुजरात में

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

'वक्फ़ के नाम पर लाखों हेक्टेयर ज़मीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर ज़िन्दगी नहीं गुज़ारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले।

2002 के दंगों के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा था- प्रदेश की आबादी बढ़ रही है, ग़रीब तक धन नहीं पहुंच रहा है इसलिये वे पंक्चर बनाने के काम में लगे हैं। 2019 में कर्नाटक के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध करने वालों को अशिक्षित और पंक्चर जोड़ने वाला बताया था। ऐसा ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में कह चुके हैं कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने मुसलमानों को पंक्चर वाला बना दिया। पंक्चर बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से अपनी बात इसी तरह रखती रही है। सवाल कांग्रेस से भी होने चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति चाय बेचते हुए देश के सबसे बड़े पद पर पहुंच सकता है तो पंक्चर बनाने वाला क्यों नहीं पहुंचा? आखिर कौन इस तुष्टिकरण का लाभार्थी बना है? इसे मान भी लिया जाए तो अब तक ग्यारह सालों में क्यों भाजपा सरकार हालात को नहीं बदल पाई? क्या वाक़ई अब इस संशोधित बिल के बाद सरकार रॉबिनहुड की भूमिका में आ जाएगी जो वक्फ़ की हुई संपत्ति को दोबारा अपने हिसाब से पंक्चर बनाने वालों को वक्फ़ करेगी। इस संशोधित बिल पर दोनों सदनों में बहस के बाद अब देश के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद गंभीर लेकिन रोचक बहस जारी है। कोर्ट ने कहा है कि संसद में पास कानून पर स्टे नहीं देते पर ये केस अपवाद है। सवाल पूछ लिए गए हैं कि 'बोर्ड के सदस्य को पांच साल से इस्लाम धर्म का अनुयायी होना चाहिए' की क्या परिभाषा होगी; वक्फ़ बोर्ड में हिन्दू सदस्य होंगे तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में भी मुस्लिम सदस्य होंगे; कलेक्टर को सर्वोच्च अथॉरिटी कैसे बनाया जा सकता है? बहरहाल बहस में इसके जवाब मिलेंगे। फ़िलहाल तो यही सपना दिखाया जा रहा है कि इस तीसरे कार्यकाल में गाड़ियों के पंक्चर बनाने वाले खुद गाड़ियां बनाने-बेचने लगेंगे।

इधर संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती शायद पूर्व कानून मंत्री और वर्तमान में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू को परेशान कर रही है। वे दोनों सदनों में बड़ी तैयारी से बहस में आए थे। तब उन्होंने यह भी बताया था कि किस तरह पुराने संसद भवन को भी वक्फ़ संपत्ति बताया जाता है और सेना के बाद वक्फ़ के पास तीसरी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां हैं। हालांकि उनके इस दावे को भी लगातार चुनौती मिल रही है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भी बोर्ड में रखने की बात कही थी। नया मोड़ यह है कि मंत्रीजी ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। कानूनविद इसे धमकी के दायरे में रख रहे हैं। वे कहते हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक गणराज्य की यही शक्ति होती है कि जब भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को चुनौती मिले वह न्याय का रुख कर सकें। न्यापालिका और विधायिका में टसल और बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है लेकिन यदि इसे ख़त्म करने की कोशिश हुई तो आप सीधे आपातकाल को न्योता देंगे।

वैसे अतीत में भी किरन रिजिजू की जुबां से ऐसे-ऐसे तीर निकले हैं जिसके बाद उन्हें क़ानून मंत्री के पद से हटना पड़ा था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को संविधान के लिए 'एलियन' यानी अजनबी बताया था, रिटायर्ड जजों को देश विरोधी गैंग करार दिया था और उन्हें धमकी दे डाली थी कि जो लोग देश विरोधी काम कर रहे हैं उन्हें कीमत चुकानी होगी। रिजिजू ने कहा कि- जज यह ना कहें कि सरकार नियुक्ति से जुड़े फैसलों की फाइल पर बैठी रहती है, फिर फाइल सरकार को न भेजें। खुद को नियुक्त करें। खुद सारा शो चलाएं। मंत्री ने यह भी कहा था कि जजों ने संविधान को हाईजैक कर लिया है। रिजिजू के एक बयान से ऐसा भी ज़ाहिर हुआ था कि वे लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भों के समन्वय को ही नहीं समझना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा था- 'जज एक बार बनते हैं। उन्हें चुनाव नहीं लड़ना पड़ता। जनता उन्हें बदल नहीं सकती। जिस तरह जज काम करते हैं, इन्साफ करते हैं, जनता उनके फैसलों को देख रही है।' अभियान तो उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने भी चलाया था कि जजों की नियुक्ति का अधिकार और शक्ति चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए। धनकड़ का सीधा तर्क था कि लोकतंत्र में जज भी सरकार तय करे, कॉलेजियम नहीं। जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि- अगर यह सिस्टम सही नहीं है तो सरकार नया कानून लाए। इस पृष्ठभूमि में रिजिजू की इस बात को कैसे लिया जाए जो उन्होंने सुनवाई से ठीक पहले एक चैनल को साक्षात्कार में कही- 'हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल को सरकार न्याय-व्यवस्था में दखल दे तो यह ठीक नहीं होगा। सभी शक्तियों के अधिकार सुपरिभाषित हैं।' बहरहाल सरकार ने अपना संदेश भेज दिया है कि उसे अपने फैसले को किस फ्रेम में फिट करना है। वक्फ़ का शेष हिसाब अब वक्त देगा।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

■ पी. श्रीकुमारन

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

केरल का तर्क इस प्रकार होगा : राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना 'कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण' था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था।

तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए।

केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं: विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2021; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025; केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं।

केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगी: तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये दिशा-निर्देशों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था!

महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थी: स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना।

यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनः पारित और पुनः प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा।

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है।

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है।

एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय गृह मंत्रालय सर्वोच्च न्यायालय के 8 अप्रैल के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर कर सकता है, जिसमें राज्यपालों द्वारा विधायी विधेयकों को बहुत लंबे समय तक मंजूरी न दिये जाने की स्थिति में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति दी गयी है।

केरल के राज्यपाल आर्लेकर ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना करके पूरे मामले में एक नया आयाम जोड़ दिया है, जिसे उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के 'अधिकार से परे' बताया है। मीडिया को दिये साक्षात्कार में आर्लेकर ने कहा कि तमिलनाडु के मामले को संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए था।

केरल के राज्यपाल का मानना था कि राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा तय करना संविधान संशोधन के समान है, जो संसद का विशेषाधिकार है। राज्यपाल को एक निश्चित समय के भीतर कार्य करने के लिए कहने का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

आर्लेकर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए केरल के कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा कि राज्यपाल को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना करने का पूरा अधिकार है। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय देश का कानून है, तथा सर्वोच्च न्यायालय को संसद द्वारा किये गये संवैधानिक संशोधनों की वैधता की समीक्षा करने का भी अधिकार है।

ललित सुरजन की कलम से

अंतिम सच का सामना कैसे करें

'इस पुस्तक में काफी विस्तार से वृद्धावस्था की स्थितियों व परिचर्या पर बात की गई है, किन्तु जिस बिन्दु पर लेखक ध्यान केन्द्रित करना चाहते हैं वह है कि मनुष्य अपनी अवश्यंभावी नश्वरता के सच का सामना कैसे करे। वे कहते हैं कि इसके लिए दो तरह के सत्य का साक्षात्कार करना होगा। पहले कि मृत्यु अंतिम सत्य है और दूसरा इस सत्य को जानकर स्वयं को मानसिक रूप से तैयार करना है। इसमें एक चिकित्सक की क्या भूमिका हो सकती है? वे कहते हैं कि एक चिकित्सक को भी यह स्वीकार करना चाहिए कि उसकी शक्ति अनंत नहीं है। डॉक्टर सोचते हैं कि उनका काम स्वास्थ्य और जीवन देना है, लेकिन सच्चाई इसके आगे है कि जितना भी जीवन है वह सुखद रूप से कैसे जिया जाए! यदि सुख नहीं है तो जीवन का आधार क्या है? यह ऐसा प्रश्न है जिससे डॉक्टरों को लगातार जूझना है।'

'अतुल गवांडे की यह पुस्तक अपने किस्म की एक अनूठी किताब है। यह सिर्फ वृद्धजनों और बीमारों के बारे में नहीं है बल्कि मनुष्य के अपने अस्तित्व को लेकर दार्शनिक धरातल पर एक नए ढंग से सोचने के लिए प्रेरित करती है। मुझे लेखक की जो उक्ति सबसे अच्छी लगी वह यह कि मनुष्य के जीवन में संयुक्त परिवार का खासा महत्व है और वृद्धजनों की आश्वस्ति तब बढ़ जाती है जब उनकी फिक्र करने के लिए कम से कम एक बेटी जरूर हो।'

(अक्षर पर्व मार्च 2015 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/03/blog-post_6.html

पावन प्रसंग

भाग्य के भरोसे मत बैठिये

मंजिल पर पथिक तभी तो पहुंच पाएगा, जब वह लक्ष्य की ओर गतिशील होगा। पथिक अपने घर-आंगन में बैठा हुआ नक्शा देखता रहे कि अमुक गांव इतनी दूर है, अमुक रास्ते से होकर मुझे जाना पड़ेगा। केवल इस तरह की गणित करता रहे और मंजिल की ओर एक कदम भी न बढ़ाए तो घर-आंगन में बैठे रहने से तो मंजिल मिलने से रही। मंजिल को पाने के लिए कदमों को बढ़ाना पड़ता है। एक बार कदमों को बढ़ाइये तो सही, कदमों के बढ़ने के बाद रास्ता पार होना ही है। बढ़ने वाले ही लक्ष्य आने पर विश्राम लेते हैं। एक बात और बढ़ते हुए कदमों को देखकर अवरोध स्वत: ही दूर हो जाते हैं।

कई ऐसे व्यक्तियों हैं जो दिन-रात होनहार, विधि का विधान, काललब्धि, नियति या भाग्य की बात किया करते हैं। उनका अभिमत है कि पुरुषार्थ से कुछ भी मिलने वाला नहीं है। पुरुषार्थ करने की हमें क्या आवश्यकता है? जो भी हमारे भाग्य में लिखा होगा, वैसा हो जाएगा। भाग्य ही सर्वोपरि है। जो लोग एकांत रूप से भाग्यवादी बनकर पुरुषार्थ की उपेक्षा करते हैं, वे भाग्य के भरोसे बैठे ही रह जाते हैं। आप यह कैसे भूल जाते हैं कि अच्छे-बुरे भाग्य का निर्माण भी तो पुरुषार्थ से, आपके द्वारा किये जाने वाले सद् और असद् कार्यों के अनुसार होता है। भाग्य का निर्माण करने वाली कोई भी स्वतन्त्र शक्ति इस संसार में नहीं है। अच्छा करोगे, अच्छा भाग्य बन जाएगा, बुरा करोगे तो अच्छा भाग्य भी बुरे के रूप में परिवर्तित हो जाएगा।

किसी एक मनीषी ने इस सम्बन्ध में बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही है- काल का आधार सत्पुरुषार्थ है। भगय के भरोसे अकर्मण्य चनकर मत बैठे रहिये, आप स्वयं अपने भाग्य का निर्माता एवं विधाता हैं। उठो, जागो, अकर्मण्यता एवं आलस्य का परित्याग करो। जीवन के अन्तर-बाह्य क्षेत्र में सफल होने के लिए पुरुषार्थ करो। आपका पुरुषार्थ आपके लिए सबसे बड़ा सम्बल है। अकर्मण्यता एवं निराशा को जीवन में एक पल के लिए भी मत आने दो। यदि अकर्मण्यता से आप मुक्त बनते हैं तो यह विश्वास करके चलिए कि आज जो कुछ भी प्रतिकूल दिखाई दे रहा है, वह कल निश्चित रूप से अनुकूलता के रूप में परिवर्तित होकर रहेगा।

काललब्धि या होनहार और कुछ भी नहीं है, व्यक्ति जो कुछ करता है वही काललब्धि और होनहार हैं उन्होंने भाग्यवादी जनों को झकझोर कर जगाया है कि निरंतर अच्छा करते रहो। यह निर्विवाद सत्य है कि अच्छे का परिणाम अच्छा ही है। किस्मत में यदि कंकर लिखे हैं तो हीरे कहां से मिलेंगे। भाग्य में यदि कांटे लिखे हैं तो सुमन कहां से खिलेंगे। यह सोच अपने को तुच्छ, हीन भावना से भरने वालो सुनो-सत्पुरुषार्थ करोगे तो एक दिन अवश्य बदलेंगे।

पुरुषार्थ में भाग्य को बदलने की शक्ति भरी पड़ी है। व्यक्ति को कभी भी पुरुषार्थ से विमुख नहीं होना चाहिए। जो पुरुषार्थ से विमुख हो जाते हैं, वे कभी भी आत्मोन्मुख नहीं हो सकते। पुरुषार्थ व्यक्ति को क्षण-क्षण नवोल्लास सौंपता है। पुरुषार्थ निराशा और कुण्ठा से मुक्त करता है।

भगवान महावीर ने सम्यक् पुरुषार्थ को ही सच्चे अर्थों में पुरुषार्थ माना है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ये चार पुरुषार्थ हैं। इन चारों पुरुषार्थों में मोक्ष ही श्रेयस्कर है। इसे प्राप्त करना ही साधक का लक्ष्य होना चाहिए। जो लोग यह कहते हैं कि पंचमकाल में मोक्ष की प्राप्ति असंभव है, यह बात किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है।

- कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

शिक्षा और स्वास्थ्य कोई 'सेवा' नहीं रह गई है- यह अब एक 'सर्विस' है

प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा 'कमाई' पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही 'पर्ची' कटती है, फिर तरह-तरह की जांचें, महंगी दवाइयां, और 'एडवांस पेमेंट' की मांग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज़ की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज़ ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है।

यहां तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर 'मर्चुरी चार्जेस', 'फ्रीजर चार्जेस' आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है। इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता। सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल- हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है।

क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल- इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता रसूखदार का हाथ होता है। सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल -ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

मध्यम वर्ग की त्रासदी-गरीबों के लिए कभी-कभी योजनाएं बनती हैं, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है, और फिर उसके जाल में फंस जाता है- एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही।

मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है, और बस यही सोचता है-'और कोई रास्ता भी तो नहीं है।' अगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता-स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य कोई 'सेवा' नहीं रह गई है- यह अब एक 'सर्विस' है, जिसका मूल्य तय होता है आपकी जेब देखकर। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है। जब तक हम खुद नहीं जागेंगे, आवाज नहीं उठाएंगे, और सिस्टम से जवाबदेही नहीं मांगेंगे- तब तक यह प्राइवेट सिस्टम हमें ऐसे ही लूटता रहेगा। हमें यह समझना होगा कि दिखावे की दौड़ में शामिल होकर हम अपने बच्चों का बचपन, अपने परिवार की शांति, और अपने भविष्य की स्थिरता दांव पर लगा रहे हैं। यह समय है सवाल पूछने का, व्यवस्था को आईना दिखाने का वरना जेब तो जाएगी ही, आत्मसम्मान भी खो जाएगा।

-सत्यवान सौरभ

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

अफगानिस्तान से करीब 1,072 परिवार पाकिस्तान, ईरान से स्वदेश लौटे

काबुल। अफगानिस्तान के करीब 1,072 परिवार पड़ोसी देशों ईरान और पाकिस्तान से अपने देश लौट आए हैं। अफगानिस्तान के उच्चायोग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि यहां के कुल 5,671 नागरिकों में से करीब 1,072 परिवार बुधवार को अपने स्वदेश लौट आए। ये शरणार्थी पूर्वी नंगरहार प्रांत में तोरखम सीमा पार, दक्षिणी कंधार प्रांत में स्पिन बोल्डक सीमा पार और पश्चिमी हेरात प्रांत में इस्लाम कला सीमा बिंदु के माध्यम से घर लौटे आए हैं। अफगानिस्तान के करीब 70 लाख शरणार्थी पाकिस्तान और ईरान में रहते हैं जबकि यहां की सरकार ने अपने नागरिकों से पूर्ण रूप से अपने स्वदेश लौटने का आह्वान किया है।

देश विदेश

'ट्रंप प्रशासन के सामाजिक सुरक्षा कटौती के फैसले को चुनौती'

■ ये बदलाव विशेषतौर पर वृद्धों और विकलांग लोगों को नुकसान पहुंचा रहे है

सैंक्रामेंटों, 17 अप्रैल (एजेसियां)। अमेरिका में कैलिफोर्निया समेत 21 राज्यों के गठबंधन ने संघ सरकार के सामाजिक सुरक्षा प्रशासन 'एसएसए' मे भारी बदलाव के फैसले को यह कहते हुए चुनौती दी है कि इस कटौती से उन लाखों अमेरिकियों को नुकसान पंहुचेगा जो मूलभूत आय और आवश्यक सुविधाओं के लिए इसपर निर्भर हैं।

कैलिफोर्निया के एटार्नी जनरल राब बोंता और 21 अन्य राज्यों के एटार्नी जनरलों ने 'अमेरीकी एसोसिएशन आफ पीपुल विद डिसेबिलिटीज वरर्सेस डूयूडेक' में इस बाबत एक वैधानिक मामला दाखिल कराया है। उनका तर्क है कि ट्रंप प्रशासन के औचक नीतिगत बदलावों और एसएसए स्टाफ की संख्या में कटौती से लोगो को इन सुविधाओं को पाने में काफी देरी और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। गठबंधन ने ध्यान दिलाया कि ये बदलाव विशेषतौर पर वृद्धों और विकलांग लोगों को नुकसान पहुंचा रहे है। ये लोग मकान के किराये, खाने पीने की चीजे खरीदने और दवाएं खरीदने के लिए इसपर ही निर्भर हैं। गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने एसएसए स्टाफ को 57000 से 50000 कर्मचारियों तक सीमित किए जाने की कटौती को अनिवार्य कर दिया है। यह कटौती 12 प्रतिशत से ज्यादा है1 इनमें से ज्यादातर कटौतियां नौकरियों में की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 10 में से 6 क्षेत्रीय कार्यालयों को बंद करने, दर्जनों फील्ड कार्यालयों को मजबूती प्रदान कर ज्यादातर सेवाओं को आनलाइन करने का भी प्रावधान है। आलोचकों का मानना है कि इन सभी कदमों से लोगों को उन अपेक्षित सेवाओं को पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जो उनके लिए जरूरी हैं। इस बीच कैलिफोर्निया के सीनेटर एलेक्स पाडिला ने ट्रंप प्रशासन को लिखे एक पत्र में कहा है कि इन कार्रवाईयों से 60 लाख से ज्यादा उन कैलिफोर्नियाई नागरिकों को पर गाज गिरेगी जो महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

ट्रम्प-मेलोनी की बैठक में अमेरिकी टैरिफ मांगों को मंजूरी मिलने की उम्मीद : यूरोपीय संघ

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार वार्ताकारों को उम्मीद है कि इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की वाशिंगटन यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनकी बैठक अमेरिकी टैरिफ मांगों पर मंजूरी मिल सकती है। 'द फाइनेंशियल टाइम्स ' में गुरुवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट यह जानकारी दी गयी। समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा है कि ब्लॉक के वार्ताकारों ने कथित तौर पर शिकायत की है कि उन्हें अमेरिकी मांगों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है और अब उन्हें उम्मीद है कि सुश्री मेलोनी की यात्रा से स्थित स्पष्ट हो जाएगी।

अमेरिका: भारतीय मूल का डॉक्टर नियंत्रित दवा के वितरण की साजिश में दोषी करार

न्यूयॉर्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के डॉक्टर नील आनंद को 2.3 मिलियन डॉलर की साजिश के तहत नियंत्रित दवाओं के अवैध वितरण और हेल्थकेयर फ्रॉड में भाग लेने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। यह जनकारी अमेरिकी न्याय विभाग ने बुधवार को दी। 48 वर्षीय नील आनंद को पेंसिल्वेनिया की एक संघीय अदालत ने दोषी करार दिया।

ऑक्सीकोडोन एक ओपिओइड दर्द निवारक है जिसका उपयोग नशे के लिए भी किया जाता है और अमेरिका में इसकी लत महामारी का रूप लेती जा रही है : न्याय विभाग

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आनंद ने ऑक्सीकोडोन नामक दर्द निवारक और अत्यधिक नशे की लत लगाने वाली नियंत्रित दवा के लिए प्री-साइन्ड प्रिस्क्रिप्शन (पूर्व हस्ताक्षरित नुस्खा) जारी किए। इन नुस्खों का उपयोग उसके इंटर्न्स ने किया, केवल नौ मरीजों को ट्रीट करने में 20,850 टैबलेट का उपयोग किया गया। न्याय विभाग ने कहा कि ऑक्सीकोडोन एक ओपिओइड दर्द निवारक है जिसका उपयोग नशे के लिए भी किया जाता है और अमेरिका में इसकी लत महामारी का रूप लेती जा रही है। आरोप में, आनंद के 'मेडिकली अनावश्यक प्रिस्क्रिप्शन मेडिकेशन्स' को 'गुडी बैग्स' (लुभावने तौर पर) का नाम दिया गया है। ये दवाएं उन मरीजों को दी जाती थीं जो नियंत्रित दवाएं प्राप्त करना चाहते थे। ये दवाएं उन फार्मेसियों के माध्यम से दी जाती थीं जो आनंद के स्वामित्व में थीं। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आनंद ने इन अनावश्यक दवाओं के लिए स्वास्थ्य बीमा कंपनियों और सरकारी बीमा योजनाओं से भुगतान लिया, जिनकी कुल राशि 2.3 मिलियन डॉलर थी। जब आनंद को जांच की जानकारी हुई, तो उसने धोखाधड़ी से प्राप्त करीब 1.2 मिलियन डॉलर की राशि को अपने पिता के नाम और नाबालिग बेटी के खाते में ट्रांसफर कर दिया ताकि इस राशि को छुपाया जा सके। आनंद को अगस्त में सजा सुनाई जाएगी। उन्हें 2019 में चार अन्य लोगों के साथ आरोपित किया गया था। इनमें से तीन के पास विदेशी विश्वविद्यालयों की मेडिकल डिग्री थी, लेकिन उनके पास अमेरिका में चिकित्सा अभ्यास का लाइसेंस नहीं था।

बांग्लादेश -पाकिस्तान के बीच 15 वर्षों में पहली बार विदेश सचिव स्तर की वार्ता

ढाका/इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलूच ने गुरुवार को ढाका में अपने बंगलादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीम उद्दीन से मुलाकात की। इसके साथ ही, बंगलादेश और पाकिस्तान के बीच 15 वर्षों में पहली बार विदेश सचिव स्तर की वार्ता हुयी।दोनों पक्षों ने राजकीय अतिथि गृह पद्मा में कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार की 27-28 अप्रैल को होने वाली ढाका यात्रा से पहले विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) आयोजित किया जा रहा है। जो 2012 के बाद से पाकिस्तान से पहली विदेश मंत्री स्तरीय यात्रा होगी। 'डेली स्टार' के अनुसार दोनों विदेश सचिवों के बीच बैठक राजकीय अतिथि गृह पद्मा में सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई। पिछले साल अगस्त में श्रीमती शेख हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से बंगलादेश पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहा है। विदेश सचिव स्तर की वार्ता के बाद सुश्री बलोच बंगलादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन से मिलने वाली हैं। वह थिंक-टैंक के साथ बातचीत में भी शामिल होंगी और आज शाम राजधानी में पाकिस्तानी प्रवासियों से मिलेंगी।

अगस्त 2024 में श्री यूनुस के नेतृत्व वाली सेना समर्थित अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से बंगलादेश पाकिस्तान के साथ नज़दीकी बढ़ा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और श्री यूनुस की पिछले साल दो बार मुलाकात हुई थी।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 17 अप्रैल, 2025 बैशाख कृष्ण पक्ष 6

राशिफल

मेष - आज आप सभी काम सावधानी से करें। सरकार विरोधी काम से दूर रहें। दुर्घटना हो सकती है, इसलिए वाहन आदि का उपयोग ध्यान से करें। बाहर के खान-पान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है।

वृषभ - आप को अपने प्रिय दोस्तों और स्वजनों के साथ घूमने- फिरने का आनंद प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्र-आभूषण और भोजन का अवसर आपको मिलेगा। दोपहर के बाद स्थिति आपके नियंत्रण से हट सकती है।

मिथुन - आज का आपका दिन मनोरंजन और आनंद लूटने का है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कार्यालय में सहयोगपूर्ण वातावरण रहेगा। मित्रों के साथ पर्यटन स्थल पर जाने का आयोजन होगा।

कर्क - आज समय थोड़ा कठिन बना रहेगा, लेकिन आपके परिश्रम में कमी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।

सिंह - आज हर काम सावधानीपूर्वक करें। मानसिकरूप से तनाव रहेगा। कुछ अस्वस्थता का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। ऐसे समय में संयम बरतना ही हितकर होगा।

कन्या - आपको लाभ होगा। भाग्यवृद्धि का योग दिख रहे हैं। संबंधों में प्रेम और सम्मान की प्रधानता रहेगी। दोपहर के बाद किसी बात को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला - शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पारिवारिक झगड़े में वाणी पर संयम रखना होगा। नेगेटिविटी मन पर छायी रहेगी। घर के सदस्यों के साथ किसी बात का कनफ्यूजन बना रहेगा।

वृश्चिक - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी है। सुख और संतोष का अनुभव होगा। परिजनों के साथ आनंदपूर्वक दिन गुजरेगा। आज शुभ समाचार मिलेंगे। दोपहर के बाद परिवार में झगड़े का वातावरण रह सकता है।

धनु - आज दुर्घटना के योग हैं। हर मामले में ध्यान से रहें। अचानक किसी बात पर धन खर्च होगा। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी। दोपहर के बाद स्थिति सुधरेगी। शारीरिक और मानसिक प्रसन्नता रहेगी।

मकर - आज का दिन व्यापार-व्यवसाय और जॉब करने वालों के लिए अच्छा है। पुत्र और पत्नी से आर्थिक लाभ होगा। सांसारिक जीवन में सुखद प्रसंग बनने से मन खुश रहेगा।

कुंभ - आज का दिन लाभकारी है। व्यापार के क्षेत्र में आप को लाभ प्राप्त होगा। घर-परिवार और समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में पदोन्नति होगी। अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मीन - साहित्यिक गतिविधि में आज आपकी रुचि बनी रहेगी। आज कोई नए काम शुरू कर पाएंगे। किसी धार्मिक यात्रा के योग हैं। विदेश में रहने मित्र तथा स्नेहीजनों से बातचीत हो सकती है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

गाजा पर इजरायली हमलों में 19 फिलीस्तीनी नागरिकों की मौत

गाजा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजा पट्टी के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हमलों में कम से कम 19 फिलीस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। गाजा सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) के प्रवक्ता महमूद बसल ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि गाजा शहर के उत्तर-पूर्व में अल-तुफाह पड़ोस में हसौना परिवार के घर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कई बच्चों और महिलाओं समेत 10 लोग मारे गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी के उत्तर में जबालिया क्षेत्र में इजरायली सेना ने तीन लोगों की हत्या कर दी और अन्य को घायल कर दिया। प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस में इजरायली ड्रोन हमलों में कम से कम दो बच्चों समेत पांच लोगों की जान गई। वहीं, केंद्रीय नुसेरात शहर में विस्थापितों को भोजन वितरित करने वाले एक टेंट पर इजरायली विमान के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह से ही गाजा सिटी के पूर्वी हिस्सों, बेत हनून और बेत लाहिया क्षेत्रों में इजरायली तोपखाने से लगातार गोला-बारी की जा रही है। इस बीच, हमास के सशस्त्र विंग अल-कसम ब्रिगेड ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने गाजा सिटी के पूर्वी हिस्से में स्थित

अल-वफा अस्पताल के पास तीन इजरायली मर्कावा-4 टैंकों को निशाना बनाया। हालांकि, इजरायली सेना ने अब तक इन हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 18 मार्च से गाजा पट्टी में फिर से शुरू किए गए अभियान के तहत हमास के राजनीतिक ब्यूरो के कुल 11 वरिष्ठ अधिकारी मारे गए हैं। बयान के अनुसार, फिर से शुरू किए गए अभियानों में अब तक वायुसेना के 350 लड़ाकू विमानों और विमानों ने लगभग 1,200 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए।

यमन की राजधानी पर अमेरिकी हवाई हमलों में 1 की मौत, कई घायल

सना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। यमन की राजधानी सना में अमेरिकी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि हमले रिहायशी इलाके और अन्य स्थानों पर किए गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलों में सना के बीच स्थित अल-नहदा इलाके के एक घर को निशाना बनाया गया। इस बीच, हूती नियंत्रित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि सना और उसके आसपास के कई इलाकों पर अमेरिका ने करीब 20 हवाई हमले किए। इनमें माउंट नुकुम में स्थित अल-हफा सैन्य ठिकाना और बानी हशिश, निहम और मनखा जैसे जिले शामिल हैं। बताया गया कि पूरे शहर में लड़ाकू विमानों की आवाजें और धमाकों की गूंज सुनी गई।

15 मार्च को अमेरिकी सेना ने हूती मिलिशिया पर फिर से हवाई हमले शुरू किए। इसका मकसद उन्हें लाल सागर में इजरायली ठिकानों और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले करने से रोकना था। हूती सना समेत उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा रखते हैं। उन्होंने कहा है कि अगर इजरायल गाजा पट्टी में युद्ध रोक दे और वहां जरूरी खाद्य सामग्री और दवाएं जाने दे, तो वे भी अपने हमले बंद कर देंगे।

अमेरिकी टैरिफ नीति अमेरिकी उपभोक्ताओं पर नकारात्मक प्रभाव डालेगी : क्रिस

बीजिंग, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में, ब्रिटिश इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव क्रिस साउथवर्थ ने चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) के संवाददाता को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिकी टैरिफ नीति न केवल अंतर्राष्ट्रीय बाजार में झटके पैदा करेगी, बल्कि अमेरिकी लोगों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालेगी। साउथवर्थ ने कहा कि ब्रिटिश इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स अमेरिकी टैरिफ नीति का बिल्कुल समर्थन नहीं करता है। अमेरिकी उपभोक्ताओं को सभी पहलुओं में मूल्य वृद्धि महसूस होगी, चाहे वह फल, भोजन, पेय पदार्थ, कार या कॉफी हो, सभी दैनिक आवश्यकताएं हों और अगले कुछ हफ्तों में हर कोई वास्तव में प्रभावित होगा। साउथवर्थ ने कहा कि ब्रिटेन और चीन के पास डिजिटलीकरण, आधुनिकीकरण और वैश्विक व्यापार के डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने में सहयोग के लिए विशाल अवसर हैं। हमें वैश्विक समुदाय के रूप में मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि वैश्विक व्यापार प्रणाली अभी की तुलना में अधिक स्थिर हो सके।

डकैती के मामले में अदालत में गवाही देंगी किम कार्देशियां

लास एंजिल्स, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रियलिटी टीवी स्टार किम कार्देशियां 2016 में अपने फ्लैट में हुई एक सशस्त्र डकैती के मामले में गवाही देने के लिए तैयार हो गयी हैं। टीवी स्टार कार्देशियां के अनुसार कई नकाबपोश हमलावर उनके फ्लैट में घुस आये थे तथा बंदूक की नोक पर उनके हाथपांव बांध कर उन्हें बाथरूम में बंद कर दिया और लाखों के गहने लेकर चंपत हो गये थे। जिनमें उनके तत्कालीन पति कान्ये वेस्ट द्वारा उनकी सगाई पर भेंट की गई एक बेशकीमती हीरे की अंगूठी भी शामिल थी। यूएसए टूडे पत्रिका में छपी खबर के मुताबिक कार्देशियां के अधिवक्ता माइकल रोड्स ने इस बात की पुष्टि की है कि उनकी मुवक्किल गवाह के तौर पर अदालत में पेश होने को तैयार है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान रेलवे द्वारा पहले से ही घोषित अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के अलावा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04098/04097 आनन्द विहार टर्मिनल - सीतामढ़ी - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 48 फेरे

गाड़ी सं. 04098		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04097	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	05:00	आनन्द विहार टर्मिनल	01:30	----
02:30	----	सीतामढ़ी	----	03:45

चलने के दिन: 04098 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 22.04.2025 से 11.07.2025 तक (मंगलवार व शुक्रवार) को और **04097 सीतामढी** से दिनांक 23.04.2025 से 12.07.2025 तक (बुधवार व शनिवार) को। **ठहराव:** गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाज़ीपुर सिटी, बलिया, छपरा जं., सोनपुर जं. हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं. स्टेशन. **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04504/04503 चंडीगढ़ - पटना जं. - चंडीगढ़ आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 12 फेरे

गाड़ी सं. 04504		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04503	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:35	चंडीगढ़	23:10	----
22:10	----	पटना जं.	----	22:45

चलने के दिन: 04504 चंडीगढ़ से दिनांक 24.04.2025 से 29.05.2025 तक (गुरुवार) को और **04503 पटना जं.** से दिनांक 25.04.2025 से 30.05.2025 तक (शुक्रवार) को। **ठहराव:** अम्बाला छावनी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, सुल्तानपुर, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा स्टेशन। **स्थान:** प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04030/04029 आनन्द विहार टर्मिनल - मुजफ्फरपुर जं. - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 16 फेरे

गाड़ी सं. 04030		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04029	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	09:00	आनन्द विहार टर्मिनल	03:10	----
04:30	----	मुजफ्फरपुर जं.	----	06:15

चलने के दिन: 04030 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 22.04.2025 से 17.05.2025 तक (मंगलवार व शनिवार) को और **04029 मुजफ्फरपुर जं.** से 23.04.2025 से 18.05.2025 तक (बुधवार व रविवार) को। **ठहराव:** मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, जौनपुर जं., औंडिहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा जं., सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं. स्टेशन। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04012/04011 दिल्ली जं. - दरभंगा जं. - दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 48 फेरे

गाड़ी सं. 04012		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04011	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:30	दिल्ली जं.	22:40	----
20:30	----	दरभंगा जं.	----	22:00

चलने के दिन: 04012 दिल्ली जं. से दिनांक 22.04.2025 से 11.07.2025 तक (मंगलवार व शुक्रवार) को और **04011 दरभंगा जं.** से दिनांक 23.04.2025 से 12.07.2025 तक (बुधवार व शनिवार) को। **ठहराव:** गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, सुल्तानपुर जं., जौनपुर सिटी, वाराणसी, औंडिहार जं., ग़ाज़ीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. स्टेशन। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04094/04093 आनन्द विहार टर्मिनल - जोगबनी - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 24 फेरे

गाड़ी सं. 04094		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04093	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:55	आनन्द विहार टर्मिनल	16:00	----
07:30	----	जोगबनी	----	09:30

चलने के दिन: 04094 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 24.04.2025 से 10.07.2025 तक (गुरुवार) को और **04093 जोगबनी** से दिनांक 26.04.2025 से 12.07.2025 तक (शनिवार) को।

ठहराव: गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., लखनऊ, सुल्तानपुर जं., जौनपुर सिटी, वाराणसी, औंडिहार जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया, अररिया एवं फारबिसगंज जं. स्टेशन। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04213/04214 अयोध्या छावनी - आनन्द विहार टर्मिनल - अयोध्या छावनी आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 72 फेरे

गाड़ी सं. 04213		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04214	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	18:20	अयोध्या छावनी	22:00	----
06:00	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	09:00

चलने के दिन: 04213 अयोध्या छावनी से दिनांक 20.04.2025 से 10.07.2025 तक (रविवार, मंगलवार व गुरुवार) को और **04214 आनन्द विहार टर्मिनल** से दिनांक 21.04.2025 से 11.07.2025 तक (सोमवार, बुधवार व शुक्रवार)। **ठहराव:** बाराबंकी, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04302/04301 योग नगरी ऋषिकेश - मुजफ्फरपुर जं. - योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 26 फेरे

गाड़ी सं. 04302		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04301	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	15:20	योग नगरी ऋषिकेश	14:20	----
13:00	----	मुजफ्फरपुर जं.	----	15:00

चलने के दिन: 04302 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 22.04.2025 से 15.07.2025 तक (मंगलवार) को और **04301 मुजफ्फरपुर जं.** से दिनांक 23.04.2025 से 16.07.2025 तक (बुधवार) को। **ठहराव:** हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ जं., सुल्तानपुर जं., वाराणसी जं., बलिया, सुरेमनपुर, छपरा एवं हाजीपुर स्टेशन। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

01021/01022 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - गोरखपुर जं. - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 01021		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 01022	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22:30	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस	08:30	----
06:00	06:10	वाराणसी	01:20	01:30
14:30	----	गोरखपुर जं.	----	16:30

चलने के दिन: 01021 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से दिनांक 16.04.2025 को (बुधवार) को और **01022 गोरखपुर जं.** से दिनांक 18.04.2025 को (शुक्रवार) को। **ठहराव:** दादर, ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा जं., इटारसी जं., जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी जं., वाराणसी जं., जौनपुर जं. एवं मऊ जं. स्टेशन. **स्थान:** कुर्सीयान।

04212/04211 सुल्तानपुर - लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सुल्तानपुर आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 22 फेरे

गाड़ी सं. 04212		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04211	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	04:00	सुल्तानपुर	23:00	----
14:00	----	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	----	16:35

चलने के दिन: 04212 सुल्तानपुर से दिनांक 05.05.2025 से 14.07.2025 तक (सोमवार) को और **04211 लोकमान्य तिलक टर्मिनस** से दिनांक 06.05.2025 से 15.07.2025 तक (मंगलवार) को। **ठहराव:** लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, बीना, रानी कमलापति (भोपाल), इटारसी जं., खंडवा, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे स्टेशन। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

1158/2025

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जायजा ब्राजील में फार्म पर पहुंचे शिवराज सिंह चौहान

चौहान ने कृषि सिंचाई तकनीक का जायजा लिया

साओ पाउलो, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भाग के लिए ब्राजील गए हुए हैं। इस बैठक से पहले कृषि मंत्री ब्राजील के टमाटर फॉर्म पहुंचे और कृषि सिंचाई तकनीक का जायजा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने एक वीडियो पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि ब्राजील प्रवास के दौरान मुझे यहां के एक प्रमुख सोया तेल क्रशिंग और पैकेजिंग संयंत्र का अवलोकन करने तथा आधुनिक तकनीकी को समझने का अवसर मिला। ब्राजील ने सोयाबीन उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। यहां उच्च स्तर की मशीनीकरण प्रक्रिया और उन्नत अनुसंधान को देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई।

■ शिवराज चौहान इन दिनों ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भाग के लिए ब्राजील गए हुए हैं

इस दौरान ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल को भारत में सितंबर 2025 में होने वाले वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस वीडियो में उन्होंने कहा कि मैं यहां के कृषि मंत्री के साथ इस फॉर्म में आया हूं। यहां टमाटर की खेती हो रही है। मैंने यहां के सिंचाई के सिस्टम को देखा है। इसमें एक मशीन है, जिसमें यूरिया का टैंक है। वह यूरिया पानी में घोला जा रहा है। पानी में यूरिया घोलकर टैंक के जरिए पाइपलाइन तक पहुंच रही है। इन पाइपों में स्प्रिंकल लगे हुए हैं। इन स्प्रिंकलों से इन टमाटरों में पानी दिया जा रहा है, जिसमें पहले से ही न्यूट्रियंट्स मिले हुए हैं। इसमें जितनी जरूरत है, उतना ही पानी दिया जाता है। यह पूरा सिस्टम ही मैकेनाइज्ड है। पास में ही पानी का टैंक बनाया गया है। उस पानी के टैंक में बारिश के दिनों में जल इकट्ठा होता है। उसी पानी से खेतों की सिंचाई की जाती है। उसी पानी को इससे फुहारेनुमा छिड़का जाता है। ताकि ढंग से सिंचाई हो सके। यह पूरा कंट्रोल्ड सिस्टम है। पौधे को जितने न्यूट्रिएंट्स और पानी चाहिए, उतना ही दिया जाता है। बता दें कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 अप्रैल को ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान वे ब्राजील के कृषि और पशुधन मंत्री कार्लोस हेनरिक बाक्वेटा फावारो और कृषि विकास एवं पारिवारिक कृषि मंत्री लुइज पाउलो टेक्सेरा के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे।

प्रादेशिकी

केजरीवाल की राजनीति अब घोटालों की पहचान बन चुकी है : चुग

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने गुरुवार को कहा कि स्वयंभू ईमानदार आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल देश में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा चेहरा बन चुके हैं, और उनकी पूरी पार्टी एक संगठित घोटालों का गिरोह बन गई है।श्री चुग ने कहा कि श्री दुर्गेश पाठक के आवास पर सीबीआई द्वारा की गई छापेमारी कोई साधारण कार्यवाही नहीं, बल्कि श्री केजरीवाल के नेतृत्व में चल रही भ्रष्टाचार की साजिश का पर्दाफाश है। यह वही दुर्गेश पाठक हैं, जो गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी की राजनीतिक जिम्मेदारी संभाल रहे थे, और दिल्ली के शराब घोटाले से निकाले गए अवैध धन को 'चंदा' बताकर गोवा चुनाव में पानी की तरह बहाया। श्री अरविंद केजरीवाल उस गिरोह के सरगना हैं, जिन्होंने ईमानदारी का झूठा चोला पहनकर देश को ठगने का काम किया है। आप अब आम नहीं, बल्कि अपराधियों की पार्टी बन गई है।

उत्तराखण्ड को पॉवर सरप्लस राज्य बनाने के लिए सबको समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा : धामी

राज्य सरकार ने इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन वाले विकास के मॉडल को चुना

- विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री का जताया आभार
- दून शहर की बिजली लाइनें भूमिगत की जा रही

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन, देहरादून में ऊर्जा निगमों के कार्मिकों द्वारा आयोजित 'स्वागत एवं अभिनन्दन' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उत्तराखण्ड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने ऊर्जा निगमों के कार्मिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस अभिनंदन की असली हकदार उत्तराखंड प्रदेश की जनता है, जिन्होंने प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा प्रदेश उत्तराखंड की मूल अवधारणा में था। उत्तराखण्ड को पॉवर सरप्लस राज्य बनाने के लिए सबको समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा।। मुख्यमंत्री ने कहा भारत सरकार का राज्य सरकार को हर योजना पर सहयोग मिल रहा है। विद्युत मंत्रालय की जारी डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी रैंकिंग में यूपीसीएल ने विशेष श्रेणी डिस्कॉम में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार, उत्तराखण्ड को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पित है। बिजली उत्पादन के लिए लखवाड़ बांध परियोजना, जमरानी बांध बहुउद्देश्यीय परियोजना और देहरादून में आने वाले 50 सालों में पेयजल की समस्याओं को दूर करने के लिए सौंग बांध परियोजना पर कार्य गतिमान है। राज्य में अत्याधुनिक जीआईएस (गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन) उपकेंद्रों की स्थापना भी जारी है। उन्होंने कहा राज्य में 16 लाख स्मार्ट मीटर लगाकर टेक्नॉलजी के माध्यम से पारदर्शिता लाने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दून शहर की बिजली लाइनें भूमिगत की जा रही हैं। यूपीसीएल ने अत्याधुनिक ओटोमेटेड डिमान्ड रिसपॉन्स सिस्टम के उपयोग से ओवरड्राल की स्थिति पर रियल टाइम पर नियंत्रण कर हर वर्ष करोड़ो रूपये की बचत की है।

धामी के निर्देश पर सचिवों का ग्राम भ्रमण जारी

हल्द्वानी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिवों द्वारा गांवों का नियमित ग्राम भ्रमण जारी है। इसी के तहत अपर सचिव परिवहन, सतर्कता, नियोजन एवं कार्मिक, रीना जोशी द्वारा रामनगर एवं हल्द्वानी के गुजरौड़ा और फतेहपुर गांवों का निरीक्षण कर आम जनता से मुलाकात की गई तथा उनकी समस्याएँ सुनीं। गुजरौड़ा में लोगों द्वारा अपर सचिव श्रीमती जोशी को बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जो लाइन बिछाई गई है, उसमें लगभग एक वर्ष से पानी नहीं आ रहा है। इस पर श्रीमती जोशी ने जल जीवन मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 मई तक हर हाल में जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय-सीमा तक जलापूर्ति नहीं होती है, तो ग्राम प्रधान उन्हें इसकी सूचना दें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि तय समय के भीतर कार्य न होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके उपरान्त फतेहपुर ग्राम सभा में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के तहत नवनिर्मित भवनों के साथ ही पेयजल टैंक का निरीक्षण किया गया।

सभी विस क्षेत्रों में होंगी विधायक खेलकूद प्रतियोगिता : सीएम

देहरादून। उत्तराखंड की समस्त विधानसभाओं में विधायक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इससे खिलाड़ियों को एक मंच के साथ ही नई प्रतिभाओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। युवाओं में बढ़ते ई-कल्चर (इलेक्ट्रॉनिक संस्कृति) को पी-कल्चर (प्ले ग्राउंड संस्कृति) में बदला जाए। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में युवा कल्याण विभाग की गेम चेंजर योजनाओं की समीक्षा बैठक लेते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर युवाओं को खेलों से जोड़ा जाए। युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उन्हें साहसिक खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण, सेना, अर्द्धसेना और पुलिस बलों में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण दिया जाए।

जयराम ठाकुर ने कांग्रेस पर साधा निशाना नेशनल हेराल्ड मामले में लगाया बड़ा आरोप

■ नेशनल हेराल्ड मामले को अब देश की जनता भी जानना चाहती है, भाजपा सामने ला रही है सच

मंडी, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और क्रप्शन दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची हैं। जब भी राष्ट्रीय जांच एजेंसियों ने इनके किये घोटालों की परतें खोलना शुरू किया तो कांग्रेस दबाब की राजनीति कर इन एजेंसियों को डराने और धमकाने का प्रयास करती है।

मंडी में प्रेसवार्ता के दौरान जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड अखबार की नींव आजादी से पूर्व वर्ष 1938 में ही रख दी थी। जिसके पहले संपादक पंडित जवाहर लाल नेहरू थे। इसके बाद एसोसिएट जनरल लिमिटेड के प्रकाशन समूह की ओर से नेशनल हेराल्ड के अलावा हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज नामक अखबार निकाले जाते थे। उन्होंने कहा कि भारत का अग्रदूत माने जाने वाला यह अखबार नेहरू परिवार और कांग्रेस की अगुवाई में भ्रष्टाचार का अग्रदूत बनकर रह गया। उन्होंने कहा कि नेहरू के बाद इंदिरा और फिरोज गांधी ने नेशनल हेराल्ड अखबार की कमान संभाली। तत्तपश्चात राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने करीब दो हजार करोड़ की यह संपति हासिल की। जिसको लेकर यूपीए की सरकार के दौरान सुब्रम्ण्यम स्वामी की ओर से 2012 में पटियाला हाउस कोर्ट में मामला दर्ज किया गया था। जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया था। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल 2021 में ईडी ने इस बारे मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। उस दौरान भी कांग्रेस की ओर से ईडी के दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि यह मामला कितना गंभीर है इसको लेकर सरदार पटेल से लेकर कई स्वतंत्रता सेनानियों ने सवाल उठाए हैं। वहीं पर कांग्रेस देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर ईडी के दुरूपयोग की बात कर रही है, जो सही नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा कि आज देश जानना चाहता है कि मामला क्या है। आखिर क्यों ईडी के खिलाफ देश भर में कांग्रेस की ओर से धरने प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग जिनमें मंत्री और मुख्यमंत्री आते हैं भी ईडी के खिलाफ धरने प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री मामले को समझने की कोशिश नहीं कर रहे हैं और न ही वे किसी मामले को समझने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल हेराल्ड हमारा अखबार है, हम चाहे जितना विज्ञापन दे सकते हैं।

सार संक्षेप

सिरसाः मंडियों में 2.19 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की आवक

सिरसा। हरियाणा में सिरसा जिला की अनाज मंडियों में गेहूं और सरसों की खरीद का कार्य जारी है, अब तक दो लाख 19 हजार 718 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। डीएफएससी मुकेश कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 25 हजार 158 हजार मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा एक लाख 42 हजार 550 मीट्रिक टन तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा 52 हजार 10 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि कालांवाली अनाज मंडी में 23,614 मीट्रिक टन, ऐलनाबाद अनाज मंडी में 14,351 मीट्रिक टन, सिरसा अनाज मंडी में 15,708 मीट्रिक टन, नाथूसरी चौपटा मंडी में 7466 मीट्रिक टन, डबवाली मंडी में 12602 मीट्रिक टन, बड़ागुढ़ा में 6131 मीट्रिक टन, बप्पां में 4535 मीट्रिक टन, डिंग में 8334 मीट्रिक टन, कुत्ताबढ में 3225 मीट्रिक टन, ओढां में 5111 मीट्रिक टन, जीवन नगर मंडी में 9020 मीट्रिक टन और रानियां में 12406 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है।

अमृतसर एयरपोर्ट पर सुविधाओं की कमी से यात्री परेशान-एफएआई

अमृतसर । फ्लाई अमृतसर इनिशिएटिव (एफएआई) और अमृतसर विकास मंच (एवीएम) ने एक बार फिर श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमृतसर पर बुनियादी यात्री सुविधाओं की कमी खासकर प्रस्थान टर्मिनल पर बैगेज ट्रॉली और व्हीलचेयर सहायता की अनुपलब्धता पर गंभीर चिंता जताते हुए भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) और अमृतसर हवाई अड्डे के निदेशक एस.के. कपाही से यात्रियों की सुविधा, सम्मान और सुरक्षा के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की अपील की है। फ्लाईअमृतसर इनिशिएटिव के वैश्विक संयोजक और एवीएम के ओवरसीज सेक्रेटरी समीप सिंह गुमटाला ने गुरुवार को बताया कि वे अपने परिवार के सदस्य के साथ अपनी उड़ान के लिए सुबह 6-45 बजे पहुंचे और प्रस्थान प्रवेश द्वार के पास कोई ट्रॉली उपलब्ध नहीं पाई। दोनों को बिना किसी सहायता के टर्मिनल में चेक-इन के लिए तीन बैग, दो कैरी-ऑन, लैपटॉप बैग आदि ले जाना पड़ा।

समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं

सिरसा। हरियाणा में सिरसा जिला प्रशासन द्वारा जिला व उपमंडल स्तर पर प्रतिदिन समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त शांतनु शर्मा ने 15 जन समस्याएं सुनीं और उपस्थित अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए। इनमें अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय से संबंधित आठ, डीआरओ से दो, पुलिस अधीक्षक, डीएमसी, डीसीडब्ल्यूओ, सीएमओ और बीडीपीओ से संबंधित एक-एक शिकायतें सुनी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। प्राथमिकता के आधार पर समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है।

नेशनल हेराल्ड घोटाले पर भाजपा आज करेगी कांग्रेस भवन का घेराव : टंडन

चंडीगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। चंडीगढ़ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय टंडन, महापौर हरप्रीत कौर बबला और प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर भाजपा युवा मोर्चा शुक्रवार को अपराह्न तीन बजे कांग्रेस भवन का घेराव करेगा।

नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर भाजपा नेताओं ने कहा कि यह घोटाला कांग्रेस पार्टी द्वारा हजारों करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि 1937 में स्थापित यह अखबार कभी भी नेहरू परिवार की निजी संपत्ति नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों की आवाज था। हालांकि, 2008 में जब इसका प्रकाशन बंद हुआ, तो कांग्रेस ने 90 करोड़ रुपए की राशि मुहैया कराई, जो पार्टी फंड से दी गई थी। भाजपा नेताओं का कहना था कि कांग्रेस ने 'यंग इंडियन' नामक एक कंपनी बनाई, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी की 38-38 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इस कंपनी को 90 करोड़ रुपये का लोन ट्रांसफर कर दिया गया और इसके बाद नेशनल हेराल्ड की संपत्ति गांधी परिवार के कब्जे में आ गई। इस संपत्ति में दिल्ली की प्राइम लोकेशन सहित लखनऊ, मुंबई, भोपाल और पटना में मौजूद हजारों करोड़ की संपत्तियां शामिल हैं। भाजपा नेताओं ने सवाल किया कि कांग्रेस ने 'यंग इंडियन' को चैरिटेबल संस्था बताया था, लेकिन आज तक इसके किसी भी चैरिटेबल कार्य का कोई प्रमाण नहीं दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले की जांच की है और कई वरिष्ठ नेताओं से पूछताछ की है। श्रीमती गांधी और श्री गांधी वर्तमान में जमानत पर हैं और उच्चतम न्यायालय में कोई राहत नहीं मिली है। प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए इस घोटाले के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 18 अप्रैल को कांग्रेस भवन का घेराव करने का निर्णय लिया है।

डीएम सविन के प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' से समृद्ध आत्मविश्वासी बनते जिले के सरकारी स्कूल

■ प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' अन्तर्गत ओएनजीसी व हुडको का मिला अभूतपूर्व सहयोग

देहरादून, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम की सकारात्मक ऊर्जा से प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' के तहत् सरकारी स्कूलों को पठन-पाठन आधुनिक तकनीक से स्कूलों को स्मार्ट बनाने के डीएम सविन बंसल के प्रयास धरातल पर उतरने लगे हैं। जिसके अन्तर्गत वित्तीष वर्ष 2024-25 मार्च में दुर्गम क्षेत्र चकराता, कालसी के स्कूलों को फर्नीचर उपलब्ध करा दिया गया हैं तथा शेष विकासखण्ड विकासनगर, सहसपुर, रायपुर व डोईवाला में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत फर्नीचर आच्छादित करने हेतु ओएनजीसी ने कार्य आदेश जारी कर दिया है। स्कूलों को स्मार्ट बनाने के इस कार्य में ओएनजीसी व हुडको द्वारा सहयोग किया जा रहा है। जिलाधिकारी के इस महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट में हुडको द्वारा स्कूलों में पठनपाठन व्यवस्था हेतु आधुनिक उपकरण एलईडी के लिए 2.5 के कार्य प्रोसेस में हैं, जबकि ओएनजीसी ने 1.5 करोड़ के फर्नीचर एवं उपकरण में सहयोग कर रही है। ओएनजीसी ने विकासखण्ड चकराता, कालसी स्थत सरकारी स्कूलों को वर्ष 2024-25 में फर्नीचर युक्त कर दिया है तथा वर्ष 2025-26 के लिए विकासखण्ड डोईवाला, रायपुर, विकासनगर व सहसपुर स्थित स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी ने जनपद देहरादून में स्कूलों में मूलभूत सुविधा सहित वाईट बोर्ड, प्रत्येक कक्ष में दो एलईडी लाईट, फर्नीचर, आउटडोर स्पोर्टस आदि समुचित व्यवस्थाएं करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है जिसके लिए 1 करोड़ की धनराशि मुख्य शिक्षा अधिकारी निवर्तन पर रखी गई। जिसके तहत् सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारियों को भी मांग के अनुरूप धनराशि आंवटित की गई है।

सरकार की तानाशाही के खिलाफ शिक्षक संगठनों का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सिरसा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा अध्यापकों के साथ की जा रही तानाशाही के विरोध में गुरुवार को अध्यापक संगठनों ने मिलकर लघु सचिवालय में धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संबंधित अधिकारी को इन संगठनों ने ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता हसला के प्रधान कुलदीप सिहाग, अध्यापक विद्यालय संघ से वीर सिंह व बूटा सिंह, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ से विजय शर्मा, विजय सहारण, संदीप रूंडला, अजमेर सिंह, कन्हैया लाल चाहर खंड प्रधान, सुधीर सुथार ने संयुक्त रूप से की। इस मौके पर अध्यापक नेताओं ने बताया कि एक तरफ तो सरकार द्वारा स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने को लेकर दबाव बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर बिना मतलब के फरमान जारी कर अध्यापकों को प्रताड़ित करने का काम किया जा रहा है। सरकार ने सरकारी स्कूलों को पहले मॉडल स्कूल का दर्जा दिया, इसके बाद पीएमश्री का दर्जा दिया, जिसके तहत सरकारी स्कूलों में बच्चों की फीस लागू कर दी। बड़ी बात ये है कि सरकार ने पीएमश्री स्कूलों को हर प्रकार का फंड जारी कर दिया है, लेकिन दूसरे स्कूलों को कोई फंड नहीं मिलता, जिसका सीधा सा मतलब है कि सरकार निजी स्कूलों को लाभ देने के लिए सरकारी स्कूलों को बंद करना चाहती है। उन्होंनेबताया कि फीस लागू होने के कारण जिस स्कूल में पहले दो हजार बच्चे थे, उस स्कूल में अब 1000 बच्चे रह गए हैं। जहां 1000 हजार थे, वहां 500 से कम बच्चे रह गए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने ऑनलाइन डायरी का जो फरमान जारी किया है, ऐसे निर्णय केवल और केवल समय की बर्बादी है व शिक्षक को शिक्षण के अतिरिक्त अन्य कामों में उलझाए रखने का षडयंत्र है, जिससे केवल बच्चों की पढ़ाई ही प्रभावित होगी अन्य कोई उत्पादकता नहीं होगी। पहले से ही शिक्षकों को अनेक ऐसे गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाया हुआ है, जो काम सरकार अन्य विभागों या शिक्षित बेरोजगार युवकों से भी ले सकती है।

उत्तराखण्ड संस्कृत शिक्षा परिषद का रिजल्ट जारी

■ 12वीं में अभिषेक ममगाई ने किया टॉप

देहरादून, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद की पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (कक्षा 10) और उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (कक्षा 12) की बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी हो गया है। इस बार भी जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय श्रीनगर गढ़वाल के छात्रों ने बाजी मारी है। जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय श्रीनगर गढ़वाल के तीन छात्रों ने प्रदेश स्तर पर टॉप 10 में जगह बनाई है।

पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (कक्षा 10) के छात्र अनुराग डिमरी पुत्र संजीव डिमरी ने 85.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश स्तर पर पंचम (5वां) स्थान प्राप्त किया। वहीं, अनुराग डिमरी पुत्र प्रकाश चन्द्र डिमरी ने 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर षष्ठ (6वां) स्थान हासिल किया। दोनों छात्रों के बीच अंक प्रतिशत में मामूली अंतर रहा, लेकिन दोनों ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से विद्यालय का मान बढ़ाया।

उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (कक्षा 12) के छात्र अभिषेक ममगाई पुत्र अरविन्द ममगाई ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि विद्यालय के लिए एक गर्व का क्षण है, जो संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में उसकी गुणवत्ता और समर्पण को दर्शाता है।विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित समस्त शिक्षकगण, अभिभावक एवं सहपाठियों ने इन छात्रों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, अनुशासन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और माता-पिता के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय प्रशासन ने आशा जताई है कि आने वाले वर्षों में भी छात्र इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और संस्कृत शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। साथ ही छात्रों को सम्मानित करने के लिए विद्यालय में शीघ्र ही एक विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा।

अब उत्तराखंड बोर्ड परीक्षार्थियों को अपने रिजल्ट का इंतजार है। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा 2025 का परिणाम 19 अप्रैल को आने वाला है। हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) परीक्षा वर्ष 2025 के साथ-साथ परीक्षाफल सुधार परीक्षा (द्वितीय) वर्ष 2024 के नतीजे भी 19 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे।

केदारनाथ धाम में दर्शनों के लिए रहेगी टोकन व्यवस्था

- टोकन में दिए गए समय के अनुसार यात्रियों को कराए जाएंगे दर्शन
- टोकन व्यवस्था लागू होने से सभी स्थितियां रहेंगी काबू

रुद्रप्रयाग, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के दर्शन में इस बार भी टोकन व्यवस्था लागू रहेगी। टोकन में दिए गए समय के अनुसार ही यात्री दर्शन कर सकेंगे। टोकन व्यवस्था लागू होने से यात्रियों का समय भी बचेगा और मंदिर परिसर में भक्तों की अत्यधिक भीड़ भी नहीं होगी। जिस समय यात्री को टोकन में दर्शन करने का समय दिया जाएगा, यात्री उसी समय मंदिर पहुंचकर दर्शन कर सकता है। दो मई से शुरू हो रही केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कड़ी मशक्कत के बाद केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग से बर्फ को हटाकर आवाजाही लायक बनाया गया है। अब धाम में आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं। शीघ्र ही धाम में अब द्वितीय चरण के पुनर्निर्माण कार्य भी शुरू होने वाले हैं। केदारनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थ यात्रियों के लिये दर्शन करने की सुविधा पर पर्यटन विभाग ने कार्य योजना बना दी है। पिछली यात्रा की तरह इस बार भी यात्रियों को टोकन व्यवस्था के तहत दर्शन कराए जाएंगे। केदारनाथ में स्थित एमआई हेलीपैड के निकट टोकन काउंटर बनाया जाएगा और यही से यात्रियों को टोकन दिया जाएगा। टोकन में दिये गये समय के अनुसार यात्री दर्शन करेंगे। टोकन व्यवस्था का सबसे लाभ यह है कि यात्री निर्धारित समय पर दर्शन कर पाएंगे।

रिनचेन ने उत्तराखंड पर्यटन को विश्वभर में सम्मान दिलाया : महाराज

■ साधना ध्यान उपवन का किया उद्घाटन

नैनीताल, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। वेन कुंगा रिनचेन ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि यूरोप, नेपाल, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका जैसे अनेक देशों में जाकर बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उत्तराखंड की संस्कृति, शांति और आध्यात्मिकता का भी वैश्विक स्तर पर परिचय करवाया।

उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को जनपद नैनीताल के चोरसा स्थित साधना ध्यान उपवन (रुद्र समतेन गत्सल) के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहीं। उन्होंने कहा कि आज का यह आयोजन केवल एक भवन के लोकार्पण का नहीं, बल्कि यह एक आध्यात्मिक संकल्प, निःस्वार्थ सेवा, और समर्पण की भावना का उत्सव है। कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि यह केंद्र, जो चोरसा गांव की शांत वादियों में स्थापित हुआ है, एक साधक की तपस्या और दूरदृष्टि का साकार रूप है। उन्होंने वेन. कुंगा रिनचेन (आनन्द लामा) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केंद्र न केवल एक दिव्य धरोहर है बल्कि यह उत्तराखंड की आध्यात्मिक चेतना को भी एक नई ऊँचाई प्रदान करता है। वेन. कुंगा रिनचेन जी केवल एक धर्मगुरु नहीं हैं वे एक जनसेवक, एक द्रष्टा, और एक सांस्कृतिक दूत हैं। उन्होंने वर्षों तक उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर जरूरतमंदों को कंबल, राशन, दवाइयाँ और जीवनोपयोगी सामग्री प्रदान की। उनके द्वारा स्थापित रत्न एवं ज्ञान चौरिटेबल ट्रस्ट इसके अनेक प्रमाण प्रस्तुत करता है। महाराज ने बताया कि वेन. कुंगा रिनचेन ने वर्ष 2008 से, जब वे देहरादून स्थित सक्या सेंटर, राजपुर रोड के प्रधानाचार्य थे, तभी से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने स्वच्छता अभियानों, वृक्षारोपण कार्यक्रमों तथा पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) प्रक्रियाओं से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन प्रारंभ किया, जो आज भी नियमित रूप से जारी हैं। यह प्रयास उनकी पर्यावरण के प्रति जागरूकता, समाज सेवा और दूरदृष्टि का स्पष्ट प्रमाण हैं।

हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर 20 फीट ऊंचा हिमखंड पसरा

■ जल्द ही शुरू होगा बर्फ हटाने का काम

देहरादून, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। हेमकुंड साहिब यात्रा की तैयारियों को लेकर हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की टीम सेना के जवानों के साथ घांघरिया के लिए रवाना हुई थी। घाघरिया से हेमकुंड यात्रा मार्ग पर अटलाकोटी में आस्था पथ पर 20 फीट ऊंचा हिमखंड पसरा हुआ है। जल्द ही सेना के जवानों के द्वारा आस्था पथ से बर्फ हटाने का कार्य शुरू होगा। श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खोले जाएंगे। गुरुद्वारा गोविंदघाट के वरिष्ठ प्रबंधक सरदर सेवा सिंह ने बताया कि तीन सेना के जवानों के साथ गुरुद्वारा के सेवादार हेमकुंड साहिब के आस्था पथ के निरीक्षण के लिए गया था। उन्होंने बताया कि सेवादरों की टीम गोविंदघाट लौट आई। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाएं जुटाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि घांघरिया से आगे छह किमी आस्था पथ पर बर्फ जमी हुई है। जल्द सेना के जवान बर्फ हटाने का काम शुरू करेंगे। हेमकुंड साहिब के साथ ही उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की भी शुरुआत होनी है। चारधाम यात्रा के शुरुआती 15 दिनों में 10 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

प्रादेशिकी

उत्तर प्रदेश के बांदा में बेटी की हत्या की दोषी मां को उम्रकैद

बांदा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले की एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को पुत्री की हत्या की दोषी मां को आजीवन कारावास व 10 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील कुमार तिवारी ने बताया कि गिरवां थाना के खुरहंड गांव निवासी राम मूरत नोएडा में प्राइवेट नौकरी करता था। उसकी पत्नी सरोज सिंह अपनी बेटी के साथ गांव में ही रहती थीं। सरोज अपनी बेटी शिम्पी के चरित्र पर शक करती थी। जिसके चलते उसने पुत्री की हत्या कर दी। शव को मकान के पीछे गड्ढे में खोदकर दफना दिया था। शिम्पी के कई दिन से घर से गायब होने की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने विस्तृत जांच की और पूछताछ के बाद सरोज सिंह की निशानदेही पर चार मई 2020 को गड्ढे में दफनाए गए शव को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में निकाला।

जनसमस्याओं का निश्चित समय में निस्तारण करें अधिकारी : योगी

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में दिव्यांगों को स्वयं दी इलेक्ट्रॉनिक सेंसर युक्त स्टिक

लखनऊ, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता गुरुवार को उनके आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में देखने को मिला। जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से 112 नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर आए, जिसमें से विभिन्न जन समस्याओं के 88 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने सभी की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने दो दिव्यांगजनों को अपने हाथ से इलेक्ट्रॉनिक सेंसर युक्त स्टिक दी और कार्यक्रम में आए बच्चों को टॉफी, चाकलेट भी बांटी।

- प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 112 नागरिकों ने दिए 88 प्रार्थना पत्र
- चंदौली से आए दिव्यांगजन को तत्काल केवाईसी करा सुनिश्चित कराई गई पेंशन

जनता दर्शन कार्यक्रम के पीछे मुख्यमंत्री की मंशा शीर्ष अधिकारियों को जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ संतुष्टिपरक एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने का संदेश देना था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग पर जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया।

मुख्यमंत्री की जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता तब देखने को मिली, जब उन्होंने स्वयं अपने हाथ से दो दिव्यांगजनों (राजेश और चंद्रशेखर) को इलेक्ट्रॉनिक सेंसर युक्त स्टिक दी और उन्हें इसका उपयोग करना सिखाया। मुख्यमंत्री ने चंदौली से आए एक दिव्यांग द्वारा पेंशन की बात सुनी और संबंधित अधिकारी को निर्देश देकर तत्काल केवाईसी करवाई।

जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रमुख आधिकारी रहे मौजूद

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव गृह, अध्यक्ष राजस्व परिषद के अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे। जनता दर्शन में आए आवेदनों में शादी अनुदान के लिए अनुरोध, आवास, शौचालय, बिजली कनेक्शन दिलाने के भी सम्मिलित थे। जिसमें से एक प्रकरण, बिजली बिल अधिक आने का था तथा एक अन्य प्रकरण राजधानी लखनऊ में गृहकर से सम्बंधित था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उक्त दोनों प्रकरणों के समाधान कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में विभाग के अधिकारियों को सुनियोजित व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया। जनता दर्शन के पीछे मुख्यमंत्री की मंशा थी कि शीर्ष अधिकारी स्वयं जनता की समस्याओं से मुखातिब हों और यह सुनिश्चित कराएं कि उनके प्रकरणों का संतुष्टिपरक निस्तारण तय समयसीमा के भीतर होना सुनिश्चित हो।

विनायक विद्यापीठ में टेक्नोवेशन आयोजित

मेरठ, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ मोदीपुरम के बीसीए विभाग एवं इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल द्वारा एनुअल टेक्निकल फैस्ट (टेक्नोवेशन-2025) का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे पोस्टर प्रेजेंटेशन, आईटी एक्सटेंपोर, आईटी क्विज, क्रॉसवर्ड पज्जल, सुडोकू, लोगो डिजाइनिंग, वैब पेज डिजाइनिंग एवं रील मेकिंग रहे। सभी कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर पुरस्कार अपने नाम किया। कार्यक्रम में बीसीए विभाग के द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रुति शर्मा ओवरऑल चौंपियन रही। सभी विजेताओं को महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुप्रीता शर्मा ने ट्रॉफी एव सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस दौरान महाविद्यालय के निदेशक इंजी विकास कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हैड प्रवीन शर्मा, प्रॉक्टर सीमा चौधरी, बीसीए विभाग अध्यक्ष विदुषी शर्मा सहायक प्रोफेसर अरुणा चौधरी, रूपल सिंह एव आई टी हैड अजय तिवारी उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.अनुप्रिता शर्मा ने सभी विजेताओं को बधाई एव शुभकामनाएं दी और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं का मानसिक विकास होता है। मंच का कुशल संचालन बीबीए विभागाध्यक्ष अनिशा देशवाल ने किया।

भीषण गर्मी के चलते स्कूलों के समय में हो बदलाव : अवनीश

फर्रुखाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ फर्रुखाबाद की मासिक बैठक में शिक्षकों ने तमाम मांग रखी। शिक्षकों की मांग रणनीति बनाते हुए जिला अध्यक्ष अवनीश चौहान, जिला मंत्री राज किशोर शुक्ल ने नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षक अधिकारी गौतम प्रसाद को ज्ञापन सौपा गया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संध की बैठक के बाद शिक्षकों की मांग को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद को ज्ञापन देकर भीषण गर्मी लू लपट गर्म हवाओं के कहर से बच्चों को बचाने के चलते बच्चों का स्वास्थ्य खराब होने की आंशका के चलते अन्य जनपदों की भांति स्कूलों का समय प्रात: 7:00 बजे से 12:00 तक करने की मांग को जोर दारी से रखा गया। साथ ही लेखा पर्ची में संशोधन हेतु मार्च में आवेदन पत्र प्राप्त हुए संशोधित लेखा प्रति जारी करने, शिक्षकों के चयन वेतन स्वीकृत हुए हैं उनके एरियर भुगतान करने, जन्म प्रमाण पत्र ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा निर्गत किए जाते हैं। किंतु आधार बनने में इस प्रक्रिया को नहीं अपनाया जा रहा है। संबंधित विभाग से पत्राचार कर समस्या का समाधान किया जाए।

विभिन्न मांगों को लेकर बीएसए को सौंपा ज्ञापन

एआरपी चयन का परिणाम घोषित किया जाए। तथा रिक्त पदों पर नवीन विज्ञप्ति जारी की जाए। ब्लॉक अध्यक्ष नवाबगंज राजेश यादव ब्लॉक अध्यक्ष शमशाबाद राकेश यादव ब्लॉक अध्यक्ष बढपुर मुन्नालाल यादव जिला कार्य समिति सदस्य गजेंद्र सिंह सत्यभामा राठौर अनुपम मिश्रा ब्लॉक महामंत्री कमालगंज बलवीर सिंह यादव, ओम सिंह चौहान राजीव कुमार राजपूत सुशील माथुर सत्यवान सिंह,केपी सिंह शैलेंद्र सिंह चौहान समेत कई दर्जन शिक्षक मौजूद रहे।

सार संक्षेप

शोभित विश्वविद्यालय में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत

मेरठ। गुरुवार शोभित विश्वविद्यालय में अमेरिका के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफन्यू मैक्सिको के एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। यह महत्वपूर्ण शैक्षणिक आयोजन दोनों संस्थानों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग, अनुसंधान साझेदारी एवं अकादमिक उत्कृष्टता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक निर्णायक कदम सिद्ध हुआ है। यह आयोजन शोभित विश्वविद्यालय की वैश्विक स्तर पर उभरती पहचान, गुणवत्ता-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण और नवाचार को समर्पित प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक 22 को

मेरठ। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र दीपेन्द्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक 22 अप्रैल को शाम चार बजे विकास भवन सभागार में होनी निश्चित हुई है। उन्होंने समिति के सम्मनित सदस्यों से गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, विभिन्न विभागों में उद्यमियों की समस्याओं पर विचार, चर्चा, अन्य बिंदुओं अध्यक्ष की अनुमति से संबंधित पूर्ण विवरणकृत कार्यवाही के साथ बैठक में भाग लेने हेतु अनुरोध किया है।

एडवाईजरी बोर्ड के रिक्त सदस्य पद हेतु करें आवेदन

मेरठ। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने बताया कि जनपद स्तर पर दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 08बी (4) के अंतर्गत एडवाईजरी बोर्ड के रिक्त एक सदस्य पद हेतु ऐसे व्यक्ति जिसे महिलाओं एवं बच्चों को हिंसा से बचाव के क्षेत्र में कार्य कर रहें है तथा जिनके विरूद्ध संबंधित थाना क्षेत्र में कोई आपराधिक मुकदमा पंजीकृत न हो, वह व्यक्ति अपना प्रस्ताव समस्त कार्य अनुभव प्रमाण-पत्र सहित 19 तक जिला प्रोबेशन अधिकारी के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

प्रवेश को लेकर सीसीएसयू में बैठक आयोजित

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में सत्र 2025-26 के प्रवेश को लेकर प्रवेश समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र में प्रवेश प्रक्रिया की रूपरेखा एवं दिशा-निर्देशों पर गहन चर्चा की गई।

सफाई मजदूर कांग्रेस समिति के चुनाव पांच मई को

मवाना। गुरुवार को अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस शाखा नगर पालिका परिषद मवाना का चुनाव मतपत्र के द्वारा 5 मई को संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए चुनाव समिति गठित कर दी गई है। इस संबंध में गुरुवार को नगर पालिका परिषद यूनियन के कार्यालय में एक बैठक हुई। बताया गया कि जिसमें सर्व सम्मति द्वारा यूनियन के अध्यक्ष एवं महामंत्री का चुनाव पूर्व के भाती मतपत्र वोटिंग के द्वारा कराया जाएगा इस मामले में प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चांवरिया ने बताया कि चुनाव हेतु समिति का गठन कर दिया गया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

मेरठ, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष गौरव भाटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। जिलाध्यक्ष गौरव भाटी ने कहा कि ईडी द्वारा अवैधानिक तरीके से नेशनल हेराल्ड (जो देश की आजादी की लड़ाई के समय से प्रकाशित होता है) की संपत्ति सीज की गई है और साथ ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व एवं गांधी परिवार पर पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर गैर कानूनी तरीके से चार्ज शीट दाखिल कर संवैधानिक परंपराओं को तोड़कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को परेशान किया जा रहा है। ईडी की इस कार्यवाही पर मेरठ जिला कांग्रेस गहरा रोश व्यक्त करती है और साथ ही हम यह भी कहना चाहते हैं कि अगर इस सरकार द्वारा यह गंदी राजनीतिक अगर खत्म नहीं की गई तो हम बड़ा आंदोलन करने को भी तैयार बैठे हैं।

डॉक्टरों पर फर्जी एमएलसी बनाने का आरोप, डीएम से शिकायत

मेरठ, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर एक विवाहिता झूठी व फर्जी एमएलसी रिपोर्ट की शिकायत लेकर पहुंची। जिसने डाक्टरों द्वारा फर्जी एमएलसी रिपोर्ट बनाने के आरोप लगाए। शिकायती पत्र का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। पीड़िता ने बताया कि उसकी सास हाजरा की किठौर स्थित 50 बेडैड शैय्या युक्त चिकित्सालय में डा. वीरेन्द्र से साज करके झूठी व फर्जी मेडिकल रिपोर्ट बनाई गई है। वहीं घटना के तीन दिन बाद एक्स-रे हुआ। जो कई बिंदुओं पर संदिग्ध भी प्रतीत हो रहा है। आरोप है कि एक्स-रे किसी पुरुष का है और एमएलसी रिपोर्ट की असल व कार्बन कॉपी की तिथियों में भी छेड़छाड़ नजर आ रही है। कार्बन कॉपी में सन् 2023 को हेर फेर (ओवर राईटिंग) कर 2024 किया गया है व असल कॉपी में तिथियों को पूरी तरह से बदला हुआ है। पीड़िता ने बताया कि हाजरा प्रार्थनी की सास के साथ-साथ पूर्व के रिश्तेदार (सगी मौसी) भी है और उनके जन्म के बाद से अब तक कभी भी कोई चोट सिर पर नहीं लगी जिससे उनके सिर की हड्डी फ्रेक्चर हुई हो। पीड़िता ने मेडिकल परीक्षण की जांच एमआरआई कराने हेतु एसआईटी व उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित करने की मांग की है। जिलाधिकारी ने जांच कर कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

- एसआईटी गठित कर जांच कराने की मांग
- एक्स-रे में महिला को पुरुष दर्शाया, तिथियों में भी की गई छेड़छाड़
- साज कर झूठी डॉक्टरी करने के लगाए आरोप

इस प्रकार झूठी प्रतीत हो रही एमएलसी रिपोर्ट

पीड़िता की सास हाजरा एक विडियो में अस्पताल के भाहर खड़ी होकर भाईयों द्वारा छेड़छाड़ व मारपीट करने का अरोप लगा रही है। मुकदमें में विवाहिता के दो भाईयों व दो अज्ञात को नामजद भी कराया था, विवेचना अधिकारी द्वारा सीसीटीवी फुटेज व सीडीआर के आधार पर चारों आरोपियों के नाम निकाल दिए गए। अब जब घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के नाम मुकदमें में ही नहीं रहे तो यह एमएलसी रिपोर्ट कैसे टिकेगी। यहीं से डाक्टरों पर शक हुआ और पीड़िता के वकील जिशान सिद्दीकी द्वारा पपत्रों को देखा गया तो कई बिंदु संदिग्ध निकले। इन्हीं बिंदुओं के आधार पर जिलाधिकारी से की शिकायत की गई है।

यह है अब तक का पूरा मामला

पीड़िता नाजमा ने बताया कि उसकी शादी विगत 2016 में थाना किठौर क्षेत्र के असीलपुर गांव में मौहम्मद शोएब पुत्र स्व. औसाफ से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही दहेज उत्पीड़न किया जाने लगा। सन् 2018 में दहेज उत्पीड़न का एक मुकदमा महिला थाने में दर्ज हुआ। जिसके बाद ससुराल पक्षे के लोग विवाहिता को समझौता कर ससुराल ले गए। बता दें कि शादी के बाद शोएब व अन्य तीन भाइयों को अलग-अलग मकान हिस्से बंटवारे के बाद दे दिए गए। अदालत में विचाराधीन मुकदमे में विवाहिता को ससुरालियों द्वारा झांसे मे लेकर सन् 2023 में मुकदमा खत्म करने के बयान धोखे से करा लिए। बयान देने के ठीक एक माह बाद पति ने तीन तलाक दे दिया और घर से फरार हो गया। पीड़िता ने घर में अकेले रहकर कई दिन इंतजार किया। पति के वापस नहीं आने पर 10 जनवरी 2024 को पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफथाना किठौर में तीन तलाक का मुकदमा दर्ज कराया। 21 जनवरी 2024 को पति की गैर मौजूदगी में ससुरालिए जबरन घर में घुसे और पीड़िता को मुकदमा वापस लेने को कहा। मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने थाने पहुंचकर तहरीर दी और मुकदमा दर्ज कराया। इसी के बाद से ससुराल पक्ष के लोगों का खेल शुरू होता है और सास हाजरा की ओर से भी पीड़िता समेत दो भाइयों व दो अज्ञात के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया। मुकदमें में विवेचना के दौरान पीड़िता के दोनों भाईयों समेत अज्ञात के नाम मुकदमें से निकाल दिए गए। ऐसे में एमएलसी रिपोर्ट के मायने ही खत्म हो गए और डाक्टरों पर शक की सूईं घूमने लगी। जिसकी शिकायत गुरूवार को डीएम से की गई।

शिक्षा के क्षेत्र में अतुल्य योगदान के लिए डा. शक्ति साहनी सम्मानित

एडिशनल कमिश्नर अमित कुमार ने किया पुरस्कार प्रदान

मवाना, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गुरुवार को लक्ष्मी देवी आर्य कन्या डिग्री कॉलेज को मेरठ के समाज विकास संस्थान की ओर से महाविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में अतुल्य योगदान के लिए एक्सीलेंस अवार्ड के लिए चुना गया और इस पुरस्कार को लेने के लिए महाविद्यालय की प्राचार्य डा. शक्ति साहनी को एडिशनल कमिश्नर अमित कुमार ने इस पुरस्कार को प्रदान किया।

लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज की वरिष्ठ नेत्र चिकित्सा डॉ. अलका गुप्ता ने डॉ. साहनी को पटका पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर महाविद्यालय की उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया। इस पुरस्कार को ग्रहण करने के बाद डॉक्टर साहनी ने मंच का आभार व्यक्त किया और महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार रस्तोगी ने अपने बधाई संदेश में कहा यह पुरस्कार महाविद्यालय की प्रबंध समिति प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ की मेहनत का प्रतिफल और उन्होंने छात्राओं को बहुत-बहुत बधाई और उनके मंगल में जीवन की कामना की। प्रबंध समिति के सचिव पवन कुमार रस्तोगी ने अपने बधाई संदेश ने कहा कि यह पुरस्कार आने वाले समय के लिए मिल का पत्थर प्रमाणित होगा और छात्राएं इसी लगन से अपने कार्य को करती रहे और परीक्षा में श्रेष्ठ परिणाम दे।

आत्महत्या के लिए उकसाने में पिता-पुत्र फंसे

फर्रुखाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। आत्महत्या के लिए उकसाने में पुलिस नें पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम विलाबलपुर निवासी निर्मल कुमार पुत्र विश्राम सिंह नें मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे बीते दिन दी गई तहरीर बदल दी। दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा है कि बीते 14 अप्रैल को शाम 8:30 बजे उसकी भतीजी नन्ही अंकित पुत्र सोबरन के घर के सामने से गुजर रही थी। उसी दौरान अंकित नें नन्ही के साथ गाली-गलौज किया।

घर पर बनाते पर नन्ही का पिता मनोज शिकायत करनें उनके घर गया तो आरोपी अंकित व उसके पिता सोबरन नें मनोज के साथ गाली-गलौज सभी के सामने कर दिया। जान से मारनें की धमकी दी। मनोज सार्वजनिक रूप से की गई। बेज्जती बर्दास्त नहीं कर सका और उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। मनोज पत्नी गीता को खेत में बेहोश पड़ा मिला।

सड़क चौड़ीकरण में धांधली को लेकर डीएम को सैंपा ज्ञापन

फर्रुखाबाद, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। कादरीगेट तिराहे से मसेनी चौराहे तक बन रही सड़क निर्माण में गुणवत्ता खराब तथा घटिया निर्माण कार्य बिना बिजली पोल शिफ्टिंग कराये तथा सड़क के दोनों तरफ क्षतिग्रस्त नाला होने के बाबजूद भी ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य जारी रखने से परेशान होकर आक्रोशित फर्रुखाबाद विकास मंच ने डीएम को सड़क निर्माण रोकने तथा टीएसी जांच कराने का ज्ञापन देकर रोकने की मांग की है।

गौरतलब है कि सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी के प्रयास से कादरीगेट से मसेनी चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण का निर्माण तेजी से चल रहा है। सूत्रों की माने तो सड़क का चौड़ीकरण बहुत ही घटिया स्तर का हो रहा है। फर्रुखाबाद विकास मंच जिलाध्यक्ष भइयन मिश्र के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने डी एम को ज्ञापन देकर सड़क निर्माण से पहले विद्युत लाइन की शिफ्टिंग एवं दोनों तरफ नाला निर्माण होना था पर ठेकेदार ने यह कार्य न कराकर सीधे सड़क निर्माण कार्य चालू कर दिया है। इसको रोका जाए और पहले नाला निर्माण हो और विद्युत लाइन की शिफ्टिंग हो उसके बाद सड़क का निर्माण कार्य कराया जाए।

डीएम से की सड़क निर्माण रोकने की मांग

आयोजन *कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया गया आयोजन*

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ नई पीढ़ी की कृषि बागवानी : सिंह

मेरठ, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी अगली पीढ़ी की कृषि बागवानी पशुपालन के सतत विकास लक्ष्य के लिए एक एकीकरण विषय पर संपन्न हो गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह एवं मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉक्टर वीपी सिंह नई दिल्ली द्वारा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रोफेसर रामजी सिंह ने संबोधित करते हुए कहा अगली पीढ़ी की कृषि, बागवानी और पशुपालन कृषि केवल कृषि के तीन अलग-अलग क्षेत्र नहीं हैं, बल्कि हमारे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन की रीढ़ हैं। जब इन तीनों क्षेत्रों को एकीकृत तरीके से अपनाया जाता है, तो यह सिर्फ उत्पादकता नहीं बढ़ाता, बल्कि सतत विकास की दिशा में भी बड़ा कदम होता है। पदम श्री डॉ. वी पी सिंह नाम संबोधित करते हुए कहा पदम श्री डॉक्टर विजयपाल सिंह ने बासमती के विकास यात्रा एवं देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बासमती के योगदान को विस्तार से बताया डॉक्टर सिंह ने कहा कि देश में बासमती का प्रचार प्रसार भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली एवं बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान मेरठ के द्वारा बहुत तेजी से बड़ा है और पिछले कुछ वर्षों में बासमती का निर्यात लगातार बढ़ रहा है डॉक्टर सिंह ने राष्ट्रीय कार्यशाला के कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि यह कार्यशाला देश में कृषि के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान देगी सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चर वेटरनरी एंड इकोलॉजिकल साइंस जम्मू के प्रेसिडेंट डॉक्टर जेपी शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि हमें सतत किसी पद्धतियों को अपनाना चाहिए जिससे किसानों को लाभ होगा साथ ही कुछ चुनौतियां आएंगी इन चुनौतियों जैसे श्रम की मांग अधिक समय की खपत सीमित उत्पादन तथा अधिक पूंजी की जरूरत आदि के उन्मूलन के लिए भी नए दृष्टिकोण तथा उपाय को भी खोजना होगा उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उपरांत जो वैज्ञानिक सतुतियां ते की गई हैं उनसे कृषि विकास खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की नीतियों को निर्धारित करने में आसानी होगी।

- न्यू जनरेशन एग्रीकल्चर विषय पर हुई चर्चा
- देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बासमती के योगदान को विस्तार से बताया

विद्यार्थियों को टैबलेट व स्मार्ट फोन वितरित

मेरठ, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। गुरुवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग, योग विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गणित विभाग और अनुवांशिकी एवं पादप प्रज्जन्न विभाग के 120 विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकारण योजना स्नातक स्तर एवं परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों को टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संगीता शुक्ला, कुलपति, चौधरी चरण सिंह विवि, मेरठ ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लक्ष्मीकांत वाजपेयी, सदस्य, राज्य सभा शामिल रहे।

देशबन्धु नई दिल्ली, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

सबरीमाला पहुंचे अभिनेता कार्ति, भगवान अयप्पा के किए दर्शन

चेन्नई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता कार्ति की अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता गुरुवार को सबरीमाला पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान अयप्पा के दर्शन किए। मंदिर जाने से पहले उन्होंने इरुमुदी कट्टू अनुष्ठान को पूरा किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। मंदिर पहुंचे कार्ति के साथ मशहूर तमिल अभिनेता मोहन रवि भी नजर आए। निर्देशक पीएस मिथ्रन की बहुप्रतीक्षित जासूसी थ्रिलर 'सरदार 2' की शूटिंग पूरी होने वाली है, जिसमें कार्थी मुख्य भूमिका में हैं। गौरतलब है कि हाल ही में फिल्म की शूटिंग 100वें दिन में प्रवेश कर गई है।

गर्मियों में अमृत के समान है खसखस!

ठंडक, ताकत और ताजगी देने से लेकर पोषक तत्वों का है खजाना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जेठ मास की तपती दोपहर में, जब सूरज आसमान से आग बरसाता है, और पंखे की हवा भी गर्म लपटों-सी लगती है, तब एक पुराना नुस्खा याद आता है खसखस का शरबत। दादी नानी की रसोई में रखी छोटी-सी डिब्बी, जिसमें सफेद-मटमैले रंग के ये छोटे-छोटे दाने भरे होते थे, मानो कोई जादुई औषधि हो। दादी- नानियां कहती थीं, 'ये खसखस गर्मी को चुटकियों में भगा देता है।'

आयुर्वेद, चरक संहिता, वैज्ञानिक शोध, और दादी-नानियों की कहानियां एक ऐसी तस्वीर बनाती हैं, जो न सिर्फ सेहत से भरी है, बल्कि हमारी संस्कृति का एक अनमोल हिस्सा भी है। खसखस, जिसका वैज्ञानिक नाम पैपावर सोम्नीफेरम है, हजारों सालों से मानव सभ्यता का हिस्सा रहा है। आयुर्वेद में इसे 'पोस्तदाना' या 'खसतिल' कहा जाता है, और चरक संहिता में इसे पित्त दोष को शांत करने वाली जड़ी-बूटी बताया गया है।

चरक संहिता में खसखस को 'उशीरा' के साथ जोड़ा गया है, जिसकी ठंडी तासीर शरीर की गर्मी को कम करती है। यह गर्मियों में पेट की जलन, पैरों में जलन, और त्वचा की समस्याओं को दूर करने में कारगर मानी जाती है। आयुर्वेद के डॉक्टर अमित बताते हैं कि खसखस का शरबत न सिर्फ शरीर को ठंडा रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है। वह कहते हैं, 'गर्मी में जब पित्त बढ़ जाता है, तो खसखस का दूध या शरबत पीने से तुरंत राहत मिलती है।' वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें, तो खसखस के बीज पोषक तत्वों का खजाना हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, और आयरन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। शोध बताते हैं कि खसखस में मौजूद जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जो गर्मियों में होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। एक अध्ययन बताता है कि खसखस में मौजूद मैग्नीशियम साउंड स्लिप यानी अच्छी नींद का सबब बनता है। यही कारण है कि दादी-नानियां रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में खसखस डालकर पिलाती थीं, ताकि गहरी और सुकून भरी नींद आए। इसके अलावा, खसखस में मौजूद ओमेगा-6 फैटी एसिड हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, और इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम करते हैं।

गर्मी से बचाव में खसखस के चमत्कारिक गुणों की बात करें, तो इसकी ठंडी तासीर इसे गर्मियों का सुपरफूड बनाती है। खसखस का शरबत या दूध पीने से शरीर का तापमान नियंत्रित होता है, और डिहाइड्रेशन की समस्या दूर होती है। खसखस का पानी पेट के पीएच को संतुलित करता है, जिससे गर्मियों में होने वाली एसिडिटी और पेट की जलन में राहत मिलती है।

आयुर्वेद में खसखस का तेल दर्द निवारक के रूप में प्रयोग होता है, और यह जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में प्रभावी है। हाल के शोध भी खसखस के इन पारंपरिक उपयोगों की पुष्टि करते हैं। डॉक्टर अमित के अनुसार, खसखस पाचन तंत्र को मजबूत करता है और कब्ज जैसी राहत देता है। इसके अलावा, यह त्वचा के लिए भी लाभकारी है। खसखस को दूध के साथ पीसकर चेहरे पर लगाने से त्वचा की जलन और मुहासे कम होते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि खसखस में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की सूजन को कम करने में मदद करते हैं, जो गर्मियों में सूरज की किरणों से होने वाली त्वचा की समस्याओं के लिए उपयोगी है।

ज्यादातर जानकारी आयुर्वेद और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित है, लेकिन वैज्ञानिक शोध भी इसके गुणों को समर्थन देते हैं। कई शोध खसखस को गर्मियों में हाइड्रेशन और इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन विकल्प बताते हैं। खसखस का न सिर्फ आयुर्वेद में, बल्कि पश्चिमी चिकित्सा पद्धतियों में भी किया जाता है। इसका सेवन हृदय के स्वास्थ्य के लिए उतना ही फायदेमंद है जितना कि पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए। इसके सेवन से शरीर में ठंडक बनी रहती है और यह अत्यधिक गर्मी और थकावट को दूर करने में मदद करता है। रिसर्च से यह भी सामने आया है कि यह प्राकृतिक रूप से रक्त को शुद्ध करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही, यह मानसिक तनाव को भी कम करता है। इन सभी गुणों के कारण, खसखस का सेवन न केवल शरीर को ठंडा करता है, बल्कि इसे शक्तिशाली भी बनाता है।

इंटरनेट पर लोकप्रिय है 'सही पकड़े हैं', शुभांगी अत्रे ने कहा, यह मेरे लिए बहुत खास

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकप्रिय कॉमेडी टीवी शो 'भाभीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। इस दौरान उन्होंने शो में अपने किरदार के डायलॉग 'सही पकड़े हैं' के बारे में बात की। अत्रे ने बताया कि यह उनके लिए बेहद खास है। अत्रे ने 'सही पकड़े हैं' की लोकप्रियता और प्रशंसकों के दिलों में इसके विशेष स्थान पर खुशी जाहिर की। शुभांगी ने बताया, 'यह मेरे लिए बहुत खास है और मुझे प्यारा लगता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अंगूरी के बात करने का तरीका लोगों के दिलों में इतनी बड़ी जगह बना लेगा। जब मैं उन रील्स को देखती हूं, तो अपने किरदार को देखकर मुझे हंसी आ जाती है।' अत्रे ने शो के लेखक की तारीफ करते हुए आगे कहा, 'हमारे लेखक बहुत प्रतिभाशाली हैं और वे बहुत प्यारी लाइन्स लिखते हैं। लेकिन इसमें मैं अक्सर अपनी भावनाओं का अतिरिक्त स्पर्श जोड़ देती हूं। मेरा ध्यान इस पर रहता है कि यह सभी को बेहतरीन लगे।'

शुभांगी ने सेट से कुछ हल्के-फुल्के पल भी साझा किए और बताया कि जब सीन हंसी वाले हों तो गंभीर या सिंपल दिखना मुश्किल हो जाता है।

उन्होंने बताया, 'कभी-कभी सीन इतना मजेदार हो जाता है कि हम हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते हैं। एक बार तो मैं एक साधारण लाइन भी नहीं बोल पाई थी, क्योंकि हर कोई हंस रहा था। इसके लिए मुझे एक ही सीन के लिए कई बार कोशिश करनी पड़ी।' जब उनसे पूछा गया कि वह सेट पर हंसी और शोर के बीच अपने किरदार में कैसे रमी रहती हैं, तो शुभांगी ने बताया, 'यह मुश्किल है। लेकिन मैं गहरी सांस लेती हूं और खुद को याद दिलाती हूं कि 'अंगूरी सीरियस है, दर्शकों को हंसाना है, खुद नहीं हंसना है।'

'यह मेरे लिए बहुत खास है और मुझे प्यारा लगता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अंगूरी के बात करने का तरीका लोगों के दिलों में इतनी बड़ी जगह बना लेगा। जब मैं उन रील्स को देखती हूं, तो अपने किरदार को देखकर मुझे हंसी आ जाती है: शुभांगी अत्रे, अभिनेत्री

'माएरी' में 'गुस्सैल' लड़की की भूमिका में नजर आएंगी अपूर्वा अरोड़ा

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा शॉर्ट फिल्म 'माएरी' में एक गुस्सैल लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्तों के संदर्भ को दिखाती है। अपूर्वा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि 'माएरी' में खास क्या है? फिल्म में अपूर्वा के साथ सोनाली सचदेव भी हैं, जो अपूर्वा की मां की भूमिका निभा रही हैं। दोनों ने 'फैमिली आज कल' में के साथ ही पहले भी कई बार स्क्रीन शेयर की हैं। यह उनका तीसरा सहयोग होगा।

अपूर्वा ने अपनी सह-कलाकार की प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि सचदेव उन्हें वास्तविक जीवन में 'मां जैसी' लगती हैं। प्रोजेक्ट के बारे में अपूर्वा ने बताया, 'माएरी' एक सम्मोहक कहानी है। फिल्म में मेरा किरदार एक गुस्सैल, शरारती लड़की का है, लेकिन जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, आपको समझ में आता है कि वह गुस्सा कहां से आता है। यह पीढ़ियों से चली आ रही भावनात्मक बोझ की झलक है।' उन्होंने आगे बताया, 'फिल्म की कहानी में दिखेगा कि कैसे हम, बेटियों के रूप में अपनी माताओं द्वारा की गई गलतियों को दोहराने की कोशिश नहीं करते हैं और वे भी चाहती हैं कि हम बेहतर करें। लेकिन अपने तरीके से। यही विरोधाभास कहानी को वास्तविक और मार्मिक बनाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि सोनाली के साथ काम करना उनके लिए एक आशीर्वाद की तरह है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा साथ में तीसरा प्रोजेक्ट है, और हर बार जब हम एक मां-बेटी की जोड़ी का किरदार निभाते हैं, तो अलग ही अनुभव होता है। यह कभी भी एक जैसा नहीं होता है और यही बात इसे रचनात्मक रूप से और भी खास बनाती है। अपूर्वा और सोनाली के बीच का रिश्ता हमारे द्वारा निभाए गए किरदारों से बहुत अलग और खास है।' उन्होंने कहा, 'मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करने, सीन्स पर चर्चा करने और उनके नजरिए से सीखने के लिए वास्तव में आभारी हूं।

छत्रपति शिवाजी पर फिल्म लेकर आ रहे रितेश देशमुख

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि वह योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसका शीर्षक 'राजा शिवाजी' है, जिसका लोगो डिजाइन के लिए उन्हें प्रतिभाशाली कलाकारों की जरूरत है। सोशल मीडिया पर स्टार ने खुलासा किया कि उनका प्रोडक्शन हाउस, मुंबई फिल्म कंपनी, जियो स्टूडियो के साथ मिलकर वर्तमान में भारत के सबसे महान योद्धाओं में से एक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक फिल्म पर काम कर रहा है। उन्होंने फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' बताया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए देशमुखे ने कलाकारों और डिजाइनर्स से अपना कौशल दिखाने की बात कही। वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'मुंबई फिल्म कंपनी और ऑफिशियल जियो स्टूडियो वर्तमान में भारत के सबसे महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसका टाइटल 'राजा शिवाजी' देवनागरी और रोमन, अंग्रेजी है। यदि आप चुनौती के लिए तैयार हैं, तो कृपया अपने डिजाइन हमारे साथ शेयर करें।' वर्कफ्रंट की बात करें तो रितेश देशमुख अजय देवगन स्टारर अपकमिंग फिल्म 'रेड-2' में खलनायक 'दादा भाई' के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया।

लोगो डिजाइनर्स की तलाश में जुटे अभिनेता

महिलाओं का दोस्त है 'सौ जड़ों वाला पौधा' शतावरी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कोमल और चमकती छोटी-छोटी नुकीली शतावरी की झाड़ीदार लताएं घर और बगीचे की खूबसूरती में अक्सर चार चांद लगाती दिख जाती हैं। 'सौ जड़ों वाला पौधा' शतावरी का आयुर्वेद में खासा स्थान है। आयुर्वेदाचार्य इसे महिलाओं की शारीरिक समस्याओं को दूर करने वाला बताते हैं। आयुर्वेदाचार्य बताते हैं कि औषधीय गुणों से भरपूर शतावरी के नियमित सेवन से एनीमिया, पाचन, त्वचा संबंधित समस्याओं के साथ ही अनिद्रा, थकान, माइग्रेन, संक्रमण, मधुमेह, बवासीर जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं और राहत मिलती है।

शतावरी की जड़ से बने काढ़े के सेवन से लाभ मिलता है। महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं में भी इसके सेवन से लाभ मिलता है।

शतावरी के औषधीय गुणों पर रोशनी डालते हुए पंजाब स्थित 'बाबे के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल' के डॉ. प्रमोद आनंद तिवारी ने इसे सेहत के लिए कई तरीकों से फायदेमंद बताया। इसमें ऐसे कई पोषक तत्व होते हैं, जिनके सेवन से काया और मन भी फिट और निरोगी रहता है। आयुर्वेदाचार्य ने बताया, 'औषधीय गुणों से भरपूर शतावरी महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है। शतावरी के पौधे के सभी हिस्से जैसे तना, जड़ और पत्तियों का इस्तेमाल औषधि के रूप में किया जाता है, जो अनिद्रा, सर्दी-खांसी, जुकाम, पुराना घाव, मूत्र रोग, पथरी, सिरदर्द, नेत्र रोग, बुखार और बवासीर जैसी तमाम बीमारियों से छुटकारा दिलाता है।' उन्होंने बताया, 'शतावरी का आयुर्वेद में वर्णन मिलता है। शतावरी में फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन के, विटामिन ई और विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम, मैंगनीज और सेलेनियम, जिंक, एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। शतावरी का सेवन सर्दी-जुकाम, बवासीर, बुखार के इलाज में वरदान है।'

शतावरी की जड़ से बने काढ़े के सेवन से लाभ मिलता है। महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं में भी इसके सेवन से लाभ मिलता है। पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द, पेट के तनाव और ऐंठन में भी इससे राहत मिलती है। शतावरी पाचन तंत्र को मजबूत करता है, जिससे कब्ज, वात, जलन जैसी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।'

उन्होंने आगे बताया, 'सौ जड़ों वाला पौधा' प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाता है और शरीर की संक्रमण से रक्षा करता है। शतावरी के बने काढ़े के इस्तेमाल से तनाव दूर होता है और अनिद्रा की समस्या भी खत्म होती है। आयुर्वेद में शतावरी एनीमिया को भी ठीक करने में लाभकारी होता है।'

वजन कम करना है तो आजमाएं आयुर्वेदिक नुस्खे

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बदलती लाइफस्टाइल के दौरान अधिकांश लोग वजन बढ़ने से परेशान हैं। वजन कम करने के लिए लोग घंटों जिम में जाकर वर्कआउट करते हैं। कई बार ऐसा देखा गया है कि लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं, लेकिन इसके बाद भी उनका वजन कम नहीं होता। वजन कम करने की होड़ में कई बार लोग दवाइयों का सहारा लेने लगते हैं। दरअसल, वजन पर नियंत्रण पाने के लिए लाइफस्टाइल पर ध्यान देना सबसे ज्यादा जरूरी है। वजन कम करने के लिए आपको विशेष रूप से अपने खानपान पर ध्यान रखना होगा। अपनी कैलोरी जरूरतों के बारे में जानना होगा जिससे आप डाइट प्लान पर काम कर सकें। वजन कम करने के लिए कार्डियो के अलावा वेट ट्रेनिंग और संतुलित आहार लेते हुए कैलोरी डेफिसिट पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। इन सब चीजों में वक्त लग सकता है लेकिन यह वजन को कम करने का सही तरीका है। इन सब चीजों के अलावा कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे हैं, जिसे अपनाकर आप अपने वजन को कम कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। आइए जानते हैं कि वजन कम करने के लिए कौन से आयुर्वेदिक नुस्खे अपनाना चाहिए। अक्सर लोग सुबह उठकर चाय पीते हैं, अगर आप चाय को ग्रीन टी से रिप्लेस कर दें तो आपको वजन घटाने में काफी राहत मिल सकती है। एक रिसर्च के मुताबिक, ग्रीन टी एक एंटीऑक्सीडेंट का काम करती है और आपके शरीर में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है। इसके साथ-साथ ग्रीन टी फैट को बर्न करने का भी काम करती है। वजन कम करने के लिए हर रोज आपको अपनी डाइट में एक से दो कप ग्रीन टी शामिल करनी चाहिए।

वजन पर नियंत्रण पाने के लिए आपको भूख पर नियंत्रण रखना भी जरूरी है। इसके लिए आप हर रोज अलसी के बीज ले सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और ओमेगा 3 पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से लंबे समय तक आपका पेट भरा हुआ महसूस होता है और कम भूख लगती है।

उन्नयन एवं विस्तार के बाद पटना संग्रहालय होगा आकर्षण का केंद्र

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार भवन निर्माण विभाग की ओर से पटना संग्रहालय के उन्नयन, विस्तार एवं प्रदर्श अधिष्ठापन का कार्य किया जा रहा है। 158 करोड़ रूपए की लागत से पटना संग्रहालय का विस्तारीकरण एवं नव-निर्मित गैलरी में प्रदर्श अधिष्ठापन का कार्य पूरा किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत दो नये प्रदर्श दीर्घाओं का निर्माण किया गया है, जिसे गंगा दिर्घा एवं पाटली दिर्घा नाम दिया गया है। गंगा दिर्घा एवं पाटली दिर्घा में प्रदर्श लगाने का कार्य लगभग पूरा हो गया है। संग्रहालय के हेरिटेज भवन का संरक्षण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त 2डी प्रेक्षागृह, अस्थायी प्रदर्शनी हॉल, संग्रहालय कार्यालय, संरक्षण प्रयोगशाला, कलाकृतियों को रखने के लिये आधुनिक तकनीक से युक्त भण्डार गृह का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही पुराने संग्रहालय भवनों के प्रदर्श दीर्घाओं के जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है। परिसर विकास का कार्य भी प्रगति पर है।

भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि विभाग द्वारा पटना संग्रहालय के ऐतिहासिक भवनों तथा दीर्घाओं के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के साथ-साथ परिसर का विस्तार किया जा रहा है। पटना संग्रालय को नया आकार दिया जा रहा है जिससे यह और आकर्षक तथा अनोखा दिख सके।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय का कार्य तेजी और ससमय हो इसके लिए लगातार कार्यों की समीक्षा की जा रही है। मूर्ति वाटिका में मूर्ति स्थापित करने एवं सूचना प्रदर्शित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। पटना संग्रहालय का उन्नयन एवं विस्तारीकरण कार्य पूर्ण होने के उपरांत यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। लोगों को अनोखे अंदाज में यह संग्रहालय बिहार के प्राचीन इतिहास के बारे में बताएगा।

श्री रवि ने बताया कि नवनिर्मित गंगा दीर्घा में खूबसूरत कलाकृतियों एवं कलात्मक चित्रण के माध्यम से बिहार में गंगा की यात्रा को सात सांस्कृतिक क्षेत्रों से जाते हुए दर्शाया गया है। पाटली दीर्घा में पाटलिपुत्र के पूर्ण वैभव के बारे में मेगास्थनीज और फाह्यान जैसे यात्रियों के उद्धरणों को खुबसूरत कलाकृतियों एवं चित्रण के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

पूजा 'टू होप फाउंडेशन' के माध्यम से बेसहारा लोगों की अंतिम विदाई में बन रही सहारा

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सामाजिक संगठन टू होप फाउंडेशन की मदद से ब्राइट द सोल फाउंडेशन की संस्थापक एवं दिल्ली की पूजा शर्मा बेसहारा लोगों की अंतिम विदाई में सहारा बन रही है और वह अब तक चार हजार से अधिक बेसहारा लोगों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार करा चुकी है तथा उनका यह मिशन अब नए शहरों एवं अधिक लोगों तक पहुंचने लगा है। टू होप फाउंडेशन के अनुसार पूजा ने दिल्ली में अपने को अनाथ और अज्ञात दिवंगतों के अंतिम संस्कार के कार्य में समर्पित कर दिया है कि ऐसे लोगों को भी वह सम्मान और विदाई मिले, जिसके वे हकदार हैं। पूजा न सिर्फ पार्थिव शरीर को श्मशान तक पहुंचाती हैं बल्कि विधिपूर्वक अंतिम संस्कार भी करती हैं। इसके बाद अमावस्या को जो आध्यात्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह हरिद्वार में गंगा में अस्थि-विसर्जन करके दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी करती हैं।

वह अब तक चार हजार से अधिक बेसहारा लोगों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार करा चुकी है तथा उनका यह मिशन अब नए शहरों एवं अधिक लोगों तक पहुंचने लगा है

शुरु में पूजा यह काम व्यक्तिगत और स्व-प्रेरित होकर करती थी लेकिन अब टू होप फाउंडेशन की मदद मिलने के बाद उसका काम और भी व्यापक हो गया है। टू होप फाउंडेशन ने दानदाताओं के लिए एक पारदर्शी और भरोसेमंद मंच प्रदान किया है। टू होप फाउंडेशन पूजा शर्मा जैसी परिवर्तनकारी व्यक्तित्व के साथ खड़े होने पर गर्व करता है और पूजा का समर्पण और उसकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि करुणा, दृढ़ता और सही समर्थन से क्या नहीं हासिल किया जा सकता। टू होप फाउंडेशन के संस्थापक कुलदीप खत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में जोधपुर से टू होप फाउंडेशन की स्थापना के बाद से उन्हें लगातार क्राउडफंडिंग के माध्यम से एकजुट होने वाले लोगों की शक्ति ने काफी प्रभावित किया है। राजस्थान सहित भारत के कई हिस्सों में अनगिनत जिंदगियों को बदलते देखा है, चाहे वह बेसहारा जानवरों को दूसरा जीवन देना हो, बुजुर्गों को फिर से सम्मानपूर्ण जीवन दिलाना हो, या फिर कठिन समय में परिवारों को भोजन और आश्रय उपलब्ध कराना हो। उन्होंने कहा 'अब हमारा ध्यान स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सकीय जरूरतों के लिए सहयोग प्रदान करने पर है, खासकर उन लोगों के लिए जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। कोई भी सिर्फ संसाधनों की कमी के कारण पीछे नहीं छूटना चाहिए।'

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

इटर्नल	4.37 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	3.68 प्रतिशत
भारती एयरटेल	3.63 प्रतिशत
सन फार्मा	3.50 प्रतिशत
एसबीआई	3.28 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

थ्री एम इंडिया	1.10 प्रतिशत
एस्ट्रल लिमिटेड	0.46 प्रतिशत
अलकेम लैब	0.41 प्रतिशत
एबॉट इंडिया	0.34 प्रतिशत
एसीसी	0.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	94,888
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	85.68	90.42
पौंड स्टर्लिंग	101.90	118.21
यूरो	85.13	98.74
चीन युआन	8.31	13.47

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5750-5850
दाल चना	6750-6850
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	8500-8600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

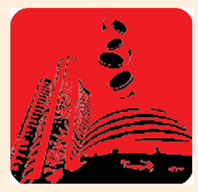

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सौ देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा भारत : राजनाथ

■ साल 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपए रक्षा निर्यात करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में बनाए गए रक्षा उपकरण करीब 100 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उपकरणों के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए गुरुवार को यह बात कही। राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा पांच सूचियां जारी की गई हैं, जिनमें कुल 509 रक्षा उपकरण, हथियार प्रणाली और रक्षा प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इनका उत्पादन अब देश में ही किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि साल 2013-14 में देश का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपए का था। वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 23,622 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। करीब सौ देशों को भारत में बने रक्षा उत्पाद निर्यात किए जा रहे हैं। इस साल रक्षा निर्यात बढ़ाकर 30,000 करोड़ रुपए और साल 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए करने का लक्ष्य है।

उन्होंने बताया कि डिफेंस पीएसयू ने भी पांच सूचियां जारी की हैं। इनमें कुल 5,012 उत्पाद शामिल हैं। इनका भी उत्पादन अब अनिवार्य रूप से भारत में ही किया जाएगा।

हम नियोजित तरीके से आत्मनिर्भर व मजबूत डिफेंस सेक्टर बनाने की तरफ आगे बढ़ रहे हैं : राजनाथ सिंह

हम बेहद मजबूती के साथ, नियोजित तरीके से आत्मनिर्भर और मजबूत डिफेंस सेक्टर बनाने की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। मेक इन इंडिया की ओर आगे बढ़ते समय घरेलू कंपनियों के हितों का भी ध्यान रखा गया। इसी कारण सरकार ने डिफेंस कैपिटल प्रोक्योरमेंट करने के लिए रक्षा बजट का 75 प्रतिशत, घरेलू कंपनियों से खरीद के लिए आरक्षित किया हुआ है। यह देश की घरेलू कंपनियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने बताया कि इन प्रयासों का ही परिणाम है कि 2014 के आसपास जहां हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन लगभग 40,000 करोड़ रुपए था, वहीं आज यह लगभग एक लाख 27 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर चुका है। इस साल हमारा लक्ष्य है कि रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपए और 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपए को पार कर जाए।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जब 2014 में एनडीए सत्ता में आया था तो सबसे बड़ी चुनौती रक्षा क्षेत्र को लेकर एक अजीब सोच की थी, जो इस क्षेत्र के बारे में दीर्घावधि योजना और विजन के अभाव से पैदा हुई थी। उस समय फोर्स फॉर द फ्यूचर की बात सोचने का भी साहस लोग नहीं करते थे क्योंकि फोर्स फॉर द प्रेजेंट के लिए भी कोई तैयारी दिखाई नहीं देती थी।

आईएमईसी के जरिए विश्व से संपर्क स्थापित करने का विश्वसनीय सेतु बनेगा भारत : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के माध्यम से देश वैश्विक संपर्क का एक विश्वसनीय सेतु बनने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने एक समारोह के दौरान कहा कि आईएमईसी भारत और मध्य पूर्व और पूर्वी यूरोप के नेतृत्व और साझेदारी का एक सशक्त समर्थक है। यह एक बहुत ही प्रगतिशील और दूरदर्शी अवधारणा है, जिसने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आईएमईसी केवल एक व्यापार मार्ग नहीं है, बल्कि एक मॉडर्न-डे सिल्क रूट है, जो साझेदारी में बराबरी, संपर्क और तालमेल बढ़ाने के साथ ही समृद्धि को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि इससे लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी, परिवहन समय में 40 प्रतिशत की कमी आएगी और महाद्वीपों के बीच बिना किसी बाधा के व्यापारिक संबंध बनेंगे।

उन्होंने कहा कि हम न केवल व्यापारिक संबंध जोड़ेंगे; बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया से खाड़ी तक, मध्य पूर्व से मध्य यूरोप की सभ्यताओं और संस्कृतियों को भी जोड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि आईएमईसी मध्य पूर्व के माध्यम से अफ्रीका तक कनेक्टिविटी भी बढ़ा सकता है। इस गलियारे में रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा पाइपलाइन और समुद्र के नीचे केबल सहित क्लीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होगा।

भारत की जीडीपी 2025 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी : यूएन

भारत की विकास दर में तेजी ऐसे समय पर बनी हुई है, जब दुनिया मंदी के रास्ते पर जा रही है : यूएनसीटीएडी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत 2025 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इस दौरान देश की जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है। यह जानकारी यूएनसीटीएडी की रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की विकास दर में तेजी ऐसे समय पर बनी हुई है, जब इंटरनेशनल ट्रेडिंग सिस्टम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार इतनी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है और दुनिया मंदी के रास्ते पर जा रही है।

यूएन की रिपोर्ट में भारत को उन देशों में शामिल किया गया है जो उच्च सरकारी व्यय और मौद्रिक नीति प्रोत्साहन के साथ विकास को गति दे रहे हैं। रिपोर्ट में जारी अनुमान के मुताबिक, चीन की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रह सकती है, जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के एक प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ की वृद्धि दर भी 1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, हालांकि, फ्रांस, जर्मनी और इटली की जीडीपी वृद्धि दर 1 प्रतिशत से कम रहने की उम्मीद है। इसी तरह, जापान की जीडीपी वृद्धि दर घटकर मात्र 0.5 प्रतिशत रह सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि 2024 के अंत और 2025 की शुरुआत में वैश्विक व्यापार में तेजी आंशिक रूप से फ्रंट-लोडेड ऑर्डर के कारण आई। उम्मीद है कि 2025 के बाकी समय में यह गति कम हो जाएगी। इसकी वजह नए टैरिफ लागू होना। व्यापार नीति अनिश्चितता पहले से ही व्यवसायों और लंबी-अवधि के निर्णयों को प्रभावित कर रही है।

केंद्र ने कोयला आयातकों के लिए रजिस्ट्रेशन फीस को किया रिवाइज

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रमोट करने और आयात निगरानी प्लेटफार्मों में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि कोल इंपोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम (सीआईएमएस) पोर्टल की फीस को रिवाइज कर इसे तर्कसंगत बनाया गया है। रजिस्ट्रेशन फीस को 500 रुपए प्रति खेप की समान दर पर रिवाइज कर दिया गया है, जो 15 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा।

कोयला मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह नया फीस स्ट्रक्चर पुरानी व्यवस्था को बदल देता है, जिसमें प्रति खेप 500 रुपए से 1,00,000 रुपए तक शुल्क लगता था। सीआईएमएस अब दूसरे

आयात निगरानी प्रणालियों जैसे स्टील आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस), गैर-लौह आयात निगरानी प्रणाली (एनएफआईएमएस) और पेपर आयात निगरानी प्रणाली (पीआईएमएस) के अनुरूप हो गया है, जो सभी एक समान शुल्क मॉडल पर काम करते हैं। यह पहल कोल इंपोर्ट सब्स्टिट्यूशन में रियल टाइम निगरानी और सूचित निर्णय लेने को सक्षम कर आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करती है।

भारत के परिधान निर्यात में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) के अनुसार, 31 मार्च, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत के वस्त्र और परिधान निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि के लिए परिधान क्षेत्र अहम रहा। एक विश्लेषण से पता चलता है कि वस्त्र और परिधान के निर्यात में यह वृद्धि मुख्य रूप से परिधान निर्यात के कारण हुई है, जिसमें चालू वित्त वर्ष के दौरान 10.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सीआईटीआई के अध्यक्ष राकेश मेहरा ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच परिधान निर्यात में मजबूत प्रदर्शन और वस्त्रों में स्थिर वृद्धि भारतीय वस्त्र और परिधान उद्योग की मजबूती, अनुकूलनशीलता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को उजागर करती है।उन्होंने इसका

श्रेय नए व्यापार गठबंधन बनाने की बढ़ती गति और सरकार द्वारा सहायक नीतिगत निर्णयों को दिया, जिससे निर्यातकों के बीच विश्वास पैदा करने में मदद मिली। मेहरा ने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग इस वृद्धि को बनाए रखने को लेकर खासकर विकसित हो रहे वैश्विक व्यापार गतिशीलता को देखते हुए आशावादी बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार तनाव भारत के लिए खासकर कपड़ा और परिधान व्यापार में एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करते हैं। अमेरिका द्वारा चीन से परे भारत एक विश्वसनीय और पसंदीदा भागीदार

■ चालू वित्त वर्ष के दौरान 10.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

के रूप में उभरने की अच्छी स्थिति में है। हालांकि, इसके लिए सक्रिय कूटनीति और अधिक अनुकूल और स्थिर टैरिफ व्यवस्था को सुरक्षित करने के लिए एक ठोस प्रयास की जरूरत होगी। इस वर्ष मार्च के दौरान, भारतीय कपड़ा निर्यात मार्च 2024 की तुलना में लगभग 5.81 प्रतिशत कम था, जबकि इसी अवधि के दौरान परिधान निर्यात में 3.97 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मार्च 2025 के दौरान वस्त्र और परिधान के संचयी निर्यात में मार्च 2024 की तुलना में 1.63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान, भारतीय वस्त्र निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 3.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सार संक्षेप

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन इंडस्ट्री में बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन इंडस्ट्री में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण वित्त वर्ष 2025-26 (चालू वित्त वर्ष) में वॉल्यूम ग्रोथ 25 प्रतिशत के करीब रह सकती है। यह जानकारी गुरुवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में 10 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई थी, जो कि देश में दर्ज की गई कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री का 6 प्रतिशत था। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, मॉडलों की बढ़ती उपलब्धता और पुरानी कंपनियों के वितरण नेटवर्क की व्यापक पहुंच के कारण, पेट्रोल वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन की अनुकूल लागत वॉल्यूम ग्रोथ को सपोर्ट करेगी। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक आनंद कुलकर्णी ने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाजार हिस्सेदारी पर ध्यान केंद्रित करने से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कंपनियों की ब्रेक-ईवन अवधि बढ़ती दिख रही है। मौजूदा उद्योग विकास दर पर कुछ कंपनियों को ईबीआईटीडीए ब्रेक-ईवन तक पहुंचने में 2-3 साल लग सकते हैं।

टैरिफ युद्ध से भारत के पास ग्लोबल हब बनने का अवसर

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ युद्ध को देखते हुए इंडस्ट्री लीडर्स का मानना है कि यह भारत के लिए वैश्विक आर्थिक विकास और इनोवेशन का केंद्र बनने का सुनहरा अवसर है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के 120वें वर्षगांठ समारोह के अवसर पर आईएएनएस से बातचीत में मैनकाइंड फार्मा के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजीव जुनेजा ने कहा कि यह एक बहुत ही अलग तरह की परिस्थिति है और भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। देश का भविष्य काफी उज्वल है। जुनेजा ने आगे कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे क्षेत्रों में ग्लोबल लीडर बनना फिलहाल दूर का सपना लगता है, लेकिन देश सही रास्ते पर है। मैनकाइंड फार्मा के वाइस चेयरमैन के मुताबिक देश को छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिए। काफी सारे स्टार्टअप्स अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

इंफोसिस की चौथी तिमाही के मुनाफे में गिरावट

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईटी सेवा निर्यातक इंफ़ोसिस लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 7,969 करोड़ रुपए के मुकाबले 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपए पर आ गया। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में उसे 7,033 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के 7,969 करोड़ रुपए से 11.7 प्रतिशत कम है। इस अवधि में उसका कुल राजस्व 37,923 करोड़ रुपए के मुकाबले 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 40,925 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

चौतरफा लिवाली से बाजार में तेजी बरकरार

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच आयात शुल्क (टैरिफ) को लेकर चल रही जवाबी कार्रवाई से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की आशंका के बावजूद भारत के टैरिफ से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होने की बदौलत स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली से आज शेयर बाजार लगातार चौथे दिन उछल गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1508.91 अंक अर्थात 1.96 प्रतिशत की तेजी के साथ तेरह कारोबारी सत्र के बाद 78 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 78,553.20 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 414.45 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की छलांग लगाकर 23851.65 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 41,980.48 अंक और स्मॉलकैप 0.52 प्रतिशत चढ़कर 47,946.66 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4106 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2427 में लिवाली जबकि 1522 में बिकवाली हुई वहीं 157 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कुल 2977 कंपनियों के शेयर कारोबार के लिए रखे गए, जिनमें से 1847 में तेजी जबकि 1047 में गिरावट हुई वहीं 83 में टिकाव रहा।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक बाजारों में जारी उतार-चढ़ाव और व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच भारत का हालिया बेहतर प्रदर्शन बाजार विशेषज्ञों के लिए चौंकाने वाला लेकिन उत्साहजनक रहा है। इस वर्ष 02 अप्रैल के बाद से जब प्रमुख वैश्विक बाजार नुकसान झेल रहे हैं, भारत उन गिने-चुने बड़े बाजारों में शामिल है

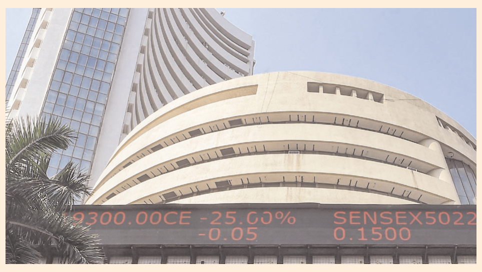

जिसने न सिर्फ अपने नुकसान की भरपाई की बल्कि 02 अप्रैल से पहले के स्तर से ऊपर बंद होकर निवेशकों का भरोसा भी कायम रखा। इस मजबूती के पीछे दो प्रमुख वजहें बताई जा रही हैं। पहला, भारत एक घरेलू खपत-आधारित अर्थव्यवस्था है, जिससे यह टैरिफ संकट जैसे बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होता है। चीन या अमेरिका जैसे देशों के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था का निर्यात पर कम निर्भर होना वैश्विक झटकों के दौरान इसे एक सुरक्षित विकल्प बनाता है।

दूसरा, अमेरिका और भारत के बीच संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की उम्मीदें बाजार को अतिरिक्त समर्थन दे रही हैं। अमेरिका भारत को अपने चार प्रमुख व्यापारिक सहयोगियों ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत में से एक मान रहा है, जिनके साथ वह प्राथमिकता के आधार पर व्यापार समझौते कर सकता है। यदि यह समझौता होता है तो भारत अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध की स्थिति में एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत बन सकता है, जिससे निर्यात और विदेशी निवेश को बल मिलेगा।

■ सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,553.20 अंक पर

■ निफ्टी 1.77 प्रतिशत की छलांग लगाकर 23851.65 अंक पर बंद

इस बीच, भारत के घरेलू खपत से जुड़े क्षेत्रों वित्तीय सेवाएं, दूरसंचार, विमानन, सीमेंट और ऑटो में सूचीबद्ध शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। कई शेयर ने 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर छुआ है और कुछ ने नए रिकॉर्ड भी बनाए हैं। इससे बीएसई के सभी 21 समूहों में लिवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज 0.56, सीडी 0.95, ऊर्जा 1.13, एफएमसीजी 0.61, वित्तीय सेवाएं 2.00, हेल्थकेयर 0.91, इंडस्ट्रियल्स 0.57, आईटी 0.24, दूरसंचार 2.22, यूटिलिटीज 0.71, ऑटो 1.01, बैंकिंग 2.56, कैपिटल गुड्स 0.75, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.71, धातु 0.25, तेल एवं गैस 0.98, पावर 0.94, रियल्टी 0.49, टेक 1.19, सर्विसेज 1.47 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.21 प्रतिशत उछल गए। इस दौरान सेंसेक्स में मारुति और टेक महिंद्रा की 0.24 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 28 कंपनियों में तेजी रही। इटर्नल 4.37, आईसीआईसीआई बैंक 3.68, भारती एयरटेल 3.63, सन फार्मा 3.50, एसबीआई 3.28, बजाज फिनसर्व 3.24, कोटक बैंक 3.06, रिलायंस 2.90, एक्सिस बैंक 2.51, अदानी पोर्ट्स 2.34, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.69, अल्ट्रासिम्को 1.52 और एनटीपीसी के शेयरों ने 1.34 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

कॉर्पोरेट्स गवर्नेंस में विफलताओं को रोकना जरूरी : तुहिन कांत

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सेबी के

चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने गुरुवार को कहा कि कॉर्पोरेट्स को उच्च शासन मानकों को सुनिश्चित करना चाहिए, क्योंकि किसी भी विफलता का बाजार अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

सीआईआई कॉरपोरेट गवर्नेंस समिट को संबोधित करते हुए, बाजार नियामक प्रमुख ने कहा कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस में विफलताओं को रोकना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सेबी गवर्नेंस के उच्च मानकों की अपेक्षा करना जारी रखेगा, लेकिन सच्चा और स्थायी बदलाव कॉर्पोरेट बोर्डरूम के भीतर से आना चाहिए।

पांडे ने कहा कि बाजार में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सेबी ने कुछ सूचनाओं को समय-समय पर जारी करने के निर्देश जारी किए हैं, जैसे कि तिमाही आधार पर शेयर होल्डिंग पैटर्न, कॉर्पोरेट गवर्नेंस आवश्यकताओं का अनुपालन, फाइनेंशियल रिजल्ट और फंड की मूवमेंट आदि। उन्होंने कहा कि सूचनाओं को प्रकट करने, बोर्ड स्ट्रक्चर्स और निगरानी तंत्रों को अनिवार्य कर हमारा लक्ष्य सेल्फ-रेगुलेटिंग एनवायरमेंट बनाना है, जो नैतिक और जिम्मेदार कॉर्पोरेट व्यवहार को प्रोत्साहित करता है। सेबी प्रमुख ने उद्योग जगत को अनुपालन, रिपोर्टिंग, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और उद्यमों की परिचालन दक्षता में सुधार के लिए आरईजी टेक सॉल्यूशन अपनाने को कहा।

खाद्य तेलों में टिकाव, चावल महंगा व अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजार में गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर आवक और उठाव बराबर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि चावल महंगा हो गया वहीं अन्य जिसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 20 रिंगिट उतरकर 4187 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.02 सेंट फिसलकर 47.46 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चावल दो रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया वहीं गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5750-5850, दाल चना 6750-6850, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपए प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3450-3550 रुपए प्रति क्विंटल रहा। **चीनी-गुड़ :** चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

आरबीआई ने तीन बैंकों पर ठोका जुर्माना

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग नियमों का उल्लंघन करने पर कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) पर एक करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने गुरुवार को बताया कि उसने कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड पर बैंकिंग दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के लिए 61.40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। उसने बताया कि बैंक की 31 मार्च, 2023 तक की वित्तीय स्थिति के आधार पर निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में बैंक द्वारा निर्देशों के अनुपालन में कमियां पाई गईं, जिसके बाद उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बैंक के जवाब के बाद आरबीआई ने पाया कि बैंक कुछ उधारकर्ताओं के लिए स्वीकृत निधि आधारित कार्यशील पूंजी सीमा का कम से कम निर्दिष्ट प्रतिशत सुनिश्चित करने में विफल रहा।

साथ ही बैंक ने कुछ स्टॉक-ब्रोकर के

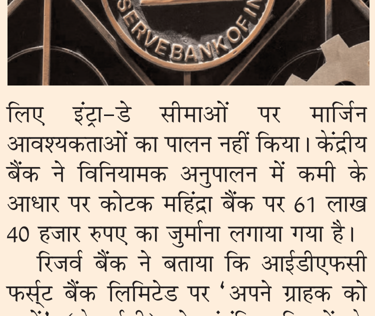

लिए इंट्रा-डे सीमाओं पर मार्जिन आवश्यकताओं का पालन नहीं किया। केंद्रीय बैंक ने विनियामक अनुपालन में कमी के आधार पर कोटक महिंद्रा बैंक पर 61 लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

रिजर्व बैंक ने बताया कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पर 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) से संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए 38 लाख 60 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। उसने बताया कि आरबीआई द्वारा बैंक की निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान पाया गया कि कुछ एकल स्वामित्व वाली फर्मों के चालू खाते खोलने के लिए बैंक ने अपेक्षित ग्राहक उचित परिश्रम प्रक्रिया

■ निरीक्षण में बैंक द्वारा निर्देशों के अनुपालन में कमियां पाई गई

पूरी नहीं की। इस उल्लंघन को गंभीर मानते हुए, आरबीआई ने बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बैंक के उत्तर पर विचार करने के बाद आरबीआई ने यह जुर्माना लगाने का निर्णय लिया।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि पीएनबी पर 'बैंकों में ग्राहक सेवा' से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण 29 लाख 60 हजार रुपये का दंड लगाया गया है। उसने बताया कि आरबीआई ने 31 मार्च, 2023 तक की बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर वैधानिक निरीक्षण किया था। इस दौरान सामने आए निर्देशों के उल्लंघन और उससे संबंधित पत्राचार के बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसके जवाब में बैंक के जवाब के बाद आरबीआई ने पाया कि बैंक ने निष्क्रिय खातों में न्यूनतम शेष राशि न रखने पर दंडात्मक शुल्क वसूला, जो निर्देशों के विरुद्ध था।

खेल जगत

रायजा ढिल्लों ने अपने पहले विश्व कप फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया

पेरू। पेरिस ओलंपियन रायजा ढिल्लों ने अपने पहले विश्व कप फाइनल में जगह बनाई, महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में विश्वसनीय पांचवें स्थान पर रहीं, जबकि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के दूसरे चरण के दूसरे दिन दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता और पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली रायजा ने एक शानदार फील्ड में एक नवोदित खिलाड़ी के लिए एक ठोस फाइनल शूट किया, 60 शॉट के निर्णायक के 30 शॉट चरण में 26 हिट के साथ बाहर हो गईं वह चौथे स्थान पर रहने वाली चीन की जियांग यिटिंग से बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाईं, जो पेरिस ओलंपिक की मिश्रित टीम की कांस्य पदक विजेता हैं, जिन्हें उन्हें सबसे अधिक बिब नंबर होने के कारण हराना था।

पंजाब से हिसाब बराबर करने उतरेगी आरसीबी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (देशबन्धु)। रंग में चल रहे पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर (कुल 250 रन) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली (कुल 248 रन) मौजूदा आईपीएल 2025 में शुरू के छह-छह मैचों में तीन तीन अर्धशतक जड़ रन बनाने में क्रमश:- चौथे

■ विराट को पंजाब के चहल व अर्शदीप से चौकस रहना होगा

■ हेजलवुड व दयाल की कोशिश पंजाब के श्रेयस व प्रियांश को सस्ते में आउट करने की

और पांचवें स्थान पर चल रहे हैं। आरसीबी और पंजाब किंग्स ने अब तक समान रूप से चार चार मैच जीते हैं और दो दो हारे हैं और दोनों के ही आठ आठ अंक हैं। आरसीबी अपने बेहतर नेट रन रेट के कारण तीसरे और पंजाब किंग्स चौथे स्थान पर है। विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी से आरसीबी ने पंजाब किंग्स से आईपीएल में अपने पिछले पांच में लगातार तीन मैच जीते हैं और वह अब अपने बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने इसी दबदबे को जारी रखने के मकसद से उतरेगी। आरसीबी के लिए अच्छी बात यह है कि इस बार विराट कोहली अपने नए अवतार में फिलहाल अपने सलामी जोड़ीदार फिल साल्ट के साथ पूरे रंग मे है और वह अपनी इसी शानदार फार्म को बेंगलुरू में शुक्रवार को जारी रख आरसीबी को जिताने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पंजाब

किंग्स की ताकत उसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं लेकिन जिस तरह राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने जिस तरह रफ्तार से छका कर बोल्ड किया उसी से प्रेरणा लेकर आरसीबी के चतुर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के यश दयाल अपनी रफ्तार से उन्हें सस्ते में आउट कर उसकी पारी को शुरू में ही बिखरेने की पुरजोर कोशिश करेगी। आरसीबी ने अपने पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और विराट कोहली के अर्धशतकों से राजस्थान रॉयल्स को जयपुर में नौ विकेट से हराया कर छह मैचों में अपनी चौथी जीत दर्ज की। आरसीबी के लिए चिंता की बात यह है कि उसे अपने शुरू के छह मैचों में दो हार गुजरात टाइटंस के खिलाफ आठ विकेट से तथा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ छह विकेट से अपने बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही मिली थी। आरसीबी अपने घर मे अपना रिकॉर्ड बेहतर करने के मकसद से उतरेगी। वहीं अपने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (4/28) के बुने स्पिन के जाल की बदौलत पंजाब किंग्स ने मात्र 111 रन का बचाव करते हुए मुल्लापुर (मोहाली) में लगभग हारी पलट मौजूदा चैंपियन केकेआर को 15.1 ओवर में 95 रन पर ढेर कर 16 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

मुझे पंजाब किंग्स में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है : अर्शदीप

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि फ्रेंचाइजी में अपना पहला साल बिताने के बाद, उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने की प्रबल इच्छा थी, जिससे उन्हें एक खिलाड़ी और इंसान के रूप में विकसित होने में मदद मिली। अर्शदीप 2019 आईपीएल से पहले पीबीकेएस में शामिल हुए और तब से, वे टीम का अभिन्न अंग रहे हैं, उन्होंने 71 मैचों में 26.82 की औसत और 9 की इकॉनमी रेट से 84 विकेट लिए हैं। गुरुवार को यूट्यूब पर फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अर्शदीप ने कहा कि जब से मैं पंजाब किंग्स में आया, पहले साल को छोड़कर, मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद, मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और व्यक्ति के रूप में विकसित होने में भी मदद मिली। अर्शदीप का सफल आईपीएल सीजन 2021 में आया, जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए, जिसमें मुंबई इंडियंस के खिलाफ सुपर ओवर में अपना धैर्य बनाए रखना भी शामिल है। इसने उन्हें भारत की टी20 टीम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जहां अर्शदीप उस टीम के सदस्य थे जिसने 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीता और आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता।अर्शदीप ने आगे बताया कि कैसे इस वरिष्ठता की भावना ने खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार दिया, खासकर उच्च दबाव की स्थितियों में। मेरी भूमिका और विकास में उन्नति बहुत पहले ही आ गई थी और इसलिए, मुझे पता था कि मैं महत्वपूर्ण चरणों में गड़बड़ नहीं कर सकता क्योंकि उस समय, योजना के अनुसार काम न करने से टीम गंभीर संकट में पड़ सकती है। इसलिए, मैं गंभीर हो गया और बहुत जल्दी ही एक वरिष्ठ की तरह महसूस करने लगा।

कप्तान के तौर पर मैं अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रहा हूं : अक्षर पटेल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह अरुण जेटली स्टेडियम में अपने छठे आईपीएल मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रोमांचक सुपर ओवर में जीत के बाद अपनी कप्तानी भूमिका का लुत्फ उठा रहे हैं। मेजबान टीम ने अभिषेक पोरेल (37 गेंदों पर 49 रन), ट्रिस्टन स्टब्स (18 गेंदों पर नाबाद 34 रन) और कप्तान अक्षर पटेल (14 गेंदों पर 34 रन) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 20 ओवर में 188/5 रन बनाए। जवाब में, राजस्थान रॉयल्स यशस्वी जायसवाल और नितीश राणा के अर्द्धशतकों की बदौलत लक्ष्य के करीब पहुंच गई। हालांकि, तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क दिल्ली कैपिटल्स के लिए अहम साबित हुए, क्योंकि मेजबान टीम सुपर ओवर में शीर्ष पर रही। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए पटेल ने सुपर ओवर में जीत, अपनी कप्तानी शैली, फॉर्म और कई अन्य विषयों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि एक कप्तान के तौर पर मैं अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यह सब स्टेट क्रिकेट के लिए भी कर रहा था। मुझे पता है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। जब आपको टीम को अपने हिसाब से चलाने का मौका मिलता है और अगर आपको अपनी पसंद के हिसाब से क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो यह सबसे अच्छी बात है। मैं मैदान पर और मैदान के बाहर इसका लुत्फ उठा रहा हूं। सुपर ओवर खेलने के बारे में पूछे जाने पर कप्तान ने मजाक में कहा कि ऐसी परिस्थिति में मैं ही क्यों आगे आता हूं?

अक्षर को उम्मीद, डुप्लेसी जीटी के खिलाफ अगला मैच खेलेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल को उम्मीद है कि उनके कप्तान फाफ डुप्लेसी शनिवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ होने वाले मैच से पहले चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। हालांकि वह इसके बारे में पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं और उन्होंने ना उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कुछ बताया है। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर मिली सुपर ओवर की जीत के बाद अक्षर ने कहा कि मुझसे तब कहा गया था कि वे कम से कम तीन मैच नहीं खेल पाएंगे और अभी दो मैच हुए हैं। हो सकता है कि वह गुजरात के खिलाफ अगले मैच में खेलें, लेकिन हमें फिजियो से इसके बारे में कंफर्मेशन लेना होगा। डीसी अपने बल्लेबाजी क्रम में जल्द से जल्द फाफ डुप्लेसी को लाना चाहेगा क्योंकि उनके सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क फॉर्म में नहीं हैं और सभी छह मैच खेलते हुए 105.76 के स्ट्राइक रेट और 38 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 55 रन बनाए हैं।

सुरुचि-सौरभ ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक

लीमा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ विश्वकप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया है। बुधवार को हुई स्पर्धा में सुरुचि और सौरभ ने स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में 8-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीन की याओ कियानक्सुन और हू काई की जोड़ी को 17-9 से हराया। इस वर्ष आईएसएसएफ विश्वकप में सुरुचि का यह तीसरा स्वर्ण और कुल मिलाकर चौथा पदक था। उन्होंने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में और मंगलवार को लीमा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा जीत दर्ज की थी। उन्होंने ब्यूनस आयर्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सौरभ के साथ कांस्य पदक भी जीता था। दूसरी ओर, सौरभ ने भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर लगभग तीन वर्षों में आईएसएसएफ विश्वकप में अपना पहला व्यक्तिगत पदक जीता था।

सुरुचि और सौरभ ने चीन की याओ कियानक्सुन और हू काई की जोड़ी को 17-9 से हराया

इस बीच, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक मैच में मनु भाकर और रविंदर सिंह को चीन के मा कियानके और झांग यिफान की जोड़ी ने 16-6 से हराया। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि सिंह (291) और सौरभ चौधरी (289) ने कुल 580 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था।

चौथे अंपायर से विवाद के लिए डीसी बॉलिंग कोच मुनाफ पटेल पर जुर्माना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच मुनाफ पटेल पर अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्होंने एक डिमेरिट अंक भी अर्जित किया है।

आईपीएल ने एक बयान में कहा कि मुनाफ पटेल ने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 अपराध को स्वीकार किया है - जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है - और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया है, आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। यह घटना दिल्ली की गेंदबाजी के दौरान हुई जब चौथे अंपायर ने कथित तौर पर दिल्ली के रिजर्व खिलाड़ी को पटेल का संदेश देने के लिए मैदान में प्रवेश करने से रोक दिया। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज को बाउंड्री लाइन पर अपने फीते बांधते समय अंपायर से बहस करते देखा गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दिल्ली कैपिटल्स ने मिशेल स्टार्क के शानदार प्रदर्शन के बाद सुपर ओवर में रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने न केवल अंतिम ओवर में ध्रुव जुरेल और शिमरोन हेटमायर के खिलाफ नौ रन बचाए, बल्कि सुपर ओवर में राजस्थान को 11 रन पर रोक दिया। केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने घरेलू टीम को जीत दिलाई और अरुण जेटली स्टेडियम में सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। स्टार्क को मैच में उनके शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने अपने चार ओवरों में 1-36 के आंकड़े के साथ वापसी की।

■ दिल्ली कैपिटल्स ने मिशेल स्टार्क के शानदार प्रदर्शन के बाद सुपर ओवर में रोमांचक जीत हासिल की

खुद से ज्यादा हमने पंजाब के लिए खेला : जुगराज सिंह

झांसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जुगराज सिंह 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थे, जिससे हॉकी पंजाब को प्रतिष्ठित खिताब जीतने में मदद मिली। 28 वर्षीय ड्रैग-फ्लिकर ने टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में पांच गोल किए, जिसमें फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश के खिलाफ दो गोल शामिल हैं। टूर्नामेंट में अपने अनुभव पर विचार करते हुए, जुगराज ने कहा कि कुल मिलाकर, यह एक शानदार अनुभव था। हमारी टीम मजबूत थी और हम आत्मविश्वास से भरे हुए थे। फाइनल में, हमने हॉकी मध्य प्रदेश जैसी मजबूत टीम को हराया, जिसका स्कोर काफी अच्छा था, इसलिए मैं टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं फाइनल में, हॉकी मध्य प्रदेश ने 28वें मिनट में गोल किया, लेकिन हॉकी पंजाब ने शानदार वापसी करते हुए 4-1 से जीत हासिल की।

सार संक्षेप

सौरव कोठारी ने आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीता

कोलकाता। कोलकाता के सौरव कोठारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है। आयरलैंड के कार्लो में खेले गये फाइनल मुकाबले में चालीस वर्षीय कोठारी ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी और दिग्गज बिलियर्ड्स खिलाड़ी पंकज आडवाणी को 725-480 से हराकर विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। कोठारी का यह दूसरा विश्व खिताब है।

दिल्ली स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष एनएफसी सेमीफाइनल में

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)। गत चैंपियन दिल्ली ने गुरुवार को चंडीगढ़ को 8-0 से हराकर स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां खेले गये मुकाबले के पहले सत्र में दिल्ली ने सात गोल किये। दिल्ली की ओर से मोइरंगथेम राजेश्वर सिंह, आदित्य अधिकारी और लैशराम राहुल मैतेई ने दो-दो गोल तथा सांखिल दारपोल तुइशांग और अरमान अहमद ने एक-एक गोल किए। दिल्ली ने शुरू से ही मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और सातवें मिनट में मोइरंगथेम राजेश्वर सिंह के गोल कर दिल्ली को बढ़त दिलाई। आदित्य अधिकारी ने 16वें मिनट में दूसरा गोल किया। इसके बाद 27वें मिनट में मोइरंगथेम के दमदार शॉट ने स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद दिल्ली ने पांच ओर गोल कर मुकाबला 8-0 से जीत लिया।

आर्सेनल चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में

मैड्रिड। आर्सेनल एफ सी ने रियल मैड्रिड को हराकर चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को खेले गए मुकाबले में आर्सेनल ने रियल मैड्रिड 2-1 हराया। आर्सेनल की ओर से पहला गोल 65वें मिनट में बुकायो साका ने किया। वहीं उसने दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया।

स्मृति मंधाना को महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में रत्नागिरी जेट्स की आइकन खिलाड़ी चुना गया

मैं रत्नागिरी जेट्स परिवार में उनके आइकन खिलाड़ी के रूप में शामिल होने से रोमांचित हूं : स्मृति

पुणे, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पुरुष सर्किट में महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (एमपीएल) की दो बार की चैंपियन रत्नागिरी जेट्स ने महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्लूएमपीएल) में एक फ्रेंचाइजी हासिल करके महिला क्रिकेट में अपनी आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की। महिला खेल के प्रति गंभीर इरादे और प्रतिबद्धता का संकेत देते हुए, फ्रेंचाइजी ने टीम इंडिया की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को अगले तीन सीजन के लिए अपना आइकन खिलाड़ी नामित किया। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज, जिन्हें दुनिया की सबसे शानदार और लगातार प्रदर्शन करने वाली बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, को हाल ही में बीसीसीआई द्वारा 2023-24 सीजन के लिए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला) पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह डब्लूएमपीएल खिलाड़ी नीलामी से पहले शीर्ष चयनों में से एक थी, जो 17 अप्रैल को पुणे में पुरुषों की एमपीएल नीलामी के साथ होगी। रत्नागिरी जेट्स के साथ अपने जुड़ाव पर बोलते हुए स्मृति ने कहा कि मैं रत्नागिरी जेट्स परिवार में उनके आइकन खिलाड़ी के रूप में शामिल होने से रोमांचित हूं।

स्टार्क ने अंतिम ओवर में बेह्तरीन प्रदर्शन किया : बाउचर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर ने बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स पर दिल्ली कैपिटल्स की रोमांचक सुपर ओवर जीत में मिशेल स्टार्क के सटीक प्रदर्शन की सराहना की। स्टार्क ने अंतिम ओवर में नौ रन का सफलतापूर्वक बचाव किया और सुपर ओवर में सिर्फ 11 रन दिए, जिसे घरेलू टीम ने चार गेंदों में हासिल कर यादगार रात का अंत किया। बाउचर ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि स्टार्क ने उस अंतिम ओवर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। अब तक उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है - नई गेंद से उन्हें शुरुआत में ही चोट लग गई - लेकिन उन महत्वपूर्ण क्षणों में, आप अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों की ओर देखते हैं और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने लगभग हर गेंद पर शानदार प्रदर्शन किया। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा आप उनके अनुभव और मूल्य वाले किसी व्यक्ति से उम्मीद करते हैं।

गुरु काशी विश्वविद्यालय के छात्र ऋषभ यादव ने तीरंदाजी वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण पदक

गुरुग्राम 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम के युवा तीरंदाज और गुरु काशी यूनिवर्सिटी में एमबीए फर्स्ट ईयर के छात्र ऋषभ यादव ने अमेरिका के फ्लोरिडा के उरबनडेल शहर में हो रहे तीरंदाजी वर्ल्ड कप में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने ये मेडल मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में अपनी पार्टनर सुरेखा वेणम के साथ मिलकर जीता। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे की टीम को 153-151 के करीबी स्कोर से हराया। मैच की शुरुआत में चीनी ताइपे की टीम ने मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन आखिरी राउंड में दोनों ने लगातार दो परफेक्ट शॉट लगाकर शानदार जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने स्पेन, डेनमार्क और स्लोवेनिया जैसी मजबूत टीमों को हरा कर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी। ऋषभ की इस उपलब्धि को व्यक्तिगत सफलता के साथ-साथ गुरु काशी विश्वविद्यालय की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। जहां देश के कई हिस्सों में तीरंदाजी अभी मुख्यधारा के खेलों में शामिल नहीं हो पाई है, वहीं गुरु काशी विश्वविद्यालय जैसे संस्थान युवाओं को प्रशिक्षण देने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एस. गुरलाभ सिंह सिद्धू और कुलपति प्रो. (डॉ.) रमेश्वर सिंह ने ऋषभ को बधाई दी और इस सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के खेलों पर बढ़ते फोकस को दिया। डॉ. सिंह ने कहा, 'यह जीत दिखाती है कि जब छात्रों को सही माहौल मिलता है, तो वे देश के लिए गौरव बन सकते हैं।' खेल निदेशक डॉ. राजकुमार शर्मा ने भी फाइनल मुकाबले को धैर्य की परीक्षा बताया, उन्होंने कहा, 'शुरुआत कमजोर रही, लेकिन दबाव में संयम और फोकस ने अंत में फर्क पैदा कर दिया।' ऋषभ की ये जीत न केवल गुरु काशी विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे हरियाणा के लिए गर्व का क्षण है। यह इस बात का प्रमाण है कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल प्रतिभाओं को भी समान महत्व देना जरूरी है।

तपेंद्र घई ने कैलेंस ओपन में चार शॉट की बढ़त बनाई

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम के तपेंद्र घई ने सर्वश्रेष्ठ आठ-अंडर 62 का स्कोर बनाकर नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये के कैलेंस ओपन 2025 के तीसरे राउंड में चार शॉट की शानदार बढ़त बनाई। 29 वर्षीय घई (64-67-62), जिन्होंने 2018 में पीजीटीआई में अपना एकमात्र खिताब जीता था, ने अपने अंतिम राउंड के बाद अपना कुल स्कोर 17-अंडर 193 कर लिया, जिससे उन्हें रात भर के अपने चौथे स्थान से तीन स्थान ऊपर उठने में मदद मिली। दिल्ली के हनी बैसोया (67),

■ 29 वर्षीय घई (64-67-62), जिन्होंने 2018 में पीजीटीआई में अपना एकमात्र खिताब जीता था

लुधियाना के पुखराज सिंह गिल (68) और चंडीगढ़ के युवराज संधू (69) सभी 13-अंडर 197 के बराबर स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

तपेंद्र घई, जो पहले राउंड में लीडर थे, लेकिन दूसरे राउंड में लीड से तीन शॉट पीछे रह गए, उस दिन पटर के साथ शानदार फॉर्म में थे, जब बाकी सभी शॉर्ट पट से जूझ रहे थे। घई ने अपने पहले आठ होल पर सिंगल पट लगाए, जहां उन्होंने तीन बर्डी लगाई और कुछ बेहतरीन पार-सेव भी किए। तपेंद्र ने टर्न के बाद भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 10वें और 13वें होल के बीच तीन बर्डी हासिल की। उन्होंने 13वें होल पर सप्ताह का अपना सबसे लंबा पट, 30-फुटर लगाया। 14वें होल पर घई की बोगी खेल के क्रम के विपरीत थी, लेकिन उन्होंने अपने आखिरी तीन होल पर बर्डी लगाकर इसकी भरपाई कर दी, जहां उन्होंने फिर से कुछ बेहतरीन पटिंग और अच्छे बंकर शॉट दिखाए। घई ने कहा कि मैंने पहले आठ होल पर सिंगल पट के साथ वास्तव में अच्छी शुरुआत की। मैं आखिरी तीन होल पर बर्डी के साथ इसे अच्छी तरह से समाप्त करने में भी कामयाब रहा। इससे हमेशा अगले राउंड में जाने के लिए गति मिलती है। पहले राउंड की तुलना में बड़ा अंतर यह था कि मैंने आज बहुत अधिक पट लगाए। हनी बैसोया ने अपने 65 के कार्ड के दौरान छह बर्डी और एक बोगी बनाई और चार स्थान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। पुखराज सिंह गिल के 66 रन की बदौलत वे दो पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि युवराज संधू के 67 रन की बदौलत वे एक पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	दिल्ली कैपिटल	6	5	1	10	+0.744
2-	गुजरात टाइटंस	6	4	2	8	+1.081
3-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	8	+0.672
4-	पंजाब किंग्स	6	4	2	8	+0.172
5-	लखनऊ सुपर जायंट्स	7	4	4	8	+0.086
6-	कोलकाता नाइट राइडर	7	3	4	6	-0.547
7-	मुंबई इंडियंस	6	2	4	4	-0.104
8-	राजस्थान रॉयल्स	7	2	4	4	-0.714
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	6	2	4	4	-1.245
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	7	2	5	4	-1.276